THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 91 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.2 2081 रविवार, 23 जून-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

रेरा रजि. नं. RAJ/P/2024/2965
www.rera.rajasthan.gov.in

मुख्यमंत्री जन आवास योजना

मानसरोवर विस्तार
जयपुर में
आवासीय फ्लैट्स
के अंतिम चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना-3A
के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रियल एस्टेट रेगुलेशन एक्ट में पंजीकृत आवासीय योजना

आवेदन की अंतिम तिथि
26 जून, 2024

1BHK पंजीकरण राशि ₹66,000 कुल राशि ₹24.5 लाख*

3BHK पंजीकरण राशि ₹96,000 कुल राशि ₹45 लाख*

जे पार्क
मानसरोवर विस्तार
जयपुर

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए 2 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

संपर्क करें
Aditya Park Sarovar Portico
Aditya Trade Center, Satyam Theatre Road, Hyderabad
9358150067, 9251625252

आवेदन हेतु
www.cmjanaawas.com

सीट बंटवारे पर अभी कोई बात नहीं हुई है

पवार के बयान पर बोले संजय राउत

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं, ऐसे में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) अपनी रणनीति बनाने में जुटा हुआ है। शरद पवार का कहना है कि वह करीब 100 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। उनके इस बयान से शिवसेना-यूबीटी सहमत नहीं है। इसको लेकर शिवसेना-यूबीटी के नेता संजय राउत का बयान सामने आया है और उनका कहना है कि सीट बंटवारे पर अभी कोई बातचीत नहीं है। 25 जून के बाद बातचीत की जाएगी। संजय राउत ने कहा कि पवार साहब हमारे एमवीए का स्तम्भ और मार्गदर्शक हैं। अब तक सीट शेयरिंग को लेकर कोई बात नहीं हुई है। यहां तक की चर्चा भी नहीं की गई है। इस गठबंधन में सभी बराबर के हिस्सेदार हैं। लोकसभा चुनाव में भी सभी ने बराबर से चुनाव लड़कर जीत हासिल की है। इस संबंध में हमारी बातचीत जल्द शुरू होने वाली है। हम

25 जून को एक साथ बैठेंगे।

मानसून सत्र के बाद होंगी बैठकें

उन्होंने कहा कि दिल्ली में 25 जून को कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। इस दौरान वहां पर भी बातचीत होगी है। इस बार जरूर शरद पवार साहब का स्ट्राइक रेट ज्यादा है, उसका मतलब यह नहीं है, शिवसेना को इस बार सबसे ज्यादा टारगेट किया गया। मुंबई वाली सीट पर डाका डाला गया है। किसी को सीटें कम नहीं मिलेंगी। हम सब मानसून सत्र के बाद बैठेंगे और फैसले लेंगे।

पुणे में शरद पवार ने की पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

बीते दिन शरद पवार ने पार्टी के नेताओं के साथ कई बैठकें कीं। इस बैठक में शामिल हुए पुणे शहर के एनसीपी (सपा) प्रमुख प्रशांत जगताप ने बताया कि पवार ने कहा कि शरद पवार ने संकेत दिया कि विधानसभा चुनावों में तस्वीर अलग होने वाली है और पार्टी अधिक आक्रामक दृष्टिकोण अपनाएगी। लोकसभा चुनाव में पार्टी शिवसेना-यूबीटी और कांग्रेस की तुलना में कम सीट पर चुनाव लड़ने पर तैयार हो गई थी, लेकिन महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ऐसा नहीं होने वाला है।

लोकसभा चुनाव में किस पार्टी ने कैसा किया प्रदर्शन?

महाराष्ट्र में एनसीपी (एसपी), कांग्रेस, शिवसेना-यूबीटी ने मिलकर चुनाव लड़ा था। इंडिया गठबंधन के सीट शेयरिंग फॉर्मूले के तहत उद्धव ठाकरे की शिवसेना 21 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, जबकि कांग्रेस 17 और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी। उद्धव ठाकरे को 9 सीटों पर जीत हासिल हुई। वहीं, कांग्रेस ने 13 और शरद पवार ने 8 सीटों पर जीत हासिल की। इस चुनाव में उद्धव की पार्टी का स्ट्राइक रेट कम रहा। सबसे ज्यादा कांग्रेस ने सीटें जीतीं और उसे केवल 4 सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा शरद पवार की पार्टी ने मात्र दो सीटें गंवाई थीं।

प्रेमी संग फरार हो गई बहू लौटकर आई तो ससुराल वालों ने ऐसे उतारा प्यार का भूत

धार, 22 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार जिले में एक महिला के साथ बर्बरतापूर्वक पिटाई का मामला सामने आया है। घटना गंधवानी तहसील के टांडा थाना अंतर्गत ग्राम कोदी की है। महिला की पिटाई की वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। विवाहिता महिला पर आरोप है कि वह अपने प्रेमी से दूसरी शादी के लिए घर से फरार हो गई थी। इस बात से नाराज होकर परिवार के लोगों ने ही महिला को बुरी तरह से पीटा।

वायरल हो रहे वीडियो का संज्ञान लेकर पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियो में गांव के सरपंच नूर सिंह और महिला के परिवार के लोग शामिल हैं। सरपंच को शुक्रवार शाम को गिरफ्तार किया था जबकि बाकी अन्य आरोपियों को देर रात गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि ग्राम कोदी आंगनवाड़ी केन्द्र के सामने पीटा गया था। पिटाई करने वाले लोगों में महिला का देवर, जेठ और ग्राम सरपंच नूर सिंह शामिल हैं।

सिब्बल ने केजरीवाल-सोरेन को टॉम-डिक हैरी क्यों कहा? जानें पूरा मामला

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत पर रोक के बाद राज्य सभा सांसद और देश के नामी वकील कपिल सिब्बल ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, यह अजीब है कि एक अदालत ने पुलिस को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को गिरफ्तार करने से रोक दिया, जबकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया गया। कर्नाटक भाजपा के नेता वीएस येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज है। लेकिन इसी महीने की शुरुआत में कर्नाटक हाईकोर्ट ने येदियुरप्पा को गिरफ्तार करने पर रोक लगा दी थी। आदेश पारित करते समय अदालत ने कथित तौर पर कहा था कि येदियुरप्पा एक पूर्व सीएम हैं, कोई टॉम, डिक और हैरी नहीं। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने कोर्ट की इसी टिप्पणी को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। दिल्ली के सीएम को जमानत पर हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगाई तो सिब्बल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा, न्यायाधीशः येदियुरप्पा को कथित यौन शोषण मामले में अग्रिम जमानत देते हुए कहा, वह कोई टॉम, डिक या हैरी नहीं हैं।

एचडी रावन्ना को कथित अपहरण के मामले में जमानत दे दी। अरविंद केजरीवाल, हेमंत सोरेन को टॉम, डिक या हैरी मान लिया गया! यह अजीब बात है। सिब्बल पहले भी ईडी की कार्यशैली पर सवाल उठा चुके हैं। उनके मुताबिक, ईडी जानबूझकर केजरीवाल और हेमंत सोरेन को अलग अलग तरह से फंसा रही है। दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल को एक नोटिस भी जारी किया है, जिसमें निचली अदालत के 20 जून के आदेश को चुनौती देने वाली ईडी की याचिका पर जवाब मांगा गया है।

गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के गुर्गे की आर्थर रोड जेल में हार्ट अटैक से मौत

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के गुर्गे आरिफ शेख की मुंबई के आर्थर रोड जेल में हार्ट अटैक से मौत हो गई है। सूत्रों के अनुसार आरिफ शेख को शुक्रवार को शाम को अचानक सीने में दर्द होने लगा। इसके बाद जेल कर्मियों ने आरिफ को तत्काल जेजे अस्पताल में भर्ती करवाया। इलाज के दौरान आरिफ की मौत हो गई। आरिफ को मई 2022 को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दाऊद इब्राहिम से जुड़े टेरर फंडिंग मामले में गिरफ्तार किया था। आरिफ को तब से आर्थर रोड जेल में रखा गया था। बताया जा रहा है कि आरिफ एक समय छोटा शकील के सभी ऑपरेशन्स का मुखिया था। 2016 में मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने उसे जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया था। आरिफ शेख छोटा शकील के आदेश पर काम करते हुए दाऊद गैंग के लिए काम कर रहा था। आरिफ शेख मीरा रोड में रहता था और 2020 में उन्होंने छोटा शकील की बहन फहमीदा से शादी की थी।

'मजदूर, दाई, कुली की नौकरी के लिए ली गई 15 से 25 लाख रिश्वत

सीबीआई ने कर्नाटक में भर्ती घोटाले में किया खुलासा

बैंगलूरू, 22 जून (एजेंसियां। बेलगाम छावनी बोर्ड (बीसीबी) में मजदूर, दाई, कुली और चौकीदार की नौकरी के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों ने 15-25 लाख रुपये की रिश्वत दी है। सीबीआई ने भर्ती घोटाले के सिलसिले में दर्ज अपनी प्राथमिकी में यह जानकारी दी है। एजेंसी ने शुक्रवार को सार्वजनिक की गई अपनी प्राथमिकी में बोर्ड के पांच अधिकारियों और रिश्वत देने वाले 14 अभ्यर्थियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सीबीआइ ने पिछले साल बोर्ड के एक सदस्य की शिकायत के आधार पर प्रारंभिक जांच शुरू की थी, जिसमें 2022-23 में की गई भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि जांच के निष्कर्षों से पता चला है कि 2022-23 के दौरान मैकेनिक, सहायक

स्वच्छता निरीक्षक, कुली, माली, चपरासी, दाई आदि पदों पर 31 अभ्यर्थियों की भर्ती की गई थी। उन्होंने कहा कि अधीक्षक महालिंगेश्वर वाई तालुकदार, कंप्यूटर प्रोग्रामर बसवराज एस गुडोदगी, डाटा एंट्री आपरेटर प्रकाश सी गौंडडकर, हेड मास्टर पारसराम एस बिरजे और सहायक शिक्षक उदय एस पाटिल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और ये लोग तत्कालीन सीईओ द्वारा जारी आदेशों के अनुसार परीक्षा प्रक्रिया में विभिन्न क्षमताओं में काम कर रहे थे।

बेटी की शादी की तारीख बदल फिर मांगी पैरोल, एचसी ने लगाई फटकार, कहा-जेल में न होते तो लगाते जुर्माना

चंडीगढ़, 22 जून (एजेंसियां)। बेटी की शादी में शामिल होने के लिए मांगे पहले पैरोल आवेदन के रद्द होने की बात छिपाकर और शादी की तारीख बढ़ाकर दूसरी याचिका दाखिल करने पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एनडीपीएस के मामले में जेल में मौजूद कैदी को जमकर फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने कहा कि यदि याची सलाखों के पीछे न होता तो उस पर मोटा जुर्माना लगाया जाता। याचिका दाखिल करते हुए बृज लाल ने हाईकोर्ट को बताया था कि उसकी बेटी की शादी मई में तय है। ऐसे में शादी में शामिल होने के लिए उसे दो सप्ताह की पैरोल दी जाए। याचिका पर जब नोटिस जारी हुआ तो पंजाब सरकार ने बताया कि याची को एक बार पहले पैरोल दी गई थी और तब वह फरार हो गया था। इसके बाद एक अन्य मामले में उसे गिरफ्तार किया गया था।

भारी वोट से जीता चुनाव, पर अब तक नहीं बने विधायक, शपथ पर मंडराया 'ग्रहण'

कोलकाता, 22 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के दो नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण समारोह पर संशय के बादल मंडरा रहे है। इन विधायकों को चुनाव जीते 18 दिन बीत गए हैं, लेकिन अब तक वे विधानसभा सदस्यसता की शपथ नहीं ले सके हैं। इस बीच, विधानसभा के सचिव ने राजभवन को नए सिरे से पत्र लिखकर समारोह की जल्द मंजूरी का आग्रह किया है। विधानसभा सचिव ने राज्यपाल सी.वी। आनंद बोस के कार्यालय को यह दूसरी बार इस तरह का पत्र भेजा है। पहला पत्र 15 जून को भेजा गया था। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस के रैयत हुसैन सरकार भगवान गोला विधानसभा सीट से और सयंतिका बनर्जी बारानगर सीट से उपचुनावों में विजयी हुई थीं। सूत्रों ने बताया कि उनके निर्वाचन को 18 दिन बीत गये हैं, लेकिन उनका शपथ ग्रहण नबन्ना स्थित राज्य सचिवालय और राजभवन के बीच 'तकनीकी गड़बड़ियों' में अटक गया है। उधर राजभवन के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि राज्यपाल कार्यालय को प्राप्त दोनों पत्रों में प्रक्रियागत खामियां हैं। नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण के लिए राज्य के संसदीय कार्य विभाग से राजभवन में राज्यपाल कार्यालय को संदेश भेजा जाना है, न कि विधानसभा सचिव की तरफ से। उन्होंने बताया कि पहले पत्र के बाद राज्यपाल कार्यालय ने विधानसभा को एक पत्र भेजकर सदन में वरिष्ठतम सदस्यों की संख्या, अनुसूचित जाति या जनजाति के विधायकों की संख्या आदि के बारे में जानकारी मांगी थी। लेकिन इनका जवाब देने की बजाय विधानसभा सचिव ने पत्र भेजकर शपथ ग्रहण समारोह जल्द आयोजित करने का अनुरोध किया है।

'जब तक हरियाणा सरकार दिल्ली को पानी नहीं देती, अनशन जारी रहेगा', आतिशी ने किया ऐलान

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी सिंह के अनशन का आज दूसरा दिन है। दिल्ली जल संकट को लेकर वह कल से अनशन पर बैठी हैं। इस बीच उन्होंने एक वीडियो मैसेज जारी किया और कहा कि जब तक हरियाणा सरकार दिल्ली को पानी नहीं देती है तबतक उनका अनशन जारी रहेगा। आतिशी ने कहा, 'जैसा कि आप जानते हैं आज मेरे अनशन का दूसरा दिन है। दिल्ली में पानी का गंभीर संकट है। इस भीषण गर्मी में जब ज़्यादा पानी की ज़रूरत थी, तब शहर में पानी की किल्लत हो गई है। दिल्ली को पड़ोसी राज्यों से पानी मिलता है। पिछले कई दिनों से हरियाणा दिल्ली के लिए कम पानी छोड़ रहा है। मैंने हर संभव रास्ता अपना कर देख लिया लेकिन जब किसी भी रास्ते से हरियाणा सरकार पानी देने को तैयार नहीं हुई तो मेरे पास अनशन पर बैठने के अलावा कोई रास्ता नहीं था। आतिशी ने कहा कि आज भी पानी की कमी बनी हुई है। कल पूरे दिन भर में 110 एमजीडी पानी कम आया है। जब तक हरियाणा सरकार दिल्ली को पानी नहीं देती, मैं अपना अनशन जारी रखूंगी।

जब तक दिल्ली के 28 लाख लोगों को पानी नहीं मिल जाता, मैं कुछ नहीं खाऊंगी।' उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्यों से नदियों और नहरों के जरिए उसे 1,005 एमजीडी पानी मिलता है जिसमें से हरियाणा 613 एमजीडी पानी मुहैया कराता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जारी भीषण गर्मी के बीच हरियाणा कुछ सप्ताह से 513 एमजीडी पानी ही दे रहा है। आतिशी ने हरियाणा से दिल्ली के लिए यमुना का अधिक पानी छोड़ने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन कल से शुरू किया है। वहीं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तिहाड़ जेल से एक संदेश में उम्मीद जताई है कि उनकी 'तपस्या' सफल होगी। अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का संदेश पढ़ा, जिसमें उन्होंने उम्मीद जताई कि आतिशी की 'तपस्या' सफल होगी। केजरीवाल ने जेल से भेजे गए अपने संदेश में कहा, "प्यासे को पानी पिलाना हमारी संस्कृति है। दिल्ली को पड़ोसी राज्यों से पानी मिलता है। हमें ऐसी भीषण गर्मी में पड़ोसी राज्यों से मदद की उम्मीद थी। लेकिन, हरियाणा ने दिल्ली के पानी का हिस्सा ही कम कर दिया।" मुख्यमंत्री केजरीवाल ने हरियाणा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा, "दोनों राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारें हैं, लेकिन क्या यह पानी पर राजनीति करने का समय है?"

मंगलौर सीट पर प्रचार करने आएंगी मायावती, बसपा ने जारी की 13 स्टार प्रचारकों की सूची

देहरादून, 22 जून (एजेंसियां)। बसपा ने उत्तराखंड विधानसभा उपचुनाव के लिए 13 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। मंगलौर सीट पर चुनाव प्रचार के लिए पार्टी प्रमुख मायावती सहित आकाश आनंद और अन्य लोग पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। बसपा के स्टार प्रचारकों की सूची चुनाव आयोग को भेजी गई है।

मंगलौर सीट से बसपा ने पार्टी की ओर से दिवंगत विधायक सरवत करीम अंसारी के पुत्र उबेदुर्रहमान को ही टिकट दिया है। वहीं भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने बदरीनाथ और मगंलौर विधानसभा उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। पार्टी के 40 स्टार प्रचारक दोनों सीटों पर भाजपा के पक्ष में प्रचार करेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री व मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने यह सूची जारी की है।

महाराष्ट्र में आरक्षण के भंवर में फंसी शिंदे सरकार

अब सड़कों पर उतरे ओबीसी समाज के लोग

लातूर, 22 जून (एजेंसियां)। बीड जिले में केज-लातूर और अहमदनगर-अहमदपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओबीसी समाज के लोग सड़क पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि सरकार लिखित में दे कि वे मराठाओं को आरक्षण देने के कड़ी में ओबीसी आरक्षण को किसी भी प्रकार से प्रभावित नहीं होने देंगे।

क्या है मामला?

कार्यकर्ता ओबीसी कोटे से मराठा आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और मनोज जरांगे की मसौदा अधिसूचना के कार्यान्वयन की मांग का विरोध कर रहे हैं, जो कुनबियों को मराठा समुदाय के सदस्यों के ऋषि सोयारे (रक्त संबंधी) के रूप में मान्यता देता है। इन दोनों नेताओं ने

मांग की है कि सरकार को सेज-सोयारे और मराठा अधिसूचना पर लोगों द्वारा दर्ज की गई 8 लाख आपत्तियों के बारे में स्पष्ट करना चाहिए। सरकार को श्वेत पत्र जारी करना चाहिए कि सरकारी रिकॉर्ड में कितने कुनबी नाम दर्ज हैं। साथ ही यह भी जानना चाहिए कि क्या हिंदू कानून, मुस्लिम पर्सनल लॉ, ईसाई कानून, पारसी कानून और किसी भी भारतीय कानून में सेज-सोयारे की परिभाषा का उल्लेख है। वाघमारे ने कहा कि उनका विरोध तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार लिखित में नहीं दे देती कि ओबीसी आरक्षण में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

ओबीसी कार्यकर्ताओं की भूख हड़ताल के बीच बस पर पथराव

महाराष्ट्र के जालना जिले के वाडीगोद्री गांव में शुक्रवार को अज्ञात लोगों ने महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की एक बस पर पथराव किया। इस गांव में 13 जून से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कार्यकर्ता भूख हड़ताल पर बैठे हैं। यह जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना तब घटी जब महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बस छत्रपति संभाजीनगर से बीड जा रही थी। उन्होंने बताया कि पथराव में कोई हताहत नहीं हुआ।

लक्ष्मण रेखा पार कर दी, ध्रुव राठी के वीडियो पर बोला हाई कोर्ट

डाबर के प्रोडक्ट को ब्लर करने का दिया आदेश

कोलकाता, 22 जून (एजेंसियां)। यूट्यूबर ध्रुव राठी के एक वीडियो को लेकर कोर्ट ने कहा कि उन्होंने किसी कंपनी के प्रोडक्ट को दिखाकर लक्ष्मण रेखा पार की है। हाई कोर्ट ने कहा कि वीडियो में प्रोडक्ट के नाम को ब्लर करना होगा। इसके साथ ही डाबर कंपनी और यूट्यूबर के बीच चल रही मुकदमेबाजी खत्म हो गई। दरअसल अपनी एक वीडियो में ध्रुव राठी ने ताजे जूस की तुलना पैक्ड जूस से की थी। इसमें उन्होंने डाबर कंपनी के रीयल फ्रूट जूस को दिखाया था। डाबर कंपनी ने इसपर आपत्ति जताई और कोर्ट पहुंच गई। जस्टिस कृष्ण राव की सिंगल जज बेंच ने कहा कि ध्रुव राठी अपनी वीडियो में दिखाए गए रीयल जूस को ब्लर कर दें। इसपर ध्रुव राठी और डाबर कंपनी दोनों ही सहमत हो गए। कोर्ट ने कहा कि राठी को भी अभिव्यक्ति का अधिकार है। हालांकि उन्हें निष्पक्ष तरीके से टिप्पणी करनी चाहिए और कंपनी के प्रोडक्ट को ब्लर करके दिखाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि वादी इस बात पर सहमत है कि ध्रुव राठी अपने वीडियो में प्रोडक्ट को बदलकर करेंगे। वीडियो में जहां भी रीयल जूस को दिखाया गया है, सभी जगह पर इसे ब्लर करना होगा। इसमें कंपनी का ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, कॉन्टेंट, लेबल,पैकेजिंग नहीं दिखाई देना चाहिए। कोर्ट ने कहा, दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि मुकदमेबाजी का कोई फायदा नहीं है इसलिए दोनों की सहमति से इस मामले को खत्म किया जाता है। दरअसल राठी के वीडियो में रीयल के ट्रेडमार्क को दिखाया गया था। मार्च 2023 को इसको लेकर जस्टिस रवि कृष्ण कि बेंच ने आदेश दिया था और कहा था कि वीडियो का पब्लिक ऐक्सेस रोक दिया जाए। कोर्ट ने कहा था, कॉन्टेंट क्रिएटर ने लक्ष्मण रेखा पार कर दी है। उसने रीयल जूस को टारगेट करते हुए कहा है कि यह किस तरह से स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। कोर्ट में डाबर की तरफ से ऐडवोकेट देवनाथ घोष, विश्वरूप मुखर्जी, आबिर देवनाथ और प्रदीप्त बोस हाजिर हुए थे। वहीं ध्रुव राठी की ओर से ऐडवोकेट सत्याकी मुखर्जी, नकुल गांधी, याश वरदान देओरा। एशना कुमार और मुजीब रहमान हाजिर हुए थे।

मुंबई से गुरुग्राम लाकर युवक को साइबर ठगी के लिए किया मजबूर, पुलिस ने दो को दबोचा

गुरुग्राम, 22 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम में साइबर ठगी का मामला खूब फल फूल रहा है। ऐसे ही एक मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, साइबर ठगी गैंग के सदस्यों ने पहले मुंबई के एक युवक को बेहतर नौकरी दिलाने के नाम पर उसे गुरुग्राम ले आए। यहां पर उसे साइबर ठगी का काम करने के लिए मजबूर कर जरायम की दुनिया में धकेल दिया। पीड़ित युवक को फर्जी बैंक खाते खोलने के लिए मजबूर करते हुए अपराध की दुनिया में धकेल दिया। आखिर उसे ऐसा कराने के आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ ही गए। अब गुरुग्राम पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सहायक पुलिस आयुक्त (साइबर अपराध) प्रियांशु दीवान के मुताबिक बताया कि मुंबई के 29 वर्षीय व्यक्ति को नौकरी लगवाने के नाम पर गुरुग्राम लाया गया। फिर उसे एक दर्जन से अधिक बैंक खाते खोलने के लिए मजबूर किया गया, जिनका इस्तेमाल साइबर अपराधियों ने किया। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल दो संदिग्धों को बुधवार को गिरफ्तार किया गया था। पीड़ित की पहचान मुंबई के मीरा रोड निवासी साहिल शाहन शरीफ के रूप में हुई है। साहिल की मुलाकात मई में हरियाणा के कुरुक्षेत्र के बंटी कुमार से हुई थी। बंटी कुमार ने शरीफ को नौकरी दिलाने का वादा किया था। फिर उसे 26 मई को उसे गुरुग्राम ले आया। जहां उसे पालम विहार में किराए के मकान में रखा गया।

बिलासपुर गोलीकांडः बंबर ठाकुर ने डीजीपी सहित इन भाजपा नेताओं पर लगाया हत्या की साजिश रचने के आरोप

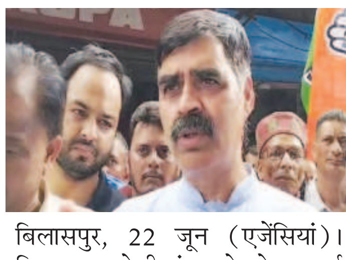

बिलासपुर, 22 जून (एजेंसियां)। बिलासपुर गोलीकांड को लेकर पूर्व कांग्रेस विधायक बंबर ठाकुर ने कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा के विधायक त्रिलोक जमवाल के खिलाफ शनिवार को रैली निकाली। बंबर ने जमवाल पर चिट्टा माफिया को संरक्षण देने व उनपर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया। बंबर ठाकुर ने डीजीपी और भाजपा पर हत्या की साजिश रचने के आरोप लगाए। कहा कि डीजीपी उनसे 20 साल पुरानी खुन्नस निकाल रहे हैं। कहा कि इस पूरे कांड के षड्यंत्रकारी डीजीपी अतुल वर्मा व त्रिलोक जमवाल हैं। बयान देते हुए बंबर ठाकुर भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि यदि मेरी हत्या होती है तो डीजीपी, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा सहित भाजपा विधायक त्रिलोक जमवाल इसके जिम्मेदार होंगे। शायद यह मेरी अंतिम रैली है। उधर, बिलासपुर जिला कोर्ट के बाहर हुए गोलीकांड के विरोध में शनिवार को मुख्य बाजार में भाजपा की ओर से भी प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में सांसद अनुराग ठाकुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ। राजीव बिंदल व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर भी मौजूद रहे। दरअसल, पुलिस जांच के अनुसार पूर्व विधायक बंबर ठाकुर का बड़ा बेटा पुरंजन ठाकुर बिलासपुर जिला कोर्ट के बाहर हुए गोलीकांड का मास्टरमाइंड निकला है। बिलासपुर के पुलिस अधीक्षक विवेक चहल ने प्रेस वार्ता कर इसका खुलासा किया। उन्होंने बताया कि गोलीकांड के मुख्य आरोपी शूटर सन्नी गिल ने पुलिस पूछताछ में पुरंजन का नाम उगलते हुए कबूला है कि उसने सारी साजिश रची थी। पुलिस ने पुरंजन को गिरफ्तार करने के लिए कई टीमें बनाई हैं। उसकी तलाश की जा रही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 91 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.2 2081 रविवार, 23 जून-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

उरी में सुरक्षा बलों और आंतकियों के बीच मुठभेड़, दो आतंकी ढेर

श्रीनगर, 22 जून (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उरी के गोहलान इलाके में भारतीय सेना और संयुक्त सुरक्षा बलों ने शनिवार को घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सुरक्षाबलों ने उरी के पास दो आतंकवादी मार गिराने में भी कामयाबी पाई है। ये दोनों घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। फिलहाल सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। फिलहाल मारे गए आतंकियों के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं है। सुरक्षाबल इनकी पहचान में जुटे हुए हैं।

स्थिर और प्रगतिशील बांग्लादेश के लिए भारत प्रतिबद्ध : पीएम

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बंगबंधु के स्थिर, समृद्ध और प्रगतिशील बांग्लादेश के सपने को साकार करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। इसके अलावा पीएम ने कहा कि नई दिल्ली ढाका के साथ अपने संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देना जारी रखेगी। पीएम मोदी ने नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ बातचीत के बाद कहा, 'बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा विकास साझेदार है। यह हमारी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी, एक्ट ईस्ट पॉलिसी, विजन सागर और हिंद-प्रशांत विजन के संगम पर स्थित है। हमने मिलकर पिछले एक साल में अनेक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी परियोजनाएं पूरी की हैं।' दोनों देशों के विकास साझेदारी, ऊर्जा, जल संसाधन, व्यापार, रक्षा सहयोग आदि समेत द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा की गई।

पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने नये क्षेत्रों में सहयोग के लिए भविष्योन्मुखी (फ्यूचरिस्टिक) विजन तैयार किया है। हरित साझेदारी, डिजिटल साझेदारी, ब्लू अर्थव्यवस्था और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर बनी आम सहमति से दोनों देशों के युवाओं को लाभ होगा।

उन्होंने कहा, 'हम हिंद-प्रशांत महासागर पहल में शामिल होने के बांग्लादेश के फैसले का स्वागत करते हैं। हम बिम्सटेक समेत अन्य क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अपना सहयोग जारी रखेंगे।' बता दें कि दोनों नेता 2019 से अब तक 10 बार एक-दूसरे से मिल चुके हैं। जिससे संबंधों में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। इससे पहले, पीएम मोदी ने भारत में नई सरकार के गठन के बाद द्विपक्षीय राजकीय यात्रा पर आए पहले अतिथि के रूप में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री का राष्ट्रपति भवन के परिसर में स्वागत किया। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। बांग्लादेश की पीएम का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मुलाकात करने का कार्यक्रम है। शेख हसीना उन अंतरराष्ट्रीय नेताओं में शामिल थीं, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में 9 जून को पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया था।

भारत-बांग्लादेश के बीच 10 अहम समझौते

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश ने शनिवार को समुद्री क्षेत्र और समुद्री अर्थव्यवस्था (ब्लू इकॉनोमी) में संबंधों को बढ़ावा देने सहित कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना के बीच व्यापक बातचीत के बाद समझौतों को अंतिम रूप दिया गया। दोनों पक्षों द्वारा हस्ताक्षर किए गए इन समझौतों में डिजिटल डोमेन में संबंध मजबूत करने और 'हरित साझेदारी' को लेकर एक समझौता भी शामिल है।

दोनों देशों के बीच रेलवे संपर्क बढ़ाने के समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए। समझौतों के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने बयान में कहा कि, 'आज हमने नए क्षेत्रों में सहयोग के लिए भविष्य का विजन तैयार किया है। हरित भागीदारी, डिजिटल भागीदारी, समुद्र आधारित अर्थव्यवस्था और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर बनी सहमति से दोनों देशों के युवाओं को फायदा होगा।' वहीं अपने बयान में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत को बांग्लादेश का प्रमुख पड़ोसी और भरोसेमंद दोस्त बताया। उन्होंने कहा कि 'भारत हमारा प्रमुख पड़ोसी, भरोसेमंद मित्र और क्षेत्रीय साझेदार है। बांग्लादेश भारत के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देता है, जो 1971 के मुक्ति संग्राम से शुरू हुए थे।' भारत ने बांग्लादेश के नागरिकों को मेडिकल ई-वीजा की सुविधा देने का एलान किया है। इसके लिए भारत सरकार बांग्लादेश के रंगपुर में उप-उच्चायोग खोलेगी। साथ ही दोनों देश तीस्ता नदी के जल-बंटवारे पर चर्चा के लिए तकनीकी टीम भेजने पर भी सहमत हो गए हैं। पीएम मोदी और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष के बीच कुल 10 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं।

शिक्षा मंत्रालय ने बनाई 7 मेंबर की एक्सपर्ट कमेटी

> पूर्व इसरो चेयरमैन के राधाकृष्णन चीफ बने
> एनटीए में सुधार पर 2 महीने में देंगे सुझाव

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्रालय ने परीक्षाओं में गड़बड़ियां रोकने और पारदर्शिता लाने के लिए एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसकी घोषणा 20 जून को प्रेस कॉन्फ्रेंस में की थी। इस समिति को इसरो के पूर्व चेयरमैन और आईआईटी कानपुर के पूर्व डायरेक्टर के राधाकृष्णन हेड करेंगे। एनटीए ने शुक्रवार को शाम 8.30 बजे सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा स्थगित कर दी। यह एग्जाम 25-27 जून के बीच होना था। परीक्षा स्थगित करने की वजह रिसोर्सेस की कमी बताई गई है। एनटीए ने कहा कि इस परीक्षा का नया टाइम टेबल जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट csirnet.nta.ac.in पर अपलोड किया जाएगा। दो दिन पहले 19 जून को गड़बड़ियों की आशंका के बाद एनटीए ने यूजीसी नेट परीक्षा रद्द की थी। इससे पहले 12 जून को एनसीईटी की परीक्षा रद्द की गई थी। नीट यूजी एग्जाम में ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 कैंडिडेट्स के लिए 23 जून को रीएग्जाम होना है। इस एग्जाम के लिए 6 नए टेस्ट सेंटर्स बनाए गए हैं। चंडीगढ़ के सिर्फ एक सेंटर को दोबारा रीएग्जाम का सेंटर बनाया गया है। >14

12 में से तीन दोषियों की सजा में छूट

> भाजपा और यूडीएफ ने फैसले का किया विरोध

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियाव)। साल 2012 में 4 मई को ओंचियाम में रिवोल्यूशनरी मार्क्सवादी पार्टी (आरएमपी) के नेता चंद्रशेखरन की हत्या के मामले सजा काट 12 आरोपियों में से तीन आरोपियों की सजा कथित तौर पर माफ किए जाने के मामले में राज्य में वार-पलटवार का सिलसिला शुरू हो गया है। भाजपा और यूडीएफ ने राज्य की एलडीएफ सरकार के फैसले पर निशाना साधा है। मामले में कांग्रेस के महासचिव और अलप्पुझा से सांसद के. सी. वेणुगोपाल ने कहा कि न सिर्फ कांग्रेस बल्कि पूरा केरल सरकार के इस फैसले का कड़ा विरोध करेगा। वहीं राज्य में नेता प्रतिपक्ष वी. डी. सतीशन ने कहा कि सरकार का ये फैसला चौंकाने वाला है क्योंकि दोषियों की सजा में छूट पर विचार करना उच्च न्यायालय के उस फैसले का उल्लंघन होगा जिसमें उन्हें छूट देने से साफ इनकार किया था। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि ये साफ रूप से दर्शाता है कि चंद्रशेखरन के आरोपियों को सरकार बचाना चाहती है। सतीशन ने इस दौरान दावा किया कि राज्य सरकार ने दोषियों को कई बार पैरोल दिए हैं, उन्हें जेल में पांच स्टार होटल जैसी सुविधाएं दी हैं और जेल के अंदर से संदिग्ध वित्तीय सौदे करने में सक्षम भी बनाया है। उन्होंने आरोप लगाया, कि सीपीआई (एम) अब ऐसी पार्टी बन गई है जो अपराधियों को संरक्षण देती है और कुछ भी करने से पीछे नहीं हटते। अभी भी वो अहंकारी हैं और मानते हैं कि क्योंकि उनके पास शक्ति है तो वो कुछ भी कर सकते हैं।

पेपर लीक हुआ तो 10 साल जेल, 1 करोड़ तक जुर्माना

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। देश में एंटी-पेपर लीक कानून यानी पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 लागू हो गया है। केंद्र ने शुक्रवार (21 जून) की आधी रात इसका नोटिफिकेशन जारी किया। यह कानून भर्ती परीक्षाओं में नकल और अन्य गड़बड़ियां रोकने के लिए लाया गया है। इस कानून के तहत, पेपर लीक करने या आंसर शीट के साथ छेड़छाड़ करने पर कम से कम 3 साल जेल की सजा होगी। इसे 10 लाख तक के जुर्माने के साथ 5 साल तक बढ़ाया जा सकता है।

परीक्षा संचालन के लिए नियुक्त सर्विस प्रोवाइडर अगर दोषी होता है तो उसे 5 से 10 साल तक की जेल की सजा और 1 करोड़ रुपए तक जुर्माना होगा। सर्विस प्रोवाइडर अवैध गतिविधियों में शामिल है, तो उससे परीक्षा की लागत वसूली जाएगी। नीट और यूजीसी-नेट जैसी परीक्षाओं में गड़बड़ियों के बीच यह कानून लाने का फैसला बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे पहले, केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों के पास परीक्षाओं में गड़बड़ी से जुड़े अपराधों से निपटने के लिए अलग से कोई ठोस कानून नहीं था।

राष्ट्रपति ने 12 फरवरी को कानून को मंजूरी दी थी

पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, इसी साल 6 फरवरी को लोकसभा और 9 फरवरी को राज्यसभा से पारित हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 12 फरवरी को बिल को मंजूरी देकर इसे कानून में बदल दिया। इस कानून में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी), बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की परीक्षाएं शामिल होंगी। केंद्र के सभी मंत्रालयों, विभागों की भर्ती परीक्षाएं भी इस कानून के दायरे में होंगी। इसके तहत सभी अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती होंगे। >14

ज्ञानवापी पर फैसला देने वाले जज की हत्या की साजिश

लगातार धमकी के बाद एनआईए ने हाई कोर्ट को लिखा पत्र

प्रयागराज, 22 जून (एजेंसियां)। वाराणसी के ज्ञानवापी मामले में साल 2022 में सर्वे कराने का आदेश देने वाले जज रवि कुमार दिवाकर को लगातार धमकी मिल रही है। उनकी हत्या करने की साजिश रची जा रही है। यह बात राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कोर्ट के स्पेशल जज विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने रजिस्ट्रार जनरल इलाहाबाद हाई कोर्ट को पत्र में लिखी है। उनकी सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाने की मांग भी की गई है। एनआईए कोर्ट के स्पेशल जज जस्टिस त्रिपाठी का कहना है कि जस्टिस दिवाकर को मिली सुरक्षा अपर्याप्त है और इसे बढ़ाने की जरूरत है। गौरतलब है कि इसी महीने की शुरुआत में अदनान खान नाम के शख्स के खिलाफ जज रवि दिवाकर को धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। जांच में पता चला है कि इस्लामिक कट्टरपंथी जज दिवाकर की हत्या की साजिश रच रहे हैं। इलाहाबाद हाई कोर्ट को लिखे पत्र में जस्टिस त्रिपाठी ने कहा कि यह बेहद संवेदनशील मामला है। अगर अदनान की गतिविधियों पर रोक ना लगाई गई तो कोई बड़ी घटना हो सकती है। जज दिवाकर वर्तमान में बरेली में अजिशनल सेशन जज के पोस्ट पर हैं। ज्ञानवापी फैसले के बाद इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सुरक्षा देने का आदेश दिया था। लेकिन वर्तमान में सुरक्षा में इस समय दो सुरक्षाकर्मी तैनात हैं, जो अत्याधुनिक हथियारों से लैस रहने वाले आतंकियों का सामना करने के लिए अपर्याप्त हैं। फैसला देने वाले जज दिवाकर ने भी यूपी के चीफ सेक्रेटरी को सुरक्षा बढ़ाने को लेकर पत्र लिखा था। उन्होंने अपने पत्र में कहाकि वर्तमान में जो सुरक्षा मिली है वह अपर्याप्त है। स्पष्ट है कि इस्लामिक कट्टरपंथी अल्पसंख्यक समुदाय का ब्रेन वॉश करने में लगे हैं। वे मुझे काफिर बताते हैं और चाहते हैं कि कोई मेरी हत्या कर दे। इसलिए मुझे और मेरे परिवार को पर्याप्त सुरक्षा की जरूरत है। इससे पहले अप्रैल में भी धमकी मामले को लेकर जज रवि दिवाकर ने बरेली के एसएसपी को पत्र लिखा था। तब उन्होंने बताया कि पिछले एक हफ्ते से उन्हें अंतर्राष्ट्रीय नंबरों से धमकी भरे कॉल आ रहे हैं जो बहुत ही चिंताजनक है। गौरतलब है कि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के एक एजेंट को पिछले साल लखनऊ में न्यायाधीश के आवास के पास गिरफ्तार किया था।

अतीक के राजदार वकील खान सौलत हनीफ का लाइसेंस निरस्त, जेल में काट रहा सश्रम आजीवन कारावास की सजा

प्रयागराज, 22 जून (एजेंसियां)। उमेश पाल अपहरण कांड में सश्रम आजीवन कारावास की सजा काट रहे वकील खान सौलत हनीफ का लाइसेंस आखिरकार निरस्त हो गया है। बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश ने जिला अदालत द्वारा मुकदमे में दोष सिद्ध करार दिए गए अधिवक्ता खान सौलत का पंजीकरण आजीवन निरस्त किया है। बार काउंसिल की ओर से दो सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था, जिसमें यह फैसला लिया गया है। खान सौलत हनीफ मारे जा चुके माफिया अतीक अहमद का राजदार वकील था। राजू पाल के मुकदमे की पैरवी करने पर ही पहले उमेश पाल का अपहरण कर प्रताड़ित किया गया और फिर बीते साल बम व गोली मारकर हत्या की गई थी। हत्याकांड के बाद उमेश पाल की पत्नी जया पाल ने बार कौंसिल आफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष व सचिव को एक पत्र लिखकर खान सौलत का अधिवक्ता पंजीकरण निरस्त करने की मांग की थी। बार कौंसिल को भेजे गए पत्र में जया पाल ने कहा कि खान सौलत माफिया अतीक के गैंग आइएस-227 का सक्रिय सदस्य रहा है। वह विधि व्यवसाय की आड़ में कई साल से जघन्य वारदात में शामिल होकर अतीक गैंग के लिए काम करता रहा है। अपहरण कांड में जिला अदालत ने 28 मार्च 2023 को फैसला सुनाया था, जिसमें अतीक के साथ ही खान सौलत, दिनेश पासी को भी उम्रकैद व जुर्माने से दंडित किया गया था।

उस फैसले के आलोक में उत्तर प्रदेश बार काउंसिल ने खान सौलत हनीफ को नोटिस भेजकर अपना पक्ष रखने के लिए कहा, मगर कोई उपस्थित नहीं हुआ। तब बार काउंसिल की दो सदस्यीय कमेटी ने खान सौलत का लाइसेंस आजीवन निरस्त कर दिया। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है। हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं में शुक्रवार को लाइसेंस निरस्त किए जाने की चर्चा दिनभर होती रही।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान मुख्य पुजारी रहे पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित का निधन

अयोध्या, 22 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शामिल रहकर 121 वैदिक ब्राह्मणों का नेतृत्व करने वाले मुख्य पुजारी काशी के पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित का सुबह निधन हो गया । यह सूचना मिलने के बाद काशी के लोगों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। जनवरी में अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पूजन में पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित की मुख्य भूमिका रहीं थी। इनके नेतृत्व में सभी पूजन को संपन्न कराया गया था। बेटे और परिवार के अन्य सदस्य भी पूजन में शामिल हुए थे। इसके अलावा वो दिसंबर 2021 काशी विश्वनाथ धाम लोकार्पण के पूजन में भी शामिल हुए थे। पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित के परिजनों ने बताया कि आज सुबह बाबूजी की तबीयत अचानक बिगड़ी जिसके कुछ ही देर बाद उनका निधन हो गया। भारतीय सनातन संस्कृति और परंपरा में उनकी गहरी आस्था थी और वह हमेशा से ही ईश्वर के प्रति समर्पित रहने वाले भाव को ही लोगों को समझाते रहते थे। जनवरी महीने में अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में मुख्य पुजारी की भूमिका के साथ-साथ काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण पूजन में भी शामिल थे। ईश्वर के आशीर्वाद से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ग्वालियर, राजस्थान और देश के प्रमुख राजघरानों के राज्याभिषेक को बाबूजी और पूर्वजों की तरफ से संपन्न कराया जा चुका है।

इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक में भी दीक्षित परिवार के पुरानी पीढ़ियों का योगदान रहा है।

मासूम साली की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में फांसी की सजा पाए जीजा ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

प्रयागराज, 22 जून (एजेंसियां)। मासूम साली की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में फांसी की सजा पाए जीजा ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। औरैया जिले के इस चर्चित मामले में ट्रायल कोर्ट ने दोषी को 9 माह 22 दिन में फांसी और पांच लाख रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट का रिकार्ड तलब करने के बाद पीड़ित परिवार का पक्ष रखने के लिए न्याय मित्र की नियुक्ति करने का आदेश दिया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अरविंद कुमार सांगवान और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की अदालत कर रही है। मामला औरैया जिले के दिबियापुर थाना क्षेत्र का है। रोहित की शादी फिरोजाबाद के एक गांव में हुई थी।

उसकी 10 वर्षीय साली बहनोई रोहित के घर आई थी। 29 मई 2023 को रोहित की बहन की शादी थी। विदाई के बाद 30 मई की रात रोहित ने अपने कमरे में सो रही मासूम साली संग दुष्कर्म करने के बाद गला दबा कर हत्या कर दी थी।

पीड़िता के पिता ने अपने दामाद के खिलाफ दुष्कर्म और हत्या की एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया और पोस्ट मार्टम में दुष्कर्म की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने रोहित के खिलाफ दुष्कर्म, हत्या और पॉक्सो एक्ट के आधार पर आरोप पत्र दाखिल कर दिया। नौ माह 22 दिन चले ट्रायल के दौरान आरोपी की पत्नी ने अपने पति के खिलाफ बयान दर्ज कराया। इसके आधार पर जिला अदालत के विशेष न्यायाधीश ने रोहित को मासूम से दुष्कर्म और हत्या का दोषी ठहराते हुए फांसी और पांच लाख रूपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ दोषी जीजा ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 19 जुलाई की तारीख नियत की है।

जातियों पर टिप्पणी वाला राज्यमंत्री का तथाकथित ऑडियो प्रसारित

दी सफाई, बोलीं- सोची समझी साजिश है

देवरिया, 22 जून (एजेंसियां)। इंटरनेट मीडिया पर शुक्रवार को दो ऑडियो प्रसारित हुए। इसे ग्राम्य विकास राज्यमंत्री व सलेमपुर विधायक विजयलक्ष्मी गौतम का बताया जा रहा है। पहले ऑडियो में बनिया, मुसलमान, ब्राह्मण और यादव पर टिप्पणी की गई है। दूससे ऑडियो में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गोरखपुर सांसद रवि किशन की चर्चा है। विजयलक्ष्मी ने इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार फर्जी ऑडियो बताया है। दो मिनट 39 सेकंड का पहला ऑडियो लोकसभा चुनाव से पहले का लग रहा है। दूसरे ऑडियो में बजट आवंटन में पारदर्शिता न होने से संबंधित बातें की गई हैं। राज्यमंत्री ने भी इंटरनेटमीडिया के माध्यम से अपना पक्ष रखा है। फेसबुक अकाउंट पर उन्होंने लिखा है कि जिस तथाकथित ऑडियो के साथ मेरा नाम जोड़कर प्रसारित किया जा रहा है, वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार किया गया है। यह प्रदेश सरकार की छवि को धूमिल करने की सोची समझी साजिश है। कहा कि यह काम जिले में सक्रिय गिरोह का है। कोतवाली पुलिस में शिकायत की गई है। ऑडियो या इससे संबंधित कोई भी ऑडियो कहीं भी पोस्ट हुआ मिले तो हमें या पुलिस को सूचना दें। कोतवाल का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है।

कृषि विभाग ने 44 बीज दुकानों पर मारा छापा, 17 नमूने भेजा लैब, 9 के लाइसेंस निलंबित

अलीगढ़, 22 जून (एजेंसियां)। अलीगढ़ में जिलाधिकारी के निर्देश बीज दुकानों पर छापामार कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई से दुकानदारों में हड़कंप मच गया और वे दुकान छोड़कर भाग गए। अधिकारियों ने ऐसे दुकानदारों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जिनका खाद बीज की दुकान से कोई मतलब नहीं है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने इस घोर लापरवाही मानते हुए उनके लाइसेंस निरस्त कर दिया। दरअसल अलीगढ़ में अपर मुख्य सचिव कृषि उत्तर प्रदेश शासन के रेडियोग्राम एवं जिलाधिकारी विशाख जी के आदेश के एक आदेश पर जिले में संचालित बीज प्रतिष्ठानों पर बीज निरिक्षकों और अंतर्विभागीय अधिकारियों द्वारा छापेमार कार्रवाई की गई।

अमरमणि त्रिपाठी मामले में 23 साल बाद नया मोड़

पीड़ित ने कहा- 'अपहरण में उनकी कोई भूमिका नहीं

गोरखपुर, 22 जून (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी मामले में नया मोड़ सामने आया है। 23 साल बाद पीड़ित ने बोला कि अपहरण कांड मामले में अमरमणि त्रिपाठी की कोई भूमिका नहीं है। कोर्ट में दिए गए प्रार्थना पत्र में पीड़ित ने बताया कि अमरमणि को मैं न जानता हूं न पहचानता हूं। कोर्ट को मिले गुमनाम पत्र में अमरमणि त्रिपाठी के गोरखपुर और लखनऊ की संपत्तियों को जिक्र किया गया। न्यायाधीश प्रमोद गिरी ने दुबारा जांच कर संपत्तियों को कुर्क कर 6 जुलाई को पेश करने का आदेश दिया गया। दरअसल यह पूरा मामला 6 दिसंबर 2001 का है। जहां बस्ती के व्यापारी धर्मराज मेधशिया के बेटा का अपहरण हुआ था। कोतवाली थाने में अमरमणि समेत कुल 9 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया था। वहीं अमरमणि त्रिपाठी को कोर्ट ने पेश होने के आदेश दिए थे। वहीं कई दिनों से फरार चल रहे और कोर्ट में पेश न होने के कारण कोर्ट ने अमरमणि के संपत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया था।

कुर्की के आदेश पर भी अमरमणि ने नहीं किया था सरेंडर

बस्ती पुलिस की तमाम कोशिशों के बाद भी अमरमणि है कि मिलने का नाम नहीं ले रहा है। जिस पर कोर्ट ने अमरमणि के खिलाफ कुर्की करने का आदेश दिया था।

आपको बता दें कि आदेश में कार्यवाही करते हुए बस्ती पुलिस ने अमरमणि त्रिपाठी के गोरखपुर के हुमायूंपुर मुहल्ले में स्थित मकान पर नोटिस चस्पा कर दिया था कि इस नोटिस के बाद हो सकता है अमरमणि त्रिपाठी बस्ती कोर्ट में पेश हो जाए। लेकिन अमरमणि ने अभी तक कोर्ट में पेश न हो सके। वहीं अब इस मामले में पीड़ित द्वारा अपने बयान से बदलने से इस केस में नया मोड़ आ गया है। लेकिन कोर्ट ने अमरमणि की संपत्तियों को दुबारा जांच कर 6 जुलाई तक पेश करने के आदेश दिए गए है।

अमरेंद्र कुमार सेंगर लखनऊ के नए पुलिस कमिश्नर, प्रयागराज के कमिश्नर भी बदले गए

लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)। यूपी में शनिवार को कई आईपीएस अफसरों के तबादले हुए हैं। लखनऊ व प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर बदले गए हैं। आईपीएस अमरेंद्र कुमार सेंगर लखनऊ के नए पुलिस कमिश्नर होंगे। वहीं, आईपीएस तरुण गाबा को पुलिस कमिश्नर प्रयागराज नियुक्त किया गया है। आईपीएस राजेश द्विवेदी को एसपी कुंभ प्रयागराज के पद पर नियुक्ति दी गई है। आईपीएस एसबी शिराडकर को अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ नियुक्त किया गया है।

वह अभी तक लखनऊ पुलिस कमिश्नर के पद पर थे। आईपीएस रमित शर्मा को अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन बनाया गया है। आईपीएस प्रेमचंद मीना को एडीजी पुलिस आवास निगम लखनऊ नियुक्त किया गया है। आईपीएस प्रशांत कुमार द्वितीय को आईजी रेंज लखनऊ नियुक्त किया गया है। आईपीएस विनोद कुमार सिंह एडीजी साइबर क्राइम यूपी नियुक्त किए गए हैं। आईपीएस प्रकाश डी अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे बनाए गए हैं। आईपीएस जय नारायन सिंह को एडीजी पीटीसी सीतापुर नियुक्त किया गया है। इसी तरह, आईपीएस एलवी एंटनी देव को एडीजी सीबीसीआईडी यूपी नियुक्त किया गया है।

बिहार में ध्वस्त हुआ एक और पुल, दर्जनों गांवों का संपर्क टूटा; बड़ी वजह आई सामने

सिवान, 22 जून (एजेंसियां)। अररिया के बाद बिहार में एक और पुल ध्वस्त हो गया है। इस बार सिवान जिले के महाराजगंज प्रखंड के पटेढ़ा गांव में नहर के बीचोबीच बना नहर पुल अचानक ध्वस्त हो गया है।

पुल के टूटने की वजह से दर्जनों गांव का संपर्क टूट गया है। सिवान में पुल टूटने की वजह मिट्टी कटाव बताया जा रहा है। बता दें कि इससे पहले बिहार के अररिया में भी नवनिर्मित बकरा पुल ध्वस्त हो गया था जिसके बाद राज्य सरकार पर सवाल उठने लगे थे। विपक्ष नीतीश सरकार पर हमलावर हो गई थी। अररिया पुल के ध्वस्त होने के मामले में कई इंजीनियरों को सस्पेंड किया गया। इसके अलावा ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड कर दिया गया। राज्य सरकार ने जांच समिति बनाकर 7 दिनों में रिपोर्ट देने के लिए कहा है।

पुल पर अचानक रुकी ट्रेन अटकी हजारों पैसेंजर की सांस

तभी ड्राइवर ने जोखिम में डाल दी अपनी जान, रेलवे देगा इनाम

समस्तीपुर, 22 जून (एजेंसियां)। बिहार के समस्तीपुर में प्रेशर लीकेज के कारण ट्रेन पुल के बीच में ही रुक गई। इसके बाद लोको पायलट ने अपनी जान जोखिम में डालकर समस्या का समाधान किया। लोको पायलट ने ट्रेन के नीचे पुल पर रेंगकर इंजन का प्रेशर लीकेज ठीक किया, तब जाकर ट्रेन आगे बढ़ी। डीआरएम ने दोनों ड्राइवरों को इनाम देने की घोषणा की है। जानकारी के मुताबिक समस्तीपुर रेल मंडल के वाल्मीकि नगर और पनियावा स्टेशन के बीच पुल संख्या 382 पर लोको इंजन के अनलोडर वाल्व से अचानक एयर प्रेशर लीक होने लगा।

इसके कारण ट्रेन पुल के बीच में ही रुक गई। जहां लीकेज हो रही थी, वहां पहुंचने का कोई रास्ता नहीं था, इसलिए लोको पायलट और सहायक लोको पायलट अपनी जान जोखिम में डालकर लीकेज को ठीक करने के लिए ट्रेन के नीचे रेंगकर उतरे। काफी मशक्कत के बाद इंजन के अनलोडर वाल्व से एयर प्रेशर लीकेज को ठीक किया जा सका। इसके बाद ट्रेन आगे बढ़ सकी। पायलट के इस साहसी कार्य को देखते हुए समस्तीपुर रेल मंडल के डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने दोनों चालकों को 10 हजार रुपये का पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देने का ऐलान किया है। लोको पायलट का ट्रेन के नीचे पुल पर रेंगकर निकलने का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल हो रहा है।

चुनाव में हार के बाद सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने कार्यकारिणी भंग किया

लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के ठीक पहले ओमप्रकाश राजभर की पार्टी सुभासपा ने एनडीए का दामन थाम लिया था। वहीं समाजवादी पार्टी के साथ सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने 2022 का विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ा था। लेकिन बहुमत न मिलने पर सरकार नहीं बन पाई थी। जिसके बाद हार का जिम्मा सपा और सुभासपा पार्टियां एक दूसरे पर लगाने लगी। वहीं लोकसभा के ठीक पहले एनडीए में शामिल होने के बाद सुभासपा को यूपी में एक सीट घोसी लोकसभा दी गई थी। वहीं इस सीट से ओमप्रकाश के राजभर अरविंद राजभर ने लोकसभा चुनाव लड़ा था। लेकिन उनको यहां से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं सुभासपा ने प्रदेश की समस्त कार्यकरणी को भंग कर दिया है। ओम प्रकाश राजभर यूपी सरकार में अभी कैबिनेट मंत्री है। उन्हें लोकसभा चुनाव 2024 के ठीक पहले एनडीए में शामिल होने पर उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाया गया था। वहीं उनके बेटे अरविंद राजभर को घोसी सीट से लोकसभा चुनाव मे हार का सामना भी करना पड़ा। घोसी लोकसभा से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार राजीव राय ने जीत हासिल की थी।

प्रदेश की समस्त कार्यकारिणी को किया गया भंग

लोकसभा चुनाव में हार के बाद सुभासपा ने प्रदेश इकाई से लेकर ब्लॉक इकाई की समस्त कार्यकरणी को भंग कर दिया। सुभासपा ने इसकी सूचना सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि सुभासपा के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष दी के निर्देशानुसार सुभासपा की उत्तर प्रदेश कार्यकारिणी के साथ-साथ पूर्वांचल, मध्यांचल, बुन्देलखण्ड, पश्चिमांचल के (प्रदेश,मण्डल, जिला, विधानसभा, ब्लॉक) की मुख्य इकाई के साथ समस्त मोर्चा एवं प्रकोष्ठों को तत्काल प्रभाव से भंग किया जाता है।

मेरठ में महिला की हत्या हाथ में मिली पिस्टल:पुलिस ने कहा- क्राइम सीन को सुसाइड बनाने की कोशिश, पति बोला- मैं ड्यूटी पर गया था

मेरठ, 22 जून (एजेंसियां)। मेरठ में एक महिला की हत्या कर दी गई। गोली कनपटी पर लगी है। बेडरूम में मिली लाश के पास लाइसेंसी पिस्टल भी पड़ी मिली है। महिला के पति मेडिकल लाइन में हैं, नाइट ड्यूटी पर गए हुए थे। पुलिस जांच में सामने आया कि महिला का मर्डर हुआ है, मगर क्राइम सीन को ऐसा बनाया गया कि आत्महत्या लगे। पुलिस सीसीटीवी के जरिए अब कातिल तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पूरा मामला ब्रह्मपुरी इलाके का है। मेरठ में राधेश्याम मिश्रा मेडिकल लाइन में काम करते हैं। ब्रह्मपुरी इलाके में उनका 3 मंजिला मकान है। जहां वो पत्नी सुनीता मिश्रा के साथ रहते हैं। राधेश्याम ने पुलिस को बताया- मेरी नाइट शिफ्ट रहती है। रात को घर पर पत्नी अकेली रहती हैं। शनिवार सुबह जब मैं शिफ्ट खत्म करके घर लौटा तब देखा कि घर के बेडरूम के बेड पर पत्नी लहूलुहान पड़ी है। कमरे में हर तरफ खून ही खून था। मैं चिल्लाता हुआ बाहर भागा। पड़ोसियों ने मदद की। पुलिस को बुलाया। पुलिस के अनुसार, महिला के हाथ में लाइसेंसी पिस्टल मिली है। घर की अलमारी का सामान बिखरा हुआ है, लेकिन सोने के सिक्के, जेवर चोरी नहीं हुए हैं। अभी तक क्राइम सीन को देखकर लग रहा है कि हत्या को सुसाइड बनाने का पूरा प्रयास किया गया है। आस-पास के सीसीटीवी कैमरों को चैक किया जा रहा है। एसएसपी रोहित सिंह सजवाण के मुताबिक, फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाएं हैं। सीसीटीवी घर में भी लगे हैं, मोहल्ले के आस-पास के फुटेज भी देखे जा रहे हैं। पिस्टल को भी जब्त किया गया है। पति से पूछताछ की जा रही है। लोकेशन देखते हुए जल्द मामले का खुलासा किया जाएगा

पानी को लेकर विवाद में आधी रात को चलीं गोलियां, पिता-पुत्र की मौत, इलाके में तनाव का माहौल

गाजियाबाद, 22 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में आम के बाग में सिंचाई को लेकर पनपे विवाद के बीच फायरिंग की घटना सामने आई है। यहां निवाड़ी इलाके में दबंगों ने आम के बाग की रखवाली करने वाले तीन लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां दाग दीं। इससे दो लोगों की मौत हो गई। तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में पिता-पुत्र शामिल हैं। हमले का शिकार हुए तीनों लोग मुस्लिम समाज के बताए जा रहे हैं। जबकि दूसरा पक्ष निवाड़ी थाना क्षेत्र के गांव खिन्दौड़ा का है। घटना के विरोध में मृतकों के परिजनों ने गंगनहर पटरी मार्ग जाम कर दिया।

सीतामढ़ी में नौजवान 14 लाख की नेपाली करेंसी कहां ले जा रहा था ? कस्टम डिपार्टमेंट भी सन्न

सीतामढ़ी, 22 जून (एजेंसियां)। बिहार के सीतामढ़ी बॉर्डर से सटे नेपाल के रौतहट जिले की पुलिस ने पूर्वी चंपारण के एक युवक को बड़ी मात्रा में नेपाली करेंसी के साथ गिरफ्तार किया है। इतनी बड़ी रकम मिलने के बाद कस्टम विभाग भी हरकत में आ गया। दोनों विभाग यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उसके पास इतनी मोटी रकम कहां से आई है। यह बड़ी राशि हवाला कारोबार से जुड़ी हुई तो नहीं है ? गौरतलब है कि भारत-नेपाल सीमा पर गुप्त रूप से हवाला के जरिए प्रतिदिन करोड़ों रूपये इधर से उधर किए जाते हैं। यह कोई पहली बार नहीं है कि किसी व्यक्ति से इतनी मोटी रकम बरामद की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इंडो-नेपाल सीमा के सटे नेपाल के रौतहट जिला मुख्यालय के समीप एक बाइक सवार को रौतहट जिले के सरमुजवा ओपी पुलिस द्वारा रोककर तलाशी ली गई। तलाशी लेने पर बाइक (बीआर 58 बी 6212) के सीट के अंदर छिपा कर रखा गया 14.8 लाख मूल्य की नेपाल करेंसी बरामद हुआ। रौतहट जिले के पुलिस प्रवक्ता एलिजा गिरी ने इसकी पुष्टि की है। फिर युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पहचान बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के जमुनिया निवासी गजेन्द्र राय (31वर्ष) के रूप में हुई है। शुक्रवार को युवक से रौतहट जिला कस्टम कार्यालय में लंबी पूछताछ की गई। पुलिस इस मामले की तह तक पहुंचने के लिए कोशिश कर रही है। गौरतलब है कि बॉर्डर के किनारे वाले बाजारों में भारतीय-नेपाली करेंसी का अदला-बदली का धंधा काफी पुराना है। भारतीय तथा नेपाली क्षेत्रों में हवाला के माध्यम से करेंसी एक्सचेंज कराया जाता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: डर शरीर का रोग नहीं है, यह आत्मा को मारता है।

एपी सीएम से मुकाबला करने के लिए मुझे 18 घंटे काम करना होगा : रेवंत

मुख्यमंत्री ने की दिलचस्प टिप्पणी

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दिलचस्प टिप्पणी करते हुए कहा है कि वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जो सोचते हैं कि तेलंगाना राज्य के विकास के लिए 12 घंटे काम करना पर्याप्त है, लेकिन पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू को देखकर, मैंने अपनी धारणा बदल दी है कि मुझे उनके साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रतिदिन 18 घंटे काम करना होगा।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को यहां बसवतारकम इंडो-अमेरिकन कैंसर अस्पताल और अनुसंधान संस्थान के 24वें वर्षगांठ कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए रेवंत रेड्डी ने लोगों के कल्याण के लिए पूर्व मंत्री एनटी रामा राव और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू की सेवाओं को याद किया।

रेवंत रेड्डी ने कहा, "एनटीआर ने हमें राजनीति और कल्याण की विरासत दी है। चंद्रबाबू नायडू ने एनटीआर के विजन को जारी रखने और गरीबों की सेवा करने के उद्देश्य से बसवतारकम अस्पताल का निर्माण पूरा किया है।"मुख्यमंत्री ने कहा कि बसवतारकम अस्पताल निश्चित रूप से लोगों के दिलों में जगह बनाएगा और कांग्रेस सरकार अस्पताल को हर तरह से मदद करेगी। उन्होंने कहा, "किसी खिलाड़ी के कौशल को जानने का मतलब है दूसरे अच्छे खिलाड़ी से प्रतिस्पर्धा करना। अब आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू हैं। इसलिए, मेरे सहित सभी अधिकारियों और अन्य नेताओं को चंद्रबाबू नायडू से प्रतिस्पर्धा करने के लिए दिन में 18 घंटे काम करना होगा।"

उन्होंने कहा कि तेलुगु राज्यों को विकास और कल्याण में दुनिया के लिए एक मॉडल के रूप में खड़ा होना चाहिए, मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना में एक स्वास्थ्य पर्यटन केंद्र की स्थापना पर विचार कर रही है।रेवंत रेड्डी ने बताया, "हम शमशाबाद क्षेत्र के निकट 500-1000 एकड़ भूमि पर स्वास्थ्य पर्यटन केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहे हैं।"

सरकार इको-पर्यटन नीति विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध : कोंडा सुरेखा

इको टूरिज्म सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि राज्य सरकार पूरे तेलंगाना में इको-टूरिज्म (प्रकृति पर्यटन) के विकास के लिए एक प्रभावी कार्य योजना तैयार कर रही है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण और वन्यजीवों को कोई नुकसान पहुंचाए बिना, उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा करने और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसरों में सुधार के लिए एक इको-पर्यटन नीति विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शनिवार को डॉ. बीआर अंबेडकर के तेलंगाना राज्य सचिवालय में वन मंत्रालय के कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में इको टूरिज्म सलाहकार समिति के अध्यक्ष, मंत्री कोंडा सुरेखा की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सलाहकार समिति के सदस्य मुख्य सचिव वन वाणी प्रसाद, सचिव सिंचाई राहुल बोज्जा, पीसीसीएफ आरएम डोबरियाल, पीसीसीएफ (वन्यजीव) पुर्गेन, पीसीसीएफ (कॉम्पा) सुवर्णा, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया, राज्य निदेशक फरीदा तंपाल, तेलंगाना पर्यटन विकास निगम (इको) थे। पर्यटन) कार्यकारी निदेशक रंजीत नाइक;;

संयुक्त सचिव हरिता, उप सचिव (वन) श्रीलक्ष्मी, सीसीएफ क्षितिजा, हैदराबाद टाइगर कंजर्वेशन सोसाइटी के अध्यक्ष इमरान सिद्दीकी, बंदोबस्ती संयुक्त आयुक्त रामकृष्ण राव, तेलंगाना पर्यटन विकास निगम जीएम उपेंदर रेड्डी, सीआईआई सदस्य श्रीदेवी राव, डीएफओ शिव आशीष सिंह, नवीन रेड्डी, सिद्धार्थ वी सिंह, किष्टा गौड़, राहुल के जाधव और अन्य ने भाग लिया।इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सुरेखा ने कहा कि पर्यावरण-पर्यटन विकास कार्यक्रमों के माध्यम से तेलंगाना का पुनरुद्धार किया जाएगा। मंत्री सुरेखा ने कहा कि अब तक राज्य के 12 सर्किटों में 40 इको टूरिज्म स्पॉट की पहचान की जा चुकी है। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को साहसिक, मनोरंजन, आध्यात्मिक, विरासत, सिनेमा, शादी, प्रकृति और वन्य जीवन, विरासत और संस्कृति पर आधारित अधिक क्षेत्रों की पहचान करने और उन्हें पर्यावरण-पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया। मंत्री सुरेखा ने वन अधिकारियों को वन, राजस्व, राजस्व और पर्यटन विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने और इको टूरिज्म नीति को डिजाइन करने में आने वाली बाधाओं को दूर करने की सलाह दी। पुरातत्व विभाग के परामर्श से राज्य के ऐतिहासिक स्थलों में पर्यटन के विकास के लिए उपाय करने का सुझाव दिया गया है। मंत्री ने आलोचना की कि पिछली सरकार ने पर्यावरण-पर्यटन नीति बनाने के नाम पर समय बर्बाद किया था। इस अवसर पर अधिकारियों ने मंत्री को ओडिशा और कर्नाटक राज्यों में लागू की जा रही इको पर्यटन नीतियों के बारे में बताया। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को सलाह दी कि वे उन राज्यों में फील्ड स्तर पर अधिकारियों द्वारा देखी गई स्थितियों की तुलना यहां की स्थितियों से करें और सर्वोत्तम इको-पर्यटन नीतियों को डिजाइन करने की दिशा में काम करें।

क्राइम न्यूज

परिवार के सामने ही युवक की हत्या

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार देर रात फलकनुमा स्थित अपने घर में 40 वर्षीय एक व्यक्ति की उसके रिश्तेदार ने चाकू घोंपकर हत्या कर दी। फलकनुमा के नवाब साहब कुंटा निवासी पीड़ित जाकिर हुसैन अपने घर पर था, तभी उसका एक रिश्तेदार घर आया और किसी बात को लेकर उससे बहस करने लगा। झगड़े के बाद जाकिर हुसैन पर चाकू से जानलेवा हमला किया गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय पीड़ित के परिवार के अन्य सदस्य घर में मौजूद थे। सूचना मिलने पर फलकनुमा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

छत गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत

आदिलाबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार रात यहां ब्राह्मणवाड़ा में बारिश के कारण ढह गए मकान की छत के नीचे दबकर एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि राम निवास पांडे की पत्नी उषा पांडे (50) शुक्रवार रात करीब 1 बजे बारिश के बाद अपने किराए के घर की छत गिरने से मृत पाई गईं। घटना के समय पांडे दूसरे कमरे में सो रही थीं, लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई। पड़ोसियों ने डायल 100 पर पुलिस को छत गिरने की सूचना दी, जिसके बाद बचाव कार्य शुरू किया गया। हालांकि, मलबा हटाए जाने तक उषा की मौत हो गई। दंपति दो-तीन दिन में घर खाली करने वाले थे। शव को राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस)-आदिलाबाद स्थानांतरित कर दिया गया।

नाबालिग से दुराचार के आरोप में केस दर्ज

पेड्डापल्ली, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सुल्तानाबाद पुलिस ने 8 साल की बच्ची के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में 60 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक जब लड़की स्कूल से लौट रही थी तो आरोपी पोचला उसे अपने घर के अंदर ले गया और उसके साथ गलत काम किया।

यह घटना 3 दिन पहले सुल्तानाबाद मंडल के एक गांव में हुई थी। हालांकि, पुलिस के बयान के विपरीत, ग्रामीणों का आरोप है कि पोचलू ने लड़की के साथ बलात्कार किया। पोचलू का घर लड़की के स्कूल के रास्ते में है। लड़की उसके घर आती-जाती रहती थी, क्योंकि पोचलू उसका दूर का रिश्तेदार था। घटना के बाद बच्ची बीमार हो गई, जिसके बाद परिवार के सदस्य उसे शुक्रवार को पेड्डापल्ली सरकारी अस्पताल ले गए। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

केंद्रीय मंत्री के घर पर नीट मुद्दे पर प्रदर्शन, कई गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने शनिवार सुबह काचीगुडा के भूमन्ना गली में केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी के आवास के सामने नीट मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन करने पर विभिन्न छात्र संघों के दर्जनों कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारियों को जब किशन रेड्डी से मिलने की अनुमति नहीं दी गई तो उन्होंने अपार्टमेंट परिसर में जबरन घुसने का प्रयास किया और पुलिस ने छात्र नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। यह विरोध प्रदर्शन एनटीए द्वारा आयोजित एनईईटी परीक्षा में कथित अनियमितताओं के चल रहे मुद्दे के खिलाफ था। गिरफ्तार नेताओं को नल्लाकुंटा पुलिस स्टेशन ले जाया गया। प्रदर्शनकारी एनएसयूआई, एसएफआई, एआईवाईएफ, पीडीएसयू, पीवाईसी, डीवाईएफआई, एआईवाईएफ संगठनों से संबंधित थे।

रिश्वत के जाल से बचकर भागे पुलिस अधिकारी की तलाश में एसीबी

जगतियाल, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रिश्वतखोरी के आरोप का सामना कर रहा एक पुलिस उपनिरीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों से बचकर भागने में सफल रहा, जो शुक्रवार रात रायकल मंडल मुख्यालय में उसे पकड़ने के लिए पुलिस स्टेशन में इंतजार कर रहे थे। एसीबी सूत्रों के अनुसार एसआई अजय और रेत ट्रांसपोर्टरों के बीच बिना किसी बाधा के रेत परिवहन के लिए समझौता हो गया था। बदले में रेत व्यापारियों ने मध्यस्थ के माध्यम से उसे 25,000 रुपये की रिश्वत देने का वादा किया था।

हालांकि, रेत कारोबारियों ने एसीबी अधिकारियों से संपर्क किया, जिन्होंने सब-इंस्पेक्टर को रंगे हाथों पकड़ने के लिए जाल बिछाया। योजना के तहत, एसआई को शुक्रवार रात 11 बजे के बाद रकम लेने के लिए थाने आने को कहा गया। हालांकि, मौके पर पहुंचे एसआई ने थाने में एसीबी टीम को देख लिया और भागने में सफल हो गया। पैसे सौंपने के लिए मौके पर पहुंचे मध्यस्थ को भी हिरासत में ले लिया गया है, जबकि फरार पुलिसकर्मी को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

गला रेतकर युवक की हत्या

महबूबनगर, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जडचर्ला के राजीव नगर कॉलोनी में शनिवार तड़के अज्ञात लोगों ने एक व्यक्ति की गला रेतकर हत्या कर दी। खबरों के मुताबिक, एम चिन्ना अंजनेयुलु की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और जांच कर रही है।

आईआरआईएफएम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे वित्तीय प्रबंधन संस्थान (आईआरआईएफएम) में योग सत्रों के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। महानिदेशक/आईआरआईएफएम अपर्णा गर्ग एक प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक भी हैं। उन्होंने अपने संक्षिप्त संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि योग "कर्मसु कौशलम्' (अपना काम कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से करना) है।

जबकि आसन अभ्यास महत्वपूर्ण है, यह योग का केवल एक छोटा सा हिस्सा है। उन्होंने उपस्थित लोगों से यह भी कहा कि योग को आत्म-साक्षात्कार के उद्देश्य से जीवन का एक तरीका बनाया जाना चाहिए और यह पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में सर्वश्रेष्ठ हासिल करने में मदद करेगा। अभिषेकानंद राव, डीन, जी. विश्वनाथन, प्रोफेसर, अन्य संकाय सदस्य, कर्मचारी और प्रशिक्षु एक घंटे के सत्र में शामिल हुए। नोना मल्होत्रा, योग प्रशिक्षक ने सत्र का नेतृत्व किया।

पूर्व बीआरएस मंत्रियों ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने आज आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार का काम राज्य के किसानों का गला काटना है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव से पहले कांग्रेस सरकार ने लोगों को धोखा दिया और कहा कि इस सरकार का रवैया भूखे रहने के लिए छह महीने इंतजार करने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह किसानों को डुबोने के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि इस समय तक रायथु बंधु का लाभ राज्य के किसानों के बैंक खातों में जमा हो जाना चाहिए था। रेवंत सरकार को सत्ता में आए तीन सीजन हो चुके हैं। रैतू बंधु योजना किसानों को आश्वासन देने के लिए नहीं है। राज्य सरकार द्वारा वादा किए गए रायथु भरोसा योजना का कोई पता नहीं है। कैबिनेट सब-कमेटी को अपनी सिफारिशें देने के लिए 15 जुलाई तक की समय सीमा दी गई है। समयसीमा पूरी होने तक बुआई का काम पूरा हो जाएगा। क्या खरीफ सीजन खत्म होने पर किसानों को आश्वासन मिलेगा?

रेलवे की मेल व एक्सप्रेस ट्रेनों में अधिक जनरल कोच लगाने की तैयारी

इससे जनरल कोच में सालाना 18 करोड़ से अधिक अतिरिक्त यात्री सफर करेंगे

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में अधिक जनरल कोच लगाने की योजना बना रहा है। रेलवे विभाग जनरल कोच के यात्रियों को राहत देने के लिए 1250 मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में अतिरिक्त जनरल कोच लगाने की व्यवस्था कर रहा है। इससे मेल-सुपरफास्ट ट्रेन में जनरल कोच की संख्या बढ़ जाएगी। अतिरिक्त 2500 जनरल कोच तैयार करने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय से आम जनता को राहत मिलेगी। इससे जनरल कोच में सालाना 18 करोड़ से अधिक अतिरिक्त यात्री सफर कर सकेंगे। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्लीपर और जनरल श्रेणी के कोच में भारी भीड़ के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से रेलवे को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए रेलवे बोर्ड ने मंगलवार की बैठक में अतिरिक्त 2500 जनरल श्रेणी के कोच तैयार करने का निर्णय लिया है। ये कोच रेलवे के सालाना कोच उत्पादन कार्यक्रम के अतिरिक्त होंगे। एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों में सामान्य कोच आमतौर पर दो से चार के बीच होते हैं। योजना के मुताबिक जिन ट्रेनों में दो कोच हैं, उनमें इनकी संख्या बढ़ाकर चार की जाएगी। जहां सामान्य श्रेणी के कोच नहीं हैं, वहां दो कोच लगाए जाएंगे। रेलवे ने पिछले एक दशक में कोच उत्पादन क्षमता में तेजी से इजाफा किया है। वित्तीय वर्ष 2014-15 में 555 एलएचबी कोच (कुल 3045 कोच) का उत्पादन हुआ था। जबकि 2023-24 में %,151 कोच बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे आगे बढ़कर चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में 8692 कोच बनाए जाएंगे। इसमें अमृत भारत ट्रेन (पुल-पुश तकनीक) के लिए 50 एसी-नॉन एसी कोच बनाए जाएंगे। वंदे भारत ट्रेन के लिए 1600 कोच बनाए जाएंगे। कोच का डिजाइन 150 से 200 यात्री क्षमता के हिसाब से बनाया जाएगा। इससे 2500 कोच में रोजाना पांच लाख अतिरिक्त सामान्य यात्री सफर कर सकेंगे। इसका मतलब यह है कि मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों की सालाना क्षमता 18 करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाने की होगी। ये सभी कोच चालू वित्तीय वर्ष में बनकर तैयार हो जाएंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए 1377 स्लीपर क्लास कोच भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

बीआरएस पार्टी जल्द ही टाइटैनिक जहाज की तरह डूब जाएगी : रघुनंदन

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद एम रघुनंदन राव ने शनिवार को कहा कि इतिहास में यह लिखा जाना चाहिए कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी तेलंगाना राज्य में टाइटैनिक जहाज की तरह डूब जाएगी। शनिवार को हैदराबाद में मीट द प्रेस कार्यक्रम में बोलते हुए भाजपा सांसद ने इस बात का मजाक उड़ाया कि बीआरएस पार्टी के लिए सीआरएस (अनिवार्य सेवानिवृत्ति योजना) की गारंटी दी गई है और कहा कि भाजपा हरीश राव और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव सहित बीआरएस पार्टी के नेताओं का स्वागत करने के लिए तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस एमएलसी वेंकट राम रेड्डी ने मुलुगु मंडल के क्षीरा सागर गांव में 80 दलितों की जमीन अवैध रूप से हड़पी है और कहा कि वह क्षीरा सागर से अपना काम शुरू करेंगे, उन्होंने आश्वासन दिया कि दलित परिवारों को

जमीन सौंपने की दिशा में काम किया जाएगा। भाजपा सांसद ने दावा किया कि आईटीआईआर परियोजना के सभी दिशा-निर्देशों को लागू किया गया है और कहा कि आईटीआईआर परियोजना को केवल तकनीकी रूप से रद्द किया गया है, जबकि उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस नेता जग्गा रेड्डी को आईटीआईआर परियोजना के बारे में पता होता तो वह उनसे चर्चा के लिए तैयार होते। उन्होंने आरोप लगाया, "जग्गा रेड्डी आरएसएस में पले-बढ़े हैं। वह भाजपा से जीतने वाले पहले व्यक्ति थे। जग्गा रेड्डी ने भाजपा को धोखा दिया है।" उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के मेदक आने से पहले भेल और आईसीआरआईएसएटी जैसे संगठन मेदक आए थे। भाजपा सांसद ने मेदक को समावेशी रूप से विकसित करने और निजाम शुगर फैक्ट्री को फिर से खोलने का वादा किया। सनसनीखेज नीट प्रश्नपत्र लीक घोटाले पर विपक्षी दलों के विरोध पर टिप्पणी करते हुए रघुनंदन राव ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल नीट परीक्षा का मजाक उड़ाने की कोशिश कर रहे हैं और कहा कि केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के समक्ष सभी विवरण देगी। उन्होंने गोहत्या दंगों और गोमांस के कारोबार में शामिल कंपनियों पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि अगर ऐसी कंपनियों को उनके संज्ञान में लाया गया तो कार्रवाई की जाएगी।

"ड्रग एब्यूज के खिलाफ मेसन" नामक वॉकथॉन आज

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के फ्रीमेसन रविवार को शहर में "ड्रग एब्यूज के खिलाफ मेसन" नामक एक वॉकथॉन का आयोजन करेंगे। समाज के सदस्यों के बीच भाईचारे को उजागर करने और हमारे समाज में मूल्यों के महत्व को बढ़ावा देने के लिए जीपीओ, अबिड्स से मोजामजही मार्केट तक आधा किलोमीटर की पैदल यात्रा आयोजित की जाएगी।फ्रीमेसनरी कई देशों में फैला एक वैश्विक संगठन है। भारत में, यह 294 साल पुराना संगठन है। वैश्विक स्तर पर यह 30% साल पुराना है। लगभग 100 सदस्य, उनके जीवनसाथी और परिवार के सदस्य भाग लेंगे। अनिल देसाई; श्री पी. वीरभद्रुडु; मंचला रमेश, डॉ. श्रीरंग अबकारी, पी. राज नरसिंह राव सहायक क्षेत्रीय ग्रैंड मास्टर्स इस दौड़ को हरी झंडी दिखाएंगे। फ्रीमेसन नशीली दवाओं को न कहने के लिए विचारोत्तेजक संदेशों के साथ तख्तियां थामे रहेंगे और चलेंगे। यह पदयात्रा यूनिवर्सल ब्रदरहुड डे (यूबीडी) की पूर्व संध्या पर आयोजित की जाएगी। दुनिया भर के फ्रीमेसन हर साल 24 जून को यह दिवस मनाते हैं। यूबीडी इंग्लैंड के ग्रैंड लॉज के गठन की याद में मनाया जाता है। यह वर्ष 177 का वह दिन था जब फ्रीमेसनरी ने अपने वर्तमान स्वरूप में 306 साल पहले इसी तारीख (24 जून) 177 को आकार लिया था। यूबीडी फ्रीमेसनरी की मूल अवधारणा का प्रचार और विचार करने के लिए मनाया जाता है।

केटीआर ने तेलंगाना के हितों के खिलाफ काम करने के लिए सीएम रेवंत की आलोचना की

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने सिंगरेनी कोयला ब्लॉक की नीलामी पर झूठ फैलाने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की कड़ी आलोचना की है। शनिवार को यहां एक विज्ञप्ति में, बीआरएस नेता ने मजाक उड़ाया कि कुख्यात प्रचारक जोसेफ गोएबल्स, तेलंगाना में मुख्यमंत्री और उनकी कांग्रेस सरकार द्वारा फैलाए जा रहे झूठ से घबरा जाएंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह बीआरएस ही थी जिसने 60 वर्षों तक तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को समझा और उनके लिए संघर्ष किया, जबकि दूसरी ओर कांग्रेस ने इन आकांक्षाओं को नजरअंदाज किया और हजारों युवाओं को क्रूरतापूर्वक दबाया और मार डाला।

केटीआर ने कहा कि जब से रेवंत रेड्डी ने मुख्यमंत्री का पद संभाला है, तेलंगाना का हर नागरिक देख रहा है कि कैसे कांग्रेस और भाजपा राज्य के हितों को गिरवी रखने के लिए मिलीभगत कर रहे हैं। केटीआर ने कहा, "के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में बीआरएस ने हमेशा तेलंगाना में कोयला ब्लॉकों की बिक्री का विरोध किया है और कभी भी किसी नीलामी में भाग नहीं लिया।

चेंचू आदिवासी महिला को 2 लाख की सहायता देने की घोषणा

नगरकुरनूल, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने चेंचू आदिवासी महिला ईश्वरम्मा पर हमले में शामिल आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन देते हुए पीड़िता को दो लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की।

कोल्लापुर मंडल के अंतर्गत मोलाचिंतलापल्ली गांव की निवासी ईश्वरम्मा को काम पर न आने पर तीन लोगों ने एक सप्ताह तक प्रताड़ित किया। आरोपियों ने उसकी आंखों में मिर्च पाउडर डाला और उसके गुप्तांगों को जला दिया। यह उत्पीड़न एक सप्ताह तक जारी रहा और बुधवार को स्थानीय लोगों द्वारा कोल्लापुर पुलिस से संपर्क करने के बाद यह मामला प्रकाश में आया।

फिलहाल ईश्वरम्मा का इलाज नागरकुरनूल के सरकारी जनरल अस्पताल में चल रहा है। मंत्री ने शनिवार सुबह अस्पताल में उनसे मुलाकात की और कहा कि राज्य सरकार उन्हें हरसंभव सहायता देगी। इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताते हुए मंत्री ने आश्वासन दिया कि पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि ईश्वरम्मा के तीन बच्चों को आवासीय विद्यालय में दाखिला दिलाया जाएगा और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय किए जाएंगे कि उनके परिवार पर कोई वित्तीय बोझ न पड़े।

गोदावरी नदी में नाबालिग डूबा

कोत्तागुडेम, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भद्राचलम में शनिवार को गोदावरी नदी में एक 11 वर्षीय बालक डूब गया। खम्मम का रहने वाला कार्तिक नामक लड़का चार अन्य लोगों के साथ नहाने के लिए नदी में उतरा था, लेकिन पानी की गहराई का अंदाजा न लगा पाने के कारण डूब गया। स्थानीय फोटोग्राफरों ने जब लड़कों को पानी से बाहर आने के लिए संघर्ष करते देखा तो वे दौड़े और उन्हें बचा लिया। हालांकि, तब तक कार्तिक डूब चुका था। 4 लड़कों में से एक की हालत गंभीर होने के कारण उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि 3 अन्य सुरक्षित हैं। कार्तिक अपने परिवार के साथ एक शादी में शामिल होने के लिए बर्गमपाड़ आया था।

खेल जगत की महानायिका : पी टी उषा

अतुल कुमार

उन दिनों ग्लोबल या ग्लोबलाइसेशन की आज जितनी चर्चा नहीं होती । इसे बडे रूप में ध्यानाकर्षित करने का काम हमारे खिलाडियों ने किया ।एक दौर था जब खेलों में महिलाओं की संख्या नाममात्र थी । खेलों में महिलाओं की सहभागिता को सोसायटी सीरीयसली और उत्साह से न ले हल्के में लेती । महिला क्रिकेट में डायना इडुलजी और शांता रंगास्वामी का नाम अखबारों के किसी कोने में पढने मिलता ।आज की तरह मीडीया का प्रसार भी नहीं हुआ ।रेडियो और प्रिंट मीडीया का दबदबा था महिला खेलों की इस उदासीन परिस्थिति को महान धाविका पी टी उषा के दमदार आगमन ने तोडा । समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में दौड लगाते हुए उनके बडे बडे चित्र ,ब्लो अप और पोस्टर छपते जिसने महिला खेल के प्रति बंद नज़रिये को बदला जिससे क्रांतिकारी बदलाव हुए और वो खेलों की दुनिया में उदीयमान महिला खिलाडियों की रोल माडल बनी । किसी शायर ने खूब लिखा " यूं ही नहीं होतीं हाथों में लकीरों के आगे उंगलियां रब ने भी किस्मत से पहले मेहनत को लिखा।

महिला खेल जगत में यही हुआ । पी टी उषा ने अपनी ऐतिहासिक कीर्ती से दुनिया के देशों में ऐसी छलांग भरी कि वह देश भारतीय महिला खेलों की ओर उम्मीद भरी नज़रों से देखने , जानने और पहचानने लगे । पी टी उषा ने महिला खेलों को बुलंदी भरी शोहरत दी जिसे देख उन दिनों लोग हैरत से देखते। वास्तव में महिला खेलों के सीनेरियो को बदलने का काम उडन परी पी टी उषा ने किया ।सन 1980 के दशक में अधिकतर एशियाई ट्रैक एंड फील्ड पर वो हावी रहीं जहां कई नामी खिताबों में 23 पदक और 14 गोल्ड मेडल जीत दुनिया भर में तहलका मचाया ।

पी टी उषा भारत की महानतम एथलीटों में से एक हैं । जिन्हें " क्वीन आफ ट्रैक एंड फील्ड " कहा गया । सन 1990 के बीजींग एशियन गेम्स में 3 पदक जीत अपनी धाक जमायी जिसको देख खेलों में दबदबा रखने वाले देश भी हैरान हुए । दरअसल ग्लोबल स्पोट्र्स में यह भारतीय महिला एथलीट की ऐसी दस्तक थी जिसको समझने दुनिया बाध्य हुई और भारतीय खेलों में नये अध्याय की शुरुआत हुई ।अपने से बडों को हराने की ज़िद उषा में बचपन से रही जिन दिनों चौथी क्लास में पढा करतीं तब स्कूली खेलों में मना करने के बावजूद आठवीं क्लास के विद्यार्थी के साथ कंपीट करतीं और उसे धूल चटातीं जिसको देख स्कूल के शिक्षक अचंभित होते । वही सोच उनके आगे के कैरीयर में काम आयी जहां नामी देशों को उनके सामने धूल फांकनी पडती ।

दरअसल भारतीय महिला खेलों में पी टी उषा के आगमन ने खेलों को ट्रांस्फार्म करने का काम किया । उनके लिये वो एक ऐसी बेहतरीन रोल माडल के रूप में उभरीं जिसे देख खेलों में महिलाओं के भाग लेने का नज़रिया बदला । मास्को ,लास एंजिल्स और सियोल ओलंपिक में हिस्सा ले खेल प्रेमियों को चौंकाया । आए दिन बनते उनके रिकार्ड अखबारों की सुर्खियां बनतीं । भारत के ट्रैक एंड फील्ड इतिहास में पुरुष वर्ग में मिल्खा सिंह ने जो उपलब्धियां हासिल कीं वही महिला वर्ग में पी टी उषा ने हासिल कर देश की शान बढायी ।

गरीब परिवार में जन्म लेने के बाद जहां स्पोट्र्स को लक्सरी माना जाता वहां एथलीट बनने के लिये कई मुश्किलों का सामना करना पडा दो जून रोटी की जुग़ाड में रहने वाले परिवारों के लिये स्पोट्र्स तब भी सपना था अब भी है । फिर भी उनकी ज़िद ने उनके बंद रास्तों को खोला जब पता लगा कि केरल के कुनूर में सन 1976 में प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के लिये खोले गये खेल प्रशिक्षण केंद्र में अच्छा परफार्म करने पर एथलीट स्कूल द्वारा रु 250 / की स्कालरशिप दी जाती है तब सोचा घर वालों की इज़ाज़त मिलेगी और एथलीट बनने का सपना साकार होगा । इसके लिये जी तोड मेहनत की और उसको हासिल किया जिससे कई रास्ते खुले ।

केरल के कोझिकोड ज़िले के पास पय्योली गांव में एक साधारण परिवार में 27 जून 1964 को जन्मी उषा ने बहुत छोटी उम्र में दौड का ऐसा कौशल दिखाया कि शुरु से ही वह चैंपियन बनने की राह पर दौडने लगीं और अपने साथ जुडे उम्मीदों के पहाडों को फांदते हुए खिताब दर खिताब को अपने नाम किया कहा भी गया कि " कमज़ोर तब रुकते हैं जब वो थक जाते हैं और विजेता तब रुकते हैं जब वो जीत जाते हैं " पी टी उषा ने यही किया इसलिये उनको " पय्योली एक्सप्रेस" भी कहा गया । उनके मशहूर कोच ओ एम नांबियार ने उनकी प्रतिभा को ऐसे तराशा कि वह " फर्राटा क्वीन ' के नाम से पहचानी गयीं ।

ओलंपिक खेलों के फायनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं । अपने कदमों से कैरीयर की राह चुनी और देश की महिलाओं को खेलों में आगे बढने के लिये इंस्पायर किया ।जितनी भी दौडों में भाग लिया सबमें एक नया खेल इतिहास रचा । उनका पूरा नाम पिलावुल्ल्कंटी तेक्केपरंपिल उषा है । जिनके पहले अक्षरों के नाम से उनको पी टी उषा कहा गया । जहां भी दौडने जातीं सबकी फेवरेट बन जातीं कैरीयर की शुरुआत में स्वास्थ्य संबंधी शिकायतों से जूझी लेकिन उनकी प्रतिबद्धता चट्टान की तरह अडिग रही । आज भी तेज़ दौडने वाली महिला का ज़िक्र होता है तब पहला नाम उन्हीं का लिया जाता है अपने अंतरराष्ट्रीय कैरीयर का आरंभ सन 1980 में मास्को ओलंपिक से किया लेकिन निराश तब हुईं जब उन्होंने 0 ।01 सेकंड से ब्रांज़ मेडल गंवा दिया । बैड लक की इस टीस को खेल प्रेमी भूले नहीं ।

अपने सुनहरे कैरीयर में कई ऐसी सक्सेस स्टोरीस की चैंपियन आफ चैंपियंस बनीं जिनको हासिल करना मुमकिन नहीं था । दौड का अभ्यास समुद्र किनारे की रेत पर करतीं और उसमें चीते जैसी रफ्तार को पातीं कोशिशों से बनी ऐतिहासिक उपलब्धियों ने उनको लीजेंड बना महिलाओं को खेलों के प्रति जागृत किया । भारतीय रेल्वे में भी काम किया । युवा एथलीटों को बनाने के लिये केरल में स्कूल स्थापित किया। । 20 वर्ष की उम्र में खेलों के बडे अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित हुईं और पद्मश्री की उपाधि से नवाज़ी गयीं । भारतीय ओलंपिक संघ की पहली महिला अध्यक्ष रहीं। वर्ष 2022 में राज्य सभा की माननीय सदस्य के रूप में मनोनीत हुईं ।

अपने गौरवशाली एथलीट जीवन में 101 पदक जीत जिस प्रेरणा को लोक जीवन के सामने रखा वह अनूठी मिसाल है ।सोचिये ! केरल के छोटे से गांव की साधारण परिवार की इस महिला खिलाडी ने सिर्फ और सिर्फ इरादों, इच्छा शक्ति ,से इंद्रधनुषी सफलता को पाया ।कहा कि " सपनों को सिर्फ देखिये मत बल्कि जब तक वो मिले नहीं उनको पाने के लिये जी तोड मेहनत कीजीये " " अपने आप पर भरोसा कीजीये जो आपके अंदर है उसे आप ही देख सकते हैं वही शक्तियां आपकी बाधाओं को तोडेंगी " ।और " कोई भी महान काम करने के लिये पहली और आखरी शर्त है कि आप उससे बेइंतेहा मोहब्बत करें "

पी टी उषा आज खेल दुनिया की आइकान हैं ।जिन्होंने खेल जगत की नयी डेफिनेशन लिखी इसलिये वह रील लाइफ कि नहीं बल्कि रियल लाइफ की महानायिका हैं ।

काव्य कुंज

ये महकती खुशबू

राजेन्द्र लाहिरी पामगढ़

सिर्फ फूल ही नहीं देते खुशबू
फल भी देते,
आज भी देते हैं कल भी देते हैं,
यहीं नहीं रिश्ते भी महकते हैं,
संत,गुरू,पीर,फरिश्ते महकते हैं,
आचार व्यवहार महकते हैं,
सबसे ज्यादा विचार महकते हैं,
पता नहीं किसी को महसूस होता है या नहीं
पर हर वो संत,गुरू,महापुरुष,
जिन्होंने गरीब,प्रताड़ित,वंचितों के जीवन में
आमूलचूल परिवर्तन लाने का प्रयास किया,
समता,समानता,बंधुता का विचार लाया,
सबके मन मस्तिष्क में गहरा छाया,
बुद्ध की महक पूरे विश्व में छाया है,
जिसने सत्य अहिंसा शांति का मार्ग बताया है,
वहीं खुशबू हमने महसूस किया
महामना ज्योति बा फुले में,
शिक्षा की देवी सावित्री बाई फुले में,
तभी आज झूल पा रहे
शिक्षा के झूले में,
कबीर,रैदास,नानक,पेरियार,
गुरू घासीदास,नारायणा गुरू,
और भीम ने सम्पूर्ण संविधान दिया,
संपूर्ण विश्व ने जिन्हें सम्मान दिया,
राजनीतिक जन चेतना के मसीहा कांशीराम,
जिसने दिया वंचितों की चेतना को आयाम,
किस किस फूल और खुशबू को
दिन रात क्षण क्षण याद करूं,
किसको भूलूं,किसकी फरियाद करूं,
इनके दिए विचार आज भी
पूरे विश्व को महका रहे हैं,
नफ़रती नफरत लेकर भी कुछ कर नहीं पा रहे हैं,
चलो अपने दिल में नैतिकता धरते हैं,
इन सभी खुशबुओं का सम्मान करते हैं।

चाँद हंसों क़े पास होगा

लौटने का क्रम कैसा हो
ये एक यक्ष प्रश्न है?
जिसके पास दौलत है वो भूख और प्यास से आकुल है
जिसके पास दो वक़्त की रोटी नहीं होती
उसका घर किलकारी से गुंजायमान है,
मैं झल्लाकर माँ से पूछता हूँ
चाँद किसके पास होगा?
माँ -पीठ क़े पठार पर हाथ फिराती
₹चाँद हंसों क़े पास होगा ₹
जो उसे रखते हैं बेक़दरी से।
बात और आगे बढ़ती
जैसे चौमासी नदी चढ़ती
तभी बीच में सुकरात, प्लेटो अरस्तू आ जाते
और सभा कई दिनों क़े लिए कर दी जाती स्थगित।
फिर अँधेरी रात क़े रतजगे में प्रसंग आता
कि प्रेम कब और किससे करना चाहिए?
और सभा में सन्नाटा छा जाता
तभी सन्नाटे को होले-होले सहलाती
दादी की आवाज़ आती
₹प्रेमी, प्रेम क़े अस्थायी सेवक हैं,
ज़ब चाहे हटा दिए जाएँगे संविदाकर्मियों की तरह₹
फिर, दादी कहा करतीं थीं - प्रेम में
बेइज्जती सार्वजनिक
और इज्जत व्यक्तिगत होनी चाहिए ।

-राजकुमार बघेल प्रभात

यादों की खान

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

अधूरापन जिंदगी का वरदान बन गया।
रही पीड़ा मगर खुद ही कद्रदान बन गया।।
किया कभी प्रेम हमने भी एक भले इंसा से
देखने को इक झलक घूमते थे परेशां से,
आते जाते मिले कभी तो आंखें चार हो जाती
बेकरार हो जाते और शाम गुलजार हो जाती,
चलता रहा सिलसिला समय आगे बढ़ता रहा
पर कभी नहीं मिले हम, तीर नजर चलता रहा,
रोमांचित यादें देकर ही वो बहारें खो गई
नशा जीवन भर का दे के वो बहारें खो गई,
हृदय कलश यादों का रोशनदान बन गया।
अधूरापन जिंदगी का वरदान बन गया।
रही पीड़ा मगर खुद ही कद्रदान बन गया।।
पाकर तो वो बात न होती जो बिन पाए पाया
धूमिल हुई नहीं यादें, दिखे उनका ही साया ,
उस पल के एहसास से ही नया जोश भर आया
मेरे अधूरेपन को तो दिल ने प्रेम से सजाया,
उस वक्त की यादों ने जवां हमें बनाया है
मीठी मीठी टीस लगी कुछ नहीं गंवाया है,
अधूरेपन की शिराओं में यादों का जाल है
सपनों को भी महका रहा, प्यारा उनका ख्याल है,
मिले कभी न पर यादों की खान बन गया।
अधूरापन जिंदगी का वरदान बन गया।
रही पीड़ा मगर खुद ही कद्रदान बन गया।।

जल संरक्षण

हूं मैं नदी, झरने और कूप महान,
साक्षात जीवन जहां विद्यमान,
सींच रही हूं धरती को,
और ह्रास करूं इस परती को।
बादल से बरसी घनन गहन,
तो हरित किया है वाता वरण,
जल की बूंदों में सब होके मगन,
नाचे ज्यों नाचे मयूर सा मन।
कभी पोषण हो कोई वृक्ष कहीं,
कहीं बुझाऊं कोई प्यास कभी,
कभी प्रबल वेग में बहती चली,
तो दूर किए बाधायें सभी।
कभी पर्वत का सीना फाड़े,
और कदम धरती पर डारे,
कभी शिथिल शिथिल बस बहती रही मैं,
कल कल वेगो में कुछ कहती रही मैं।
जल जीवन जग में जन्म जन्म,
इसे सहेजो तुम कदम कदम,
न इसको तुम अब दूषित करो,
तन मन धन से बस पोषित करो।
कहीं ह्रास न कर दो इस अमृत को,
संरक्षण से न विस्मृत हो,
कुछ नीति कुछ प्रयास करो,
इसे रक्षण का अभ्यास करो।

अमित पाठक

किस्मत में फाइट है

संजय एम. तराणेकर

नौकरी ढूंढने वालों की,
किस्मत में फाइट है।
यारों लोगों का कहना है,
मार्केट की हालत टाइट है।
इस जवानी में भी,
कितना थक रहे हैं युवा,
अब उन्हें भी लगता है
आगे ब्लैक एंड व्हाइट है।
किस पर करें भरोसा,
और कहां पर टेके माथा।
अब हम भी सोच रहे हैं,
क्या इनका फ्यूचर ब्राइट है?
सच, नौकरी ढूंढने वालों की,
किस्मत में फाइट है।

ताती वाऊ न लगही...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

चलना भी चाहता है,
चल भी रहा है नाक की सीध में
की हार की जीत
चाहता भी नहीं कोई आए बीच में
चार कदम चले ही थे
आंधी तूफानों का बवंडर
हाथ पैर कांपने लगे पड़े,
उधड़ गई तुरपाई
ताती वाऊ न लगही
पारब्रहम शरणाई
चौखट से बाहर कदम,
अनावश्यकों से घिर जाता हूं
बेवजह,
ऊपर से नीचे तक कांटों से लपेट दिया जाता हूं
गलतियां भी नहीं की, माफी की मांग
बन विनम्र, कर हाथ जोड अरदास
कदी ते होऊगा सहाई
ताती वाऊ न लगही...
अच्छा लगा,सत्य ईमानदारी पथ ते चलया
कंकरीली पथरीली राहें,
उत्साह नहीं सी हिलया
क्या कहें,नित्य प्रतिदिन कमजोर किया जाता है
हार्दिक इच्छा कि चलूं
की करां, आगे कुआं पीछे खाई
तारी वाऊ न लगही...
जिधर से गुजरें,सामने तनी शमशीरें हैं
अश्रुपूरित, खंडित हाथ की लकीरें हैं
हसिए न रोविए हैरान हो के खलोइए
तम,तिमिर, अवसाद,विषाद
हाथ नू हाथ न दिखे पाई
ताती वाऊ न लगही पारब्रहम शरणाई।।

ख़ास

रेणुका अग्रवाल

कुछ तो बात हुई है
कुछ तो हुआ ख़ास है।
कितने मौसम आते है।
विशेष तो मधुमास है।
आषाढ़ जाए सावन आये।
जोड़ों का मन मस्त गाये।
कुछ कहते नहीं बनता प्यारे,
तन मन मे प्रीतम पास है।
गीत सुनाते भँवरे भी।
कलियाँ जब साथ होती है।
फूल लदे है डाली डाली।
हरेक को ये एहसास है।
ये बारिश का मौसम।
बड़ा जुल्म ढाता है।
पिया से मिलने को।
पिया ही ललचाता है।
न सर्दी है न गर्मी है।
सुहाये मन को मौसम है।
ये सावन का महीना,
जवां दिलो की धड़कन है।
न कोई मन मुटाव है बाक़ी
न कोई अनबन है।
प्रेमियों मे दिखती आज,
बिन आवाज की सरगम है।
ये जामुन जे छोटे छोटे फल।
दिखते सुंदर और सरल।
इनको खा खा के सबकी।
बेलेंस होती है जी शुगर।
सेहत बनाने के दिन आये।
घर मे सुखी मेवा भी लाए।
गोंद के लड्डु चलो बनाकर।
जीवन भर की शक्ति को पाएं।
दिन छोटे अब राते बड़ी।
जल्दी घर के काम निबटाएँ।
काम से फ़ुरसत पाकर रेणू।
पुराने गाने सुने सुनाएँ।

अद्भूत दुनिया

टी तारासिंह
हैदराबाद

रब ने बडी अद्भूत दुनिया बनाई
दे दिया सबको सब कुछ
दे दी संजीवनी बूटी
उसे तो इन्सान ढुढ ना सका
बन गई इन्सान की जिंदगी धुप छाव
कभी हसे तो कभी रोये
कभी पतझड तो कभी बहार
जिंदगी बनी है प्यार रिश्ते ओर अपनापन से
कोई रूठे तो कोई हस कर बात करे
ये सपनो की दुनिया है खुशियाँ गम बराबर है
जीना मरना इन पांच तत्वो से
जल अग्नि अंबर धरती ओर हवा
जल से है जीवन की प्यास बुझे
अग्नि से है जीवन का खान-पान होये
अंबर से है पानी ही पानी बरसे
धरती घर ही है धुप छाव से बचाये
हवा से जीवन की सांसे चले
मनुष्य का शरीर बना है पंच तत्वो से ।।

चोट

हेमंत सुराना

चोट अपनी दिखती नहीं,
दर्द बहुत ही होता है
कभी शब्दों के बाणों से,
कभी पुरानी यादों से
दिल बहुत दुखता था,
पर कोई ना समझता था
बीते लम्हों की चुभन,
दिल पर चोट से घुटन
आंखों से जख्म दिखते नहीं,
खामोशी से भी बयान नहीं
बहुत चोट खाई है,
फिर भी दर्द में हंसते हैं
चोट जिनको लगी है,
दर्द का एहसास वो ही समझते है
ना तो दवा काम आई,
ना ही दुआ काम आई
दिल किसी का मत दिखाना,
गुस्से को दबाना सीख जाना
दर्द को छुपा कर मुस्कुराना,
चोट किसी को ना पहुँचाना,
चोट किसी को ना पहुँचाना ।

चलिए स्वयं की खोज में

संजीव ठाकुर,
रायपुर

क्या कभी आपने
अपने आप को
खुद में पहचानने,
खोजने की कोशिश की है,
उस सच की तलाश की है,
जो आपके अंदर
सदियों से समाया हुआ है,
आपके मन में
तिल तिल कर जिंदा है
आप के मनोभावों के साथ
बाहर आना चाहता हो,
आपने अंदर के मासूम बच्चे
को महसूस करने की कोशिश की है।
आप कभी यूं ही बेवजह
मुस्कुराये, खिलखिलाये है,
रोज एक नया मुखौटा लेकर
एक नए-नए पलों को
जीते चले जा रहे हैं,जिंदगी के सच का
सामना नहीं कर सकते ,वही सच जो आपको
वर्तमान का आईना भी दिखाता है,
आप भागते हैं कड़वी सच्चाईयों से,
और निकल पड़ते हैं, नए चेहरे की तलाश में
जो आने वाले कालचक्र में
आपको नया मुखौटा देगा और अंदर की सच्चाई से
दूर और दूर ले जाएगा,
बेवजह अनासक्त, चलो किसी नन्हे मासूम की
भोली मुस्कान में खो जाते हैं,जिंदगी के बहुत नजदीक ।

उम्मीद पर कायम दुनिया

पूजा महेश
हैदराबाद

खामोश निगाहें और सूनी राहें
जिंदगी कट रही है लम्हा लम्हा
फिर भी तलाश अभी जारी है
ना मिला मनचाहा तों भी
जी लेंगे किसी तरह
अभी तो उम्र मुझ पर भारी है
जा रही है जिन्दगी रफ्ता रफ्ता
उम्र का तकाजा है
शायद इसीलिए दिल की बेकरारी है
हमें कौन सा रहना है सदा यहां
सब्र करो चलें जायेंगे
सिर्फ चार दिन की मेहमानदारी है
हो सकता है चाहत के मरुस्थल में
एक बूंद भी न मिलें
पर यह भी तो सच है
उम्मीद पर कायम दुनिया सारी है।।

राधा-स्मृति

सुनिल चौरसिया,
सावन

लगे सूना-सूना 'सावन'-सदन
राधा-राधा पुकारे कान्हा-मन
साथ में आना, साथ में जाना
साथ में रूठना, साथ में मनाना
साथ में लिखना, साथ में पढ़ना
जीवन को प्रेम के सेज पर गढ़ना
एक दूजे पर जीवन अर्पण
हिय में चुभती, गिरिवर-माटी
हवा सहलाती , टेंगा घाटी
मिलन में मिलता, सुख पाहन से
सरिता गाती , मिल सावन से
कब होगा 'सावन' पावन मिलन
हाथों में हाथ हो, जन्मों का साथ हो
करवा की कली खिले, मन मुस्कात हो
के. वि. के लिए करें, भोरे तैयारी
मोरे सजनी के बिना,जीना हुआ भारी
₹कब आएंगे करने भोजन ?
खुद से बनाना, खुद ही खाना
शरीर-सिर-पीर को, खुद ही मिटाना
मोबाईल से मिल-खिल, मन बहलाना
₹जल्दी मिलेंगे₹ कह, ढांढ़स बढ़ाना
चुभे हिय में हिमालय-पवन
बख़्श दिया कोबरा, लिपट गई सुग्गी
आंसू में डूबकर, सिमट गई सुग्गी
उन्नत जन्नत की, मांगे ना मन्नत
प्यार से जीवन को, बनाएंगे जन्नत
इक प्राण में बसे दो तन
घाटी में घूमकर, तितलियों को चूमकर
करें ग्राम दर्शन, शिंगचुंग में झूमकर
सीधा सादा मन, करे पूजन-अर्चन
सत , रज, तम का, है सुन्दर मिश्रण
नागिन जैसे डंसे फन-बिछड़न
रजत मुख्य-मण्डल, अमर लाली-कुण्डल
गणित, विज्ञान, हिन्दी, बिन्दी-चांद चंचल
मन, वचन, कर्म से, 'प्रीति' प्रीत धर्म से
जीवों पर दया करें, सेवा करें मर्म से
सजनी! रजनी में आवे सपन
लालसा लाल की, किलकारी बाल की
गोद में आमोद, मधु मोद गोपाल की
मन में है अरमां, बनूं यशोमती मां
खेले गोद में चांद, मिले खुशी-आसमां
छन-छन, ठुन-ठुन बिन सून आंगन
राधा-राधा पुकारे कान्हा मन।।

जिंदगी

रमेश गायकवाड
रागा, हैदराबाद

विचारधाराओं की किताब है जिंदगी
नफरत और प्यार का मिसाल है जिंदगी
दूर-दूर तक है दौड़ता,कूदता, तैरता, डूबता
बिना सीमित किनारे का समंदर है जिंदगी
कभी दोस्ती का शान है
कभी दुश्मनी का बदला पल-पल में
अपना बदलता परिवेश है जिंदगी
कभी दिल टूटते हुए
कभी आंसू में डूबते हुए
कभी खुशी तो
कभी गम का शिकार है जिंदगी

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

भविष्य संवारने में एनटीए फेल मॉडल है

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने 18 जून को हुई यूजीसी-नेट की परीक्षा रद्द कर दी है। परीक्षा में गड़बड़ी के इनपुट्स मिले थे। मामला सीबीआई को सौंपा गया है। देश के 317 शहरों में 1205 सेंटर्स पर दो शिफ्ट में 9 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स ने एग्जाम दिया था। सभी को फिर से परीक्षा देनी होगी। ये फैसला ऐसे वक्त में लिया गया है, जब एनटीए पर पहले ही नीट परीक्षा में धांधली को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उसमें 24 लाख स्टूडेंट्स का भविष्य दांव पर लगा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी माना कि नीट परीक्षा में गड़बड़ी हुई है और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी में सुधार की जरूरत है। 7 साल पहले बनाई गई एनटीए केंद्रीय एजेंसी का फेल मॉडल है, जिसकी कीमत लाखों स्टूडेंट्स भुगत रहे हैं...। 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति और 1992 के प्रोग्राम ऑफ एक्शन में एक सुझाव दिया गया कि हायर एजुकेशन में एडमिशन के लिए नेशनल लेवल पर एक समान एंट्रेंस टेस्ट कराया जाए। बात आई-गई हो गई।

2010 में एक बार फिर चर्चा उठी जब आईआईटीज के कुछ निदेशकों ने सरकार से नेशनल टेस्टिंग एजेंसी बनाने की सिफारिश की। 2017 में वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में एनटीए के गठन की घोषणा की। इसका काम है देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में एडमिशन और स्कॉलरशिप के लिए क्वालिटी टेस्टिंग सर्विस देना यानी एग्जाम कराना।

ऑनलाइन मोड में एग्जामः एनटीए ने नीट को छोड़कर लगभग सभी एग्जाम ऑनलाइन कंप्यूटर बेस्ड मोड में करवाने शुरू किए। ऑनलाइन एग्जाम से क्वेश्चन पेपर लीक होने और ओएमआर शीट भरने में गड़बड़ी जैसी चीजों की संभावना खत्म हो जाएगी।

साल में दो या ज्यादा बार एक ही एग्जामः किसी एग्जाम के अलग-अलग सेशंस में बैठने वाले स्टूडेंट्स को जिस सेशन में ज्यादा मार्क्स मिलेंगे, उसे ही फाइनल स्कोर माना जाएगा। एनटीए का तर्क है कि इससे स्टूडेंट्स को ज्यादा मौके मिलेंगे और उनका साल बचेगा।

कुल सवाल और टोटल मार्क्स में बदलावः एनटीए के आने के बाद जेईई जैसे बड़े एग्जाम के मार्किंग पैटर्न में बदलाव किए गए। 2018 तक, जेईई मेन्स का एग्जाम सीबीएससी द्वारा होता था, तब पेपर कुल 90 सवालों और 360 अंकों का था। 2020 में एनटीए के हाथों में आने के बाद जेईई का मेंस का पेपर 300 अंकों का हुआ और इसमें कुल सवाल घटाकर 75 कर दिए गए। हालांकि बाद में यह बदलाव हटा लिए गए। मेरिट और रैंक तय करने के लिए परसेंटाइल मेथडः जेईई मेंस और नीट में नॉर्मलाइज्ड स्कोर, परसेंटाइल होता है न कि स्टूडेंट को मिले मार्क्स। यानी किसी भी एग्जाम में किसी भी सेशन में एग्जाम देने वाले स्टूडेंट्स को एनटीए द्वारा उनके परसेंटाइल के आधार पर रैंक मिलती है। इसी रैंक के आधार पर उनका चयन होता है। स्टूडेंट्स का परसेंटाइल उनके सेशन के बाकी स्टूडेंट्स के मार्क्स और सेशन में कुल स्टूडेंट्स की संख्या के आधार पर तय होता है। यह एक जटिल प्रक्रिया है।

सिलेबस और मार्किंग सिस्टम में बदलावः एनटीए के आने के बाद नीट और जेईई जैसे एग्जाम में सिलेबस कम हुआ और मार्किंग सिस्टम में भी बदलाव हुआ है। इसके चलते न सिर्फ टॉप स्कोर लाने वाले स्टूडेंट्स की संख्या बढ़ती गई, बल्कि जेईई मेंस और नीट का कट-ऑफ बढ़ता गया। एनटीए ने नीट का पहला एग्जाम 2019 में करवाया था। इस एग्जाम में कई सवालों के एक से ज्यादा सही जवाब थे। सुप्रीम कोर्ट में मामला पहुंचने के बाद एनटीए ने नई आंसर-की जारी की। इस एग्जाम में एक अभ्यर्थी की जगह दूसरे व्यक्ति ने एग्जाम दिया था।

2020 में जेईई मेंस में नील नक्षत्र दास नाम के असम के एक कैंडिडेट की जगह प्रदीप कुमार नाम के एक दूसरे व्यक्ति ने एग्जाम दिया। नील के 99.8% मार्क्स आए। इस मामले में नील, उसके पिता डॉ ज्योतिर्मय दास सहित कुल 7 लोग गिरफ्तार हुए।

2020 की नीट यूजी की परीक्षा में, मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले की विधि सूर्यवंशी को सिर्फ 6 अंक मिले। विधि ने फांसी लगाकर जान दे दी। बाद में जब विधि के भाई ने पोर्टल पर ओएमआर शीट से मार्क्स का मिलान किया तो उसमें विधि

के 590 मार्क्स निकले।

राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के मृदुल रावत को एनटीए की तरफ से जारी रिजल्ट में 329 मार्क्स मिले थे। उसने रिजल्ट को चुनौती दी। एनटीए ने रीचेक के बाद जो स्कोर कार्ड जारी किया उसमें अंकों में मार्क्स 650 लिखे थे, जबकि शब्दों में तीन सौ उन्तीस ही लिखा था। मृदुल के मुताबिक, 650 मार्क्स के आधार पर उन्होंने एसटी कैटेगरी में टॉप किया था, जबकि जनरल कैटेगरी में उनकी रैंक 3577 थी।

2022 में जेईई मेंस के एग्जाम के दौरान एनटीए पर गड़बड़ी के आरोप लगे। एग्जाम के दौरान कई स्टूडेंट्स को तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। आंसर की और रेस्पॉन्स शीट में भी दिक्कतें थीं। इसी साल जनवरी और फरवरी के महीने में 5 अलग-अलग तारीखों पर सेशन-1 की जेईई की परीक्षा हुई। छात्रों का आरोप था कि कुछ शिफ्ट में ज्यादा स्टूडेंट्स होने के चलते उनका परसेंटाइल कम हो गया। हालांकि बाद में एनटीए द्वारा जारी डेटा के मुताबिक सभी शिफ्ट्स में एग्जाम देने वाले स्टूडेंट्स की संख्या लगभग एक ही थी।

एक ही सेंटर से 8 टॉपरः विरोध कर रहे स्टूडेंट्स का कहना है कि 2307 झज्जर का सेंटर कोड था। रोल नंबर में इस कोड के बाद आखिर में 62 से 69 सीरियल नंबर वाले सभी स्टूडेंट्स को 720 मार्क्स मिले। इन 8 में से 6 स्टूडेंट्स झज्जर के बहादुरगढ़ में हरदयाल पब्लिक स्कूल में एग्जाम दे रहे थे। इस पर सवाल उठे तो एनटीए का कहना था कि ग्रेस मार्क्स के चलते उन्हें ये नंबर मिले।

हरियाणा के छात्रों का दावा ये भी था कि एग्जाम के शुरू होने के 30 से 40 मिनट बाद दो सेंटर्स पर पेपर बदल दिए गए। एक सेंटर पर केनरा बैंक के एमएनओपी कोड वाला पेपर दिया गया बाद में इसे बदलकर एसबीआई बैंक का क्यूआरएसटी कोड वाला पेपर दिया गया। दूसरे सेंटर पर पहले दोनों पेपर बांट दिए गए और बाद में एक पेपर हल करने को कहा गया।

ग्रेस मार्क्स पर सवाल खड़ा हुआ तो एनटीए ने **यू टर्न लियाः** कई स्टूडेंट्स ने हाई कोर्ट में याचिकाएं डालकर आरोप लगाया था कि उन्हें एग्जाम पूरा करने के लिए पूरा समय नहीं मिला। इसके बाद एनटीए की ग्रीवांस कमेटी ने 1563 स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क्स दे दिए। एनटीए का कहना था कि ये ग्रेस मार्क्स उसी नॉर्मलाइजेशन के फॉर्मूले के तहत दिए गए जो 2018 के एग्जाम में सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद तय किया गया था।

ग्रेस मार्क्स के चलते 6 स्टूडेंट्स को 720 में से 720 मार्क्स मिले और वह टॉपर बन गए। जब इसका विरोध हुआ तो एनटीए और शिक्षा मंत्रालय की एक और कमेटी ने माना कि ग्रेस मार्क्स देने के लिए नॉर्मलाइजेशन फॉर्मूले का सही इस्तेमाल नहीं किया गया। अब एनटीए ने कहा है कि वह, 23 जून को ग्रेस मार्क्स पाने वाले सभी 1563 स्टूडेंट्स का एग्जाम फिर से करवाएगी।

परसेंटाइल सिस्टम में तकनीकी गड़बड़ी का आरोपः नीट और जेईई मेंस के एग्जाम में हर सेशन और शिफ्ट में क्वेश्चन पेपर और उसका डिफिकल्टी लेवल अलग रहता है। जिस सेशन में स्टूडेंट को अच्छा परसेंटाइल मिलता है, उसे स्टूडेंट का फाइनल स्कोर माना जाता है। क्वेश्चन पेपर के डिफिकल्टी लेवल और दूसरे स्टूडेंट्स से मार्क्स की तुलना के हिसाब से स्टूडेंट्स को परसेंटाइल दिए जाते हैं। एनटीए की ये नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया काफी जटिल है।

छात्रों और नीट की तैयारी करवाने वाले टीचर्स का आरोप है कि इसमें तकनीकी गड़बड़ी है। एक छात्र को किसी सेशन में कम अंक लाने पर भी ज्यादा परसेंटाइल और अच्छी रैंक मिल रही है, जबकि किसी दूसरे छात्र को दूसरे सेशन में ज्यादा अंक लाने पर भी कम परसेंटाइल और लंबी रैंक मिल रही है। इसी साल जनवरी-फरवरी में हुए जेईई मेंस के रिजल्ट में भी परसेंटाइल सिस्टम और नॉर्मलाइजेशन के फॉर्मूले पर छात्रों ने सवाल उठाया था। नीट के अभ्यर्थियों का यह भी कहना है कि 2023 में 715 मार्क्स लाने पर चौथी रैंक आई थी लेकिन इस बार 715 मार्क्स लाने पर रैंक 225 पहुंच गई। एक साल में इतना अंतर कैसे आ गया। नीट के एग्जाम में 600 से 650 के आस पास के मार्क्स अच्छे माने जाते रहे हैं। इस बार 600 मार्क्स लाने वाले की रैंक 80,000 से भी ज्यादा है। स्कोर कार्ड, रैंकिंग पर सवालः नीट 2024 के रिजल्ट में कुल 67 स्टूडेंट्स को पूरे 720 मार्क्स मिले हैं। 718 और 719 मार्क्स पाने वाले स्टूडेंट्स के स्कोर कार्ड पर भी सवाल हैं। तकनीकी रूप से ये आंकड़े आना असंभव है। एनटीए का कहना था कि ऐसा ग्रेस मार्क्स देने के चलते हुआ है। कुल कट-ऑफ भी बीते साल की तुलना में 137 से बढ़कर 164 हो गया है। ये अंतर काफी ज्यादा है।

बिहार में आरोपी ने पेपर लीक की बात मानीः पटना पुलिस की एफआईआर के मुताबिक, एक संगठित गिरोह ने कुछ स्टूडेंट्स और एनटीए के कर्मियों की मिलीभगत से पेपरलीक किया है। गिरफ्तार हुए एक आरोपी आयुष ने कहा कि उसे 4 मई को पूरा पेपर और आंसर की देकर सवालों के जवाब रटने को कहा गया। उसके साथ 20-25 स्टूडेंट और थे, उन्हें भी जवाब रटाए गए। नीट एग्जाम में सभी सवाल वही थे।

सुप्रीम कोर्ट में पेपर लीक को लेकर याचिका डालने वाले हितेश सिंह कश्यप ने कहा, 'गुजरात के गोधरा में जय जलाराम परीक्षा सेंटर को चुनने के लिए कर्नाटक, ओडिशा, झारखंड जैसे राज्यों में 26 छात्रों ने 10-10 लाख रुपए घूस दी थी। इस सेंटर पर ड्यूटी दे रहे गिरफ्तार टीचर के पास से सभी 26 छात्रों की डीटेल मिली है, इसलिए इस मामले की सीबीआई जांच जरूरी है।'

समय से पहले चुनाव के नतीजों के दिन रिजल्ट की घोषणाः एनटीए के परीक्षा कार्यक्रम के मुताबिक नीट 2024 के नतीजे 14 जून को घोषित किए जाने थे। हालांकि एनटीए ने 10 दिन पहले ही 4 जून को नतीजों की घोषणा कर दी। आरोप लगे कि 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजों के दिन जानबूझकर नीट का रिजल्ट घोषित किया गया। इस पर एनटीए का कहना था, 'जल्दी काउंसलिंग करवाने और एडमिशन की प्रक्रिया शुरू करने के लिए रिजल्ट 4 जून को घोषित किए गए। इसका लोकसभा चुनाव के नतीजों से कोई लेना-देना नहीं है।'

सुप्रीम कोर्ट में नीट के नतीजों के खिलाफ याचिका दायर करने वाले फिजिक्सवाला संस्थान के निदेशक अलख पांडेय कहते हैं कि डॉक्यूमेंट में बाद में एक क्लॉज H जोड़ दिया गया जिसके अनुसार पहले फॉर्म भरने वालों को रैंक में वरीयता दी गई है। ये लॉटरी के उस नियम की तरह है, जिसे खेल शुरू होने के बाद अचानक जोड़ दिया गया।

याचिकाकर्ताओं ने एग्जाम के दौरान सॉफ्टवेयर क्रैश, सवाल गायब होने, स्क्रीन फ्रीज होने जैसी टेक्निकल दिक्कतों के चलते समय खराब होने की बात कही थी। इन समस्याओं के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने नॉर्मलाइजेशन के तहत स्टूडेंट्स को मार्क्स देने का आदेश दिया था।

सांस्कृतिक बौद्धिक विरासत की पहचान नालंदा विश्वविद्यालय !

मनोज कुमार अग्रवाल

हमारी संस्कृति पर कितना सुनियोजित तरीके से विदेशी आक्रान्ताओं ने सांप्रदायिक उन्माद के चलते नष्ट भ्रष्ट करने की कोशिश की नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर आज भी इस बर्बादी के गवाह हैं। लेकिन अब समय बदल रहा है 800 साल के लंबे इंतजार के बाद भारत की विरासत और दुनिया के पुराने यूनिवर्सिटी नालंदा विश्वविद्यालय का कायाकल्प हो चुका है। नालंदा विश्वविद्यालय अपने नए स्वरुप में उभरकर सामने आया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1600 साल पुराने नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन 19 जून को किया है। बता दें, नालंदा विश्वविद्यालय का 1600 साल पुराना इतिहास रहा है। नालंदा विश्वविद्यालय तब से है जब ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज जैसे यूनिवर्सिटी अस्तित्व में भी नहीं आए थे। नालंदा यूनिवर्सिटी का निर्माण गुप्त काल में किया 5वीं सदी में किया गया था। 7वीं सदी तक नालंदा यूनिवर्सिटी काफी प्रसिद्धि हासिल कर चुका था। नालंदा यूनिवर्सिटी बौद्ध मठ का हिस्सा था, जिसकी सीमा 57 एकड़ जमीन में फैली हुई थी।नालंदा यूनिवर्सिटी को ज्ञान का भंडार कहा जाता था। यहां इतनी किताबें थी, जिसे गिन पाना भी मुश्किल हो। 12वीं शताब्दी में बख्तियार खिलजी ने इसे जला दिया था। आज कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड जैसी यूनिवर्सिटी का बहुत नाम है, लेकिन इन विश्विद्यालयों के आने से 600 साल पहले नालंदा यूनिवर्सिटी बन चुका था।

यहां धार्मिक ग्रंथों के अलावा लिट्रेचर, थियोलॉजी, लॉजिक, मेडिसिन, फिलोसॉफी, एस्ट्रोनॉमी जैसे विषय का गहन अध्ययन कराया जाता था। कहा जाता है कि नालंदा यूनिवर्सिटी में जिन विषयों को पढ़ाया जाता था, उन विषयों के बारे में दुनिया के अन्य किसी विश्वविद्यालयों में नहीं पढ़ाया जाता था

इस विश्वविद्यालय को लेकर कई कहानिया कही जाती है। इनमें से एक ये है कि जब बख्तियार खिल्जी बीमार पड़ा था तो उसने यहीं पर अपना इलाज कराया था, लेकिन उसे इलाज पसंद नहीं आया और इस वजह से उसने पूरी यूनिवर्सिटी में आग लगा दी। महीनों तक यूनिवर्सिटी जलता रहा।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया है। इस मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद रहे। बता दें, नालंदा यूनिवर्सिटी दुनिया के पुराने विश्वविद्यालयों में से एक है। विश्वविद्यालय का खास इतिहास रहा है।

नालंदा विश्वविद्यालय ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रीज से 600 साल पुराना है। यहां ऐसे विषयों को पढ़ाया जाता है, जो दुनिया में अन्य कहीं नहीं पढ़ाया जाता था। भारत की ये धरोहर बख्तियार खिलजी के भेंट चढ़ गई। इस यूनिवर्सिटी में करीब 300 से ज्यादा कमरें थे। इसके अलावा 7 बड़े-बड़े हॉल भी थे। यहां की लाइब्रेरी सबसे खास थी।

कहा जाता है कि नालंदा विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी नौ मंजिल की थी, जिसका नाम धर्मगूंज था। 5वीं सदी में गुप्त काल के शासक सम्राट गुप्त प्रथम ने 5वीं सदी में इसका निर्माण कराया था। हालांकि, 12वीं सदी में बख्तियार खिलजी ने इसके पूरी तरह से बर्बाद कर दिया था। खिलजी ने इस विश्व विद्यालय में आग लगवा दी। यहां की लाइब्रेरी में इतनी किताबें थी कि तीन महीने तक ये जलता रहा। 7वीं सदी तक नालंदा यूनिवर्सिटी काफी प्रसिद्धि हासिल कर चुका था। नालंदा यूनिवर्सिटी बौद्ध मठ का हिस्सा था, जिसकी सीमा 57 एकड़ जमीन में फैली हुई थी। यहां धार्मिक ग्रंथों के अलावा लिट्रेचर, थियोलॉजी, लॉजिक, मेडिसिन, फिलोसॉफी, एस्ट्रोनॉमी जैसे विषयों का गहन अध्ययन कराया जाता था। इस वजह से करीब 20 देशों के स्टूडेंट्स यहां पढ़ने के लिए आया करते थे। करीब 10 हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स यहां पढ़ने के लिए आया करते थे।

आर्यभट्ट ने नालंदा विश्वविद्यालय का नेतृत्व किया था। यहां के विद्वान और सर्वश्रेष्ठ प्रोफेसर चीन, कोरिया, जापान, इंडोनेशिया और श्रीलंका जैसे देशों में बौद्ध शिक्षाओं और दर्शन के प्रचार के लिए भेजे जाते थे। यहां की लाइब्रेरी में 90 लाख से ज्यादा हस्तलिखित, ताड़-पत्र पांडुलिपियां थी।

नालंदा यूनिवर्सिटी को ज्ञान का भंडार कहा जाता था। यहां इतनी किताबें थी, जिसे गिन पाना भी मुश्किल हो। 12वीं शताब्दी में बख्तियार खिलजी ने इसे जला दिया था। आज कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड जैसी यूनिवर्सिटी का बहुत नाम है, लेकिन इन विश्विद्यालयों के आने से 600 साल पहले नालंदा यूनिवर्सिटी बन चुका था।

विश्वविद्यालय में 6 रिसर्च सेंटर हैं जिनमें बौद्ध अध्ययन, दर्शन और तुलनात्मक धर्म स्कूल; ऐतिहासिक अध्ययन स्कूल; पारिस्थितिकी और पर्यावरण अध्ययन स्कूल; और सतत विकास और प्रबंधन स्कूल शामिल हैं।

कहीं कोचिंग माफिया का जाल तो नहीं?

सरकारी तंत्र और कोचिंग माफिया की मिलीभगत के बिना किसी परीक्षा के पर्चे लीक होना आसान नहीं लगता। शिक्षा क्षेत्र में कई कोचिंग संस्थानों की मौजूदगी और उनमें श्रेष्ठ बनने या बने रहने की आपसी होड़ किस हद तक जा सकती है या जाएगी, इसकी कल्पना करना भी समंदर का थाह लेने की तरह है। ये कोचिंग संस्थान दरअसल, एक तरह की नोट छापने की मशीन बन चुके हैं। मेडिकल और आईआईटी में एडमिशन के नाम पर पेरेंट्स लाखों रुपए खर्च करने को तैयार रहते हैं। कोई अपनी जीवन भर की जमा पूंजी लगाकर, तो कोई अपनी जमीन- जायदाद को कौड़ी के मोल स्वाहा करके। हम हिंदुस्तानी माता-पिताओं की एक अलग तरह की भावुक कहानी होती है। किन्हीं परिस्थितियों की वजह से या हमारे हालात के कारण जो हम खुद अपने जीवन में नहीं कर पाए, वह सब अपने बच्चों से करवाना चाहते हैं या उन्हें वह सब करते हुए देखना चाहते हैं। यही सबसे बड़ी ऐसी भावुकता है जिसके लिए हम सब वह सब कुछ करने को तैयार हो जाते हैं, जिससे हमारे बच्चों की राह किसी न किसी तरह आसान बन सके। इसी का फ़ायदा उठाते हैं बडे- बड़े शिक्षण संस्थान और उनसे किसी न किसी रूप में जुड़े हुए या संबद्ध कोचिंग संस्थान। माता- पिता की भावनात्मक भूख को मिटाने या उनकी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के पीछे जी भरकर पैसे लूटे जाते हैं और हमें लगता है कि हम यह सब बच्चों के लिए कर रहे हैं। फिर शुरू होती है कोचिंग संस्थानों और सरकारी तंत्र की मिलीभगत की कहानी। अगर यह सब नहीं हो तो महत्वपूर्ण और अति महत्वपूर्ण परीक्षाओं में लगातार धाँधलियाँ होने का क्या कारण है? कोई सरकार इसकी तह में जाना नहीं चाहती क्योंकि आख़िरकार इस सब में उसकी अपनी बदनामी छिपी होती है। तमाम सरकारें इस तरह की तमाम धाँधलियों का खंडन करती रहती हैं और बिचौलियों, दलालों को लगातार बचने की गलियाँ मिलती जाती हैं। बच्चों के भविष्य की उनके माता- पिता और परिवारों के सिवाय किसी को चिंता नहीं है। न परीक्षा कराने वाली संस्था या एजेंसी को, न किसी प्रशासन को और न ही किसी सरकार को।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ती हीटवेव : वैश्विक समस्या का स्थानीय समाधान

(अमिताभ पाण्डेय)

दुनिया भर के लिए इन दिनों जलवायु परिवर्तन बड़ी समस्या बन गया है। यह मौसम के चक्र को प्रभावित कर रहा है। अलग अलग क्षेत्रों में तेज गर्मी , सूखा , बेमौसम बारिश और बर्फबारी से लोग परेशान हैं। इसके कारण कारण हीटवेव भी लगातार बढ़ रही है । हीटवेव का असर भारत में भी देखा जा रहा है। पिछले दिनों दिल्ली , जयपुर, जोधपुर, रायपुर , हैदराबाद, कोलकाता , अहमदाबाद, सूरत, कानपुर, लखनऊ , इलाहाबाद, मेरठ , झांसी, मुम्बई , नागपुर , ग्वालियर, भोपाल , इन्दौर , उज्जैन, छतरपुर , टीकमगढ़, जबलपुर, रतलाम, नीमच , मन्दसौर, सहित अनेक शहरों का तापमान बढ़कर लगभग 45 से 50 डिग्री सेल्सियस के बीच हो गया।

दिल्ली स्थित मौसम विभाग के मुख्यालय ने 19 जून 2024 को भारत के 11 राज्यों के लिए हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इन राज्यों में हरियाणा, पंजाब, ओड़िशा, झारखंड, बिहार , उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली , चंडीगढ़, जम्मू और मध्य प्रदेश के कुछ क्षेत्र भी शामिल हैं। बढ़ते तापमान के कारण लोगों का स्वास्थ बिगड़ रहा है।

दिल्ली में हीट स्ट्रोक से एक ही दिन में 7 लोगों की उपचार के दौरान मौत हो गई। हीटवेव से हार्ट अटैक के मामले भी बढ़े हैं। तेज गर्मी, तीखी धूप और उमस के कारण भारत के विभिन्न गांव- शहरों में अप्रैल 2024 से 10 जून 2024 तक 200से अधिक लोगों की मौत हो गई। इनमें लोकसभा चुनाव की ड्यूटी करने वाले कुछ कर्मचारी, अधिकारी भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि इन दिनों तीखी गर्मी, हीटवेव से दिल्ली ही नहीं उत्तर भारत के अनेक राज्यों में जनजीवन प्रभावित हो रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों की है जो निर्धन, कमजोर वर्ग के लोग हैं। अपने कामकाज के सिलसिले में इनको कहीं पैदल , कहीं साईकिल रिक्शा या दुपहिया वाहन से हर रोज निकलना जरूरी होता है। इन लोगों के लिए तेज धूप से बचने के लिए सड़कों अथवा चौराहों के आसपास छाया के इंतजाम किए गए हैं । इससे छाया में कुछ देर आने जाने वाले लोगों को आराम मिल रहा है। यह तरीका जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ रही हीटवेव से लोगों को बचा रहा है। इसे जलवायु परिवर्तन के कारण चलने वाली हीटवेव से लोगों को बचाने की प्रशंसनीय पहल के रूप में देखा जा रहा है। हीटवेव से लोगों को बचाने के लिए विभिन्न शहरों में स्थानीय प्रशासन और समाजसेवी संस्थाओं ने सड़कों, चौराहों पर ग्रीन नेट लगाकर छाया के इंतजाम किए

हैं। इसके साथ ही रास्तों पर पानी का छिड़काव, राहगीरों के लिए पेयजल की व्यवस्था भी की गई है। प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा समाजसेवी भी लोगों को गर्मी से बचाने आगे आए हैं। उन्होंने कई चौराहों पर टेंट लगाए हैं ताकि, लोग सड़क से तेज गर्मी में बिना परेशान हुए आसानी से गुजर सकें। इस तरह के प्रयास लोगों को हीटवेव से बचाव के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

यह जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती हीटवेव की वैश्विक समस्या से निपटने का स्थानीय स्तर पर किया गया समाधान है। इससे लोगों को तेज गर्मी में सड़क पर आते जाते कुछ देर के लिए राहत मिल रही है। राहगीरों की इस सुविधा के लिए दिल्ली , नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, जयपुर, भोपाल , इन्दौर , सागर सहित देश के अनेक शहरों में सड़क किनारे और चौराहों पर ग्रीन नेट लगाने की व्यवस्था समाजसेवी संस्थाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने की है। हाल ही में ऐसा ही प्रयास गौतमबुद्धनगर में में किया गया है।

गौतमबुद्धनगर की पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के प्रयास से नोएडा ट्रैफिक पुलिस गौतमबुद्धनगर द्वारा 93.5 रेड एफएम के साथ मिलकर सुविधा के लिए शेड है के नाम से एक पहल की गई । इसके अंतर्गत यात्री स्टैण्ड व सड़क किनारे बने अन्य यात्री ठहराव वाले स्थलों के आस-पास नोएडा ट्रैफिक पुलिस गौतमबुद्धनगर व रेड एफएम द्वारा आमजन को भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए ग्रीन नेट लगाया । इससे यात्री व आमजन सीधी धूप , तेज गर्मी से बच रहे हैं । गौतमबुद्धनगर यातायात पुलिस तथा रेड एफ एम द्वारा सेक्टर 37 शशि चौक, सेक्टर 08 टोयोटा शोरूम के पास, अट्टा पीर चौक सेक्टर 18, सेक्टर 11 चौक के पास इस प्रकार का नेट लगाया गया है। राजस्थान में भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। इससे बचने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं। इस बीच जयपुर में लोगों को लगभग 45 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा वाली गर्मी से राहत दिलाने के लिए प्रमुख चौराहों की रेड लाइट पर ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया है। इससे सूर्य प्रकाश पोरवाल, अंकित शर्मा, राघव मीणा जैसे दोपहिया वाहन चालकों को सड़क पर चलते समय लाल बत्ती पर रुकने पर चिलचिलाती धूप से कुछ राहत मिल रही है। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बताया कि प्रमुख ट्रैफिक प्वाइंट्स पर ग्रीन नेट लगाया गया है। मध्य प्रदेश में भी इन दिनों गर्मी से लोग बेहाल हैं. ऐसे में भोपाल जिला प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है. राहगीरों को गर्मी से राहत देने के लिए प्रशासन ने भोपाल के ट्रैफिक सिग्नल की टाइमिंग आधी कर दी है. यानी, लोगों को अब ज्यादा देर तक धूप की तपिश में सड़क पर सिग्नल ग्रीन होने का इंतजार नहीं करना होगा. यातायात पुलिस के डी सी पी संजय सिंह ने बताया कि भोपाल के 14 प्रमुख चौराहों-तिराहों पर लगे ट्रैफिक सिग्नल का समय आधा कर दिया है। ये टाइमिंग सुबह 11 बजे से शाम को 4 बजे तक आधी रहेगी. दोपहर के वक्त प्रमुख चौराहों पर लालघाटी चौराहा पर 45 सेकंड, रोशनपुरा चौराहा पर 45 सेकंड, कोर्ट चौराहा पर 30 सेकंड, रेतघाट चौराहे पर 30 सेकंड, ज्योति टॉकीज चौराहे पर 45 संकंड की टाइमिंग निर्धारित की गई है।

मिथुन राशि में बनने वाला है शुक्रादित्य योग

3 राशियों के जीवन में आ सकती है खुशहाली

ग्रहों की बदलती चाल हमारी राशि पर बहुत प्रभाव डालती है। इसी तरह से ग्रहों के राजा सूर्य हर महीने अपनी राशि परिवर्तन करते हैं। ऐसे में दोबारा एक राशि में आने पर उन्हें पूरा साल लग जाता है। सूर्य ग्रह का यह राशि परिवर्तन जातकों के जीवन पर कई तरह के प्रभाव डालता है। ऐसे में 15 जून से सूर्य ग्रह बुध की राशि मिथुन में प्रवेश करने वाले हैं, यहां पर पहले से ही शुक्र ग्रह विराजमान है। बुध और सूर्य की युक्ति से बुधादित्य और शुक्र और सूर्य की युक्ति से शुक्रादित्य योग बनने जा रहा है। एक साल के बाद सूर्य ग्रह मिथुन राशि में आने वाले हैं, ऐसे में 3 राशि के जातकों को इसका विशेष फल मिलने वाला है। सूर्य ग्रह इस राशि में 16 जुलाई 2024 तक रहेंगे।

3 राशि के जातकों को मिलेगा शुक्रादित्य योग का लाभ

कन्या राशि

कन्या राशि के जातकों के लिए सूर्य का मिथुन राशि में प्रवेश काफी शुभ फल देने वाला होगा। उन्हें अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है। जो काम लंबे समय से रुका हुआ है उसके पूरे होने की संभावना है। आपका प्रमोशन हो सकता है, सैलरी में इंक्रीमेंट मिल सकता है, कोर्ट कचहरी के जो पेंडिंग मामले हैं वो सुलझ सकते हैं। व्यापार में लाभ मिलेगा और नए प्रोजेक्ट मिलने के भी अच्छे योग बन रहे हैं जिससे समाज में भी आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

कुंभ राशि

कुंभ राशि के जातकों के लिए भी शुक्रादित्य योग लाभदायक साबित होने वाला है। नौकरीपेशा लोगों को काम के सिलसिले में कहीं बाहर जाने का अवसर मिल सकता है जिससे आपके वर्कप्लेस में आपको मान-सम्मान के साथ बढ़ोतरी मिलेगी। व्यापार के क्षेत्र में अधिक मुनाफा मिलने की संभावना है, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और भविष्य के लिए आप कुछ अच्छा इन्वेस्टमेंट इस दौरान कर सकते हैं।

सिंह राशि के जातकों के 12वें भाव में शुक्रादित्य योग का निर्माण होने जा रहा है जो इस राशि के जातकों को सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण कर देगा। सिंह राशि के जातकों के मान-सम्मान में वृद्धि होगी, परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताने का मौका मिलेगा। कोर्ट कचहरी के मामलों से छुटकारा मिल सकता है।

इतना ही नहीं जो लोग जॉब करते हैं, उन्हें अच्छा प्रमोशन या इंक्रीमेंट मिल सकता है। आपके काम की सराहना होगी जिसके चलते प्रमोशन के चांसेस हैं। आपको बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है और बिजनेस में आपको बड़ी डील मिलने के योग भी हैं जिससे आय के नए-नए स्रोत खुलेंगे।

क्या है ब्रह्म मुहूर्त में तुलसी के पत्ते तोड़ने का नियम

हिंदू धर्म में तुलसी का विशेष महत्व है। तुलसी के पौधे को देवी का स्वरूप माना जाता है और घर-घर में इसकी पूजा की जाती है। हर शुभ कार्य और पूजा-पाठ मे तुलसी के पौधे की पत्तियों का उपयोग होता है। तुलसी के पत्तों का धार्मिक के साथ-साथ आयुर्वेदिक महत्व भी है। कई औषधियों में तुलसी के पत्तो को उपयोग किया जाता है। तुलसी को लेकर कई नियम बताए गए हैं। इसकी पत्तियों को कब तोड़ना चाहिए इसके भी नियम हैं। माना जाता है कि तुलसी के नियमों का पालन करने से मनचाहे फलों की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं कब तोड़ने चाहिए तुलसी के पत्ते और किन जरूरी बातों का रखना चाहिए ध्यान।

तुलसी के पत्ते तोड़ने के नियम

शास्त्रों के अनुसार तुलसी के पत्ते ब्रह्म मुहूर्त में तोड़ना शुभ होता है। लेकिन, पत्तों को तोड़ते समय कुछ नियमों का पालन जरूरी है। इस समय देवी-देवताओं को स्मरण करने से अक्षय पूण्य की प्राप्ति होती है।

ब्रह्म मुहूर्त में तुलसी के पत्ते तोड़ने से पहले स्नान करना जरूरी है। स्नान के बाद अपने इष्टदेव और तुलसी के पौधे की पूजा करें । पहली बार में केवल 21 पत्तों को ही तोड़ें। ऐसा करने से आपको जीवन में खुशियों की सौगात मिल सकती है।

मंत्रों का जाप

तुलसी के पत्ते तोड़ने से पूर्व मंत्रों का जाप जरूर करना चाहिए। तुलसी के पौधे को जल चढ़ाते समय 'ॐ-ॐ' मंत्र का जाप करें। इस मंत्र का 21 बार जाप करना चाहिए। इस मंत्र को बहुत लाभकारी माना जाता है। निम्न मंत्र का जाप भी किया जा सकता है।

ॐ सुभद्राय नमः

मातस्तुलसि गोविन्द हृदयानन्द कारिणी,

नारायणस्य पूजार्थं चिनोमि त्वां नमोस्तुते।।

प्रतिदिन चढ़ाएं जल

घर मे लगे तुलसी के पौधे को प्रतिदिन नियम से जल चढ़ाएं। तुलसी में जल चढ़ाने से घर से नकारत्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कहते हैं तुलसी के पत्तो में सिंदूर लगाना चाहिए, इससे आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं और धन की समस्या नहीं रहती है। भगवान विष्णु को तुलसी विशेष प्रिय हैं। इसलिए तुलसी की सेवा से भगवान विष्णु की भी कृपा प्राप्त होती है।

बारिश के मौसम में राशि अनुसार लगाएं ये पौधे

पौधों का हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व है। पौधे हमें प्राणवायु ऑक्सीजन देते हैं और पर्यावरण को शुद्ध करते हैं। वहीं सनातन धर्म में वृक्षों को देवता मानकर उनकी पूजा की जाती है। शास्त्रों में कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति अपने जीवन में एक बार भी पीपल या बरगद का पौधा लगाता है तो उसे नर्क नहीं भोगना पड़ता। किस राशि के जातक को कौनसा पौधा लगाना चाहिए?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कई प्रकार के पौधे रोपकर भी आप जीवन में खुशहाली पा सकते हैं और इससे पर्यावरण भी शुद्ध होगा। वहीं सनातन धर्म में वृक्षों को देवता मानकर उनकी पूजा की जाती है। आइए जानते हैं शुरू की 6 राशि के लोगों को कौन-से पौधे लगाने से पुण्य लाभ के साथ समस्याओं से मुक्ति मिलेगी।

मेष राशि - इस राशि के स्वामी मंगल हैं और आपको अनार, नींबू, तुलसी, आंवला, आम के अलावा लाल चंदन और खैर के पौधे मंगलवार के दिन लगाना चाहिए। इससे आपको नया आत्मविश्वास मिलेगा और जीवन में शुभ प्रभाव पड़ेगा।

वृष राशि - इस राशि के स्वामी शुक्र हैं और इन्हें सफेद फूल वाले पौधे लगाकर उन्हें बड़ा होने तक रखवाली करनी चाहिए। इस राशि के लोगों को चमेली, अशोक, जामुन और पलाश आदि के पौधे लगाना चाहिए। इससे आपके जीवन में समृद्धि आएगी।

मिथुन राशि - इस राशि के स्वामी बुध हैं और इन्हें आम, अशोक, मनी प्लांट, अमरूद, तुलसी जैसे हरी पत्तियों वाले पेड़-पौधो का रोपण बुधवार को करना चाहिए। रोपने के बाद आपको इन्हें जल और खाद देकर बड़ा करना होगा।

कर्क राशि - इस राशि का स्वामी चंद्रमा है और इन्हें चांदनी, रात की रानी, चमेली, मोगरा, आंवला, पीपल के पौधे सोमवार को रोपना चाहिए। इसके अलावा आप औषधीय गुणों वाले पौधे भी लगा सकते हैं। इससे आपके जीवन में उन्नति का मार्ग खुलेगा।

सिंह राशि - इस राशि के स्वामी सूर्य हैं, ऐसे में आप को सूरजमुखी, लाल गुलाब, लाल गेंदा के फूल वाले पौधे लगाने चाहिए। इसके अलावा इस राशि के जातक जामुन, बरगद या लाल चन्दन के पौधे भी लगा सकते हैं।

कन्या राशि - इस राशि का स्वामी बुध होता है और इस राशि के जातकों को अशोक, मनी प्लांट, अमरूद के अलावा पान की बेल, अंगूर और अमरूद के पौधे लगाने चाहिए। इससे आपका जीवन सुखमय होगा।

मकान बनाने के लिए परफेक्ट होता है ऐसा स्थान रहने वालों की खुल जाती किस्मत

जब बात आती है घर बनाने की या उसमें रहने की, तब वास्तु शास्त्र आपके लिए सहायक सिद्ध होता है। आप वास्तु शास्त्र से जान सकते हैं कि कौन सी जगह आपके घर के लिए ठीक होगी और कहां आपको अपना घर बनाना चाहिए, जिससे घर के लोगों में आपसी प्रेम बना रहे। वास्तु शास्त्र में निवास के लिए गोमुखी स्थान को महत्व दिया गया है। क्यों है ये विशेष? एक्सपर्ट ने इन बातों को प्रमुखता से बताया है। रहने के लिए गोमुखी स्थान क्यों अच्छा है और इससे क्या फायदे हैं?

गौमुखी स्थान

गाय को हिन्दू धर्म में माता कहा गया है। माता अपने बच्चों का पालन-पोषण किस तरह करती है, यह सभी जानते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, जिस जमीन का अग्र भाग संकीर्ण होता है और पीछे का हिस्सा चौड़ा होता है, उसे गौमुखी स्थान कहा गया है।

गौमुखी स्थान के फायदे

आपके सपनों के घर के लिए यह स्थान सबसे अधिक शुभ माना गया है। यह जमीन आपके निवास के लिए सर्वोत्तम मानी गई है। ऐसी जमीन पर बने हुए घर में आपको सुख और शांति की प्राप्ति होती है।

कलह या संघर्ष की आशंका नहीं

एक मां अपने बच्चों का हमेशा भला सोचती है और गौमुखी स्थान का लाभ भी कुछ इसी प्रकार मिलता है। इस जमीन पर बने हुए घर दीर्घकालिक निवास के लिए अनुकूल माने जाते हैं, जिससे आपके परिवार में कलह या संघर्ष की आशंका नहीं होती।

सदस्यों के बीच आपसी प्यार और समझ बनी रहती है

गाय को पालन-पोषण का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में गौमुखी भूमि पर रहने से आपका स्वास्थ्य हमेशा अच्छा रहता है। यहां सामंजस्यपूर्ण ऊर्जा का प्रवाह होता है, जिससे परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्यार और समझ बनी रहती है।

देवी-देवताओं के साथ ही गुरु पूजा करने का है ये महीना, आषाढ़ मास की खास बातें

(22 जून) की सुबह 6.20 बजे से हिन्दी पंचांग का चौथा महीना आषाढ़ शुरू हो गया है। ये महीना 21 जुलाई तक रहेगा। आषाढ़ में गुप्त नवरात्रि 6 जुलाई से 15 जुलाई तक, देवशयनी एकादशी 17 जुलाई को, गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई को रहेगी। इस महीने में पूजा-पाठ के साथ ही खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

आषाढ़ मास की अंतिम तिथि पर गुरु पूर्णिमा मनाई जाती है। इस वजह से ये पूरा महीना गुरु पूजा के लिए बहुत खास है। आषाढ़ में देवी-देवताओं की पूजा के साथ ही अपने गुरु की भी पूजा जरूर करें।

गुरु का आशीर्वाद लेकर दिन की शुरुआत करें, गुरु को अपने सामर्थ्य के अनुसार दक्षिणा या कोई अन्य भेंट दें।

आषाढ़ मास से वर्षा ऋतु शुरू हो जाती है। बादलों की वजह से अधिकतर जगहों पर सुबह-सुबह सूर्य देव के दर्शन नहीं हो पाते हैं, ऐसे में पूर्व दिशा की ओर मुंह करके सूर्य को जल चढ़ाना चाहिए। इसके लिए तांबे के लोटे का उपयोग करें। सूर्य मंत्र ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करें।

ये महीना किसानों के लिए भी बहुत खास है, क्योंकि इस महीने से बारिश शुरू हो जाती है और किसान नई फसल के बीज बोना शुरू कर देते हैं।

आषाढ़ मास धर्म-कर्म के नजरिए से काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस महीने से चातुर्मास शुरू होते हैं। देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु का विश्राम शुरू हो जाता है। इसके बाद विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, जनेऊ जैसे शुभ कामों के लिए शुभ मुहूर्त नहीं रहेंगे। देवशयनी एकादशी से 2 दिन पहले भड़ली नवमी (15 जुलाई) सीजन का आखिरी मुहूर्त रहता है।

इस महीने में पूजा-पाठ के साथ ही दान-पुण्य जरूर करें। बारिश की वजह से कई लोगों का काम प्रभावित होता है, कई लोगों की कमाई ठीक से नहीं हो पाती है, ऐसी स्थिति में जरूरतमंद लोगों को धन और अनाज का दान जरूर करना चाहिए।

आषाढ़ मास में देवी मां दस महाविद्याओं की साधना के लिए खास गुप्त नवरात्रि आती है। इन दिनों में देवी मां के लिए भक्त कठिन साधनाएं करते हैं। आषाढ़ मास की अंतिम तिथि गुरु पूर्णिमा होती है। इस तिथि पर अपने गुरु के दर्शन करना चाहिए और उनसे आशीर्वाद लेना चाहिए।

आषाढ़ मास में अपने इष्टदेव की पूजा नियमित रूप से करें। दीपक जलाकर मंत्र जप करें। शिवलिंग पर जल और दूध चढ़ाएं। बिल्व पत्र, धतूरा, हार-फूल चढ़ाएं। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें।

बोकारो के जगन्नाथ मंदिर में महास्नान का होगा भव्य आयोजन

जगन्नाथ यात्रा महत्वपूर्ण त्यौहार है। जो सदियों से पारंपरिक और धार्मिक विधि से मनाया जा रहा है। ऐसे में बोकारो के सेक्टर 4 स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर है, जहां वर्षों से जगन्नाथ यात्रा धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है। भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को 108 बर्तन में रखे सुगंधित जल और पंचामृत से महास्नान कराया जाएगा। यह पूजा 10:00 सुबह से लेकर रात 10:00 बजे तक विशेष रूप से होगी।

स्नान के बाद होगा विशेष श्रृंगार

जिसमें स्नान के बाद भगवान जगन्नाथ का श्रृंगार किया जाएगा। मान्यता अनुसार स्नान के बाद भगवान जगन्नाथ

बीमार पड़ जाते हैं। जिसके बाद उन्हें इस साल 13 दिनों के लिए शयनकक्ष में रखा जाएगा। 23 जून से 6 जुलाई तक भगवान जगन्नाथ एकांतवंश में चले जाएंगे। जिस कारण परंपरा अनुसार मंदिर का पट बंद रहेगा। भक्त दर्शन और पूजन पाठ नहीं कर सकेंगे। क्योंकि इस दौरान भगवान जगन्नाथ को स्वस्थ होने के लिए विशेष जड़ी-बूटियां चढ़ाई जाती हैं। साथ ही उन्हें वस्त्र गर्म पहनाए जाते हैं।

कोनेत्रोत्सव के अवसर पर होगा पूजा पाठ

वहीं 13 दिनों के बाद 07 जुलाई रविवार कोनेत्रोत्सव के अवसर पर पूजा पाठ के बाद श्रद्धालु पुनः भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर पाएंगे। इसके बाद भगवान जगन्नाथ रथ पर सवार होकर बोकारो के सेक्टर-1 स्थित राम मंदिर मौसी बाड़ी जाएंगे।

7 जुलाई से लेकर 14 जुलाई तक वहीं रहेंगे। 15 जुलाई को बहुरा यात्रा के दिन वापस जगन्नाथ मंदिर सेक्टर 4 आएंगे। रथयात्रा की तैयारी को लेकर जगन्नाथ मंदिर के पंडित हिमांशु दास ने लोकल 18 को बताया कि वर्ष 2004 से बोकारो में भव्य रथयात्रा निकाली जा रही है। इस वर्ष भी प्रभु जगन्नाथ जी की रथयात्रा धूमधाम और भव्य तरीके से निकाली जाएगी।

दिल्ली- एनसीआर में मौसम बार-बार ले रहा करवट

आईएमडी ने अब अगले 6 दिन के लिए दिया नया अलर्ट

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। दिल्ली एनसीआर में पिछले दो दिन हुई बारिश ने लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत दी है। लेकिन अगले दिन फिर से चिलचिलाती धूप आसमान पर दिखाई दी। लोगों को लगा कि गर्मी दोबारा से वापस लौट आई है। दोपहर होते-होते फिर से मौसन सुहाना होता दिख रहा है। जहां सुबह के समय आसमान बिल्कुल साफ था। वहीं, अब आसमान में बादल दिखाई देने लगे हैं। दिल्ली में आज न्यूनतम तापमान 30.05 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम के बदलते रुख के बीच आईएमडी ने एक राहत भरा अपडेट दिया है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक इस बार जितनी ज्यादा गर्मी हुई है, उतनी ही अच्छी बरसात भी होगी। लोगों को अब इंतजार है तो बस

बरसात का। मौसम विभाग के मुताबिक, जुलाई की शुरुआत में मानसून पूरी तरह दस्तक दे देगा। इस बीच जो दिन रहेंगे उनमें बदलाव देखने को मिलता रहेगा। कभी धूप निकलेगी तो कभी बारिश होगी। दिल्ली-एनसीआर में 23 जून को अधिकतम तापमान 45.94 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 37.17 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। बादल छाए रहने की संभावना है। 24 जून को अधिकतम तापमान 47.55 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 38.07 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। आसमान साफ रहने की संभावना है। दिल्ली- एनसीआर में 25 जून को अधिकतम तापमान 47.99 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 37.45 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। आसमान साफ रहने की संभावना है। 26 जून को अधिकतम तापमान 48.11 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 36.45 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। बादल छाए रहने की संभावना है। 27 जून को अधिकतम तापमान 43.63 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 33.39 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। आसमान साफ रहने की संभावना है। राजधानी दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में 28 जून को अधिकतम तापमान 40.57 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 31.03 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दिनभर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

पिछली बार से ज्यादा होगी बारिश

इंडियन ओशन डाइपोल (आईओडी) मानसून को काफी हद तक प्रभावित करता है। आईओडी का मतलब होता है कि वायुमंडल से समुद्र और सतह के तापमान में अंतर होने से होने वाला इफेक्ट। हिंद महासागर में होने वाली गतिविधियों से तय होता है कि मानसून कैसा रहेगा। अभी यहां आईओडी न्यूट्रल है। आईओडी के जल्द ही पॉजिटिव होने की संभावना है। जो कि ज्यादा बारिश का संकेत है। इससे पहले आईओडी के पॉजिटिव होने पर वर्ष 1983, 1994 और 1997 में भारत में सामान्य से अधिक बारिश हुई थी। वहीं निगेटिव होने पर वर्ष 1992 में बहुत कम बारिश हुई थी। मानसून के लिए अल नीनो और ला नीना दो सबसे अहम फैक्टर हैं। अल नीनो में समंदर का तापमान 3 से 4 डिग्री बढ़ जाता है। भारत में अल नीनो के कारण मानसून अक्सर कमजोर होता है। अभी की बात करें तो अल नीनो प्रशांत महासागर में कमजोर है। अल नीनो इफेक्ट की न्यूट्रल कंडीशन चल रही है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों की मानें तो अल नीनो जुलाई में ला नीना में परिवर्तित हो जाएगा। इससे मानसून में अच्छी बारिश होने की संभावना है। पिछले मानसून से इस बार ज्यादा बारिश होगी।

दिल्ली भी मेरे पिता के आगे नतमस्तक है

बोले शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह, जीतू पटवारी ने किया तंज

भोपाल, 22 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और नवनिर्वाचित केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बुधनी विधानसभा की विधायकी से इस्तीफा देने के बाद पहली बार उनकी धर्मपत्नी साधना सिंह चौहान व बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान बुधनी विधानसभा क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान अनेकों स्थानों पर अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया। बुधनी विधानसभा में अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्तिकेय सिंह चौहान ने अपने पिता शिवराज सिंह चौहान की तारीफों में कसीदे गढ़े। कार्तिकेय सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में भी हमारे नेता (शिवराज सिंह चौहान) लोकप्रिय थे, अब मुख्यमंत्री नहीं है तो और लोकप्रिय हो गए हैं। इतनी प्रचंड जीत के बाद गए हैं तो आज पूरी दिल्ली भी नतमस्तक है। दिल्ली क्या कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक देश में सबसे बड़े नेताओं में गिनती की जाती है तो हमारे नेता शिवराज सिंह चौहान की। कार्तिकेय सिंह ने अपनी मम्मी साधना सिंह चौहान के सामने संबोधित करते हुए कहा कि हम सब अनेकों जिस्म और एक जान है। कार्तिकेय ने कहा कि हर सफल व्यक्ति के पीछे एक औरत का हाथ होता है, लेकिन मैं कहता हूं कि हर सफल व्यक्ति के पीछे औरत के साथ उसकी क्षेत्र की जनता का भी हाथ होता है। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी मोबाइल के माध्यम से संबोधित किया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान कार्तिकेय सिंह चौहान का दर्द भी फूटा। कार्तिकेय सिंह चौहान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस दुनिया ने हमारी बहुत परीक्षा ली है। कार्तिकेय ने कहा कि मैं आपमें, मुझमें, शिवराज जी में कोई फर्क नहीं देखता हूं। मालूम हो कि हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में ही बीजेपी ने प्रचंड जीत दर्ज की और 163 बीजेपी के विधायक बावजूद, बावजूद शिवराज सिंह चौहान सीएम नहीं बन सके।

भारत के साथ व्यापार और रेल बंद, लेकिन समझौता एक्सप्रेस के 21 कोच वापस नहीं कर रहा पाकिस्तान

अमृतसर, 22 जून (एजेंसियां)। आर्थिक कंगाली के लिए दुनिया भर में बदनाम पड़ोसी पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान भारतीय रेलवे के 21 कोच दबाए बैठा है। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच चलने वाली समझौता एक्सप्रेस बंद कर दी थी, लेकिन समझौता एक्सप्रेस व एक मालगाड़ी के समेत कुल 21 कोच अब भी पाकिस्तान में ही हैं। इनमें कुछ कोच की हालत तो काफी खराब हो चुकी है और कुछ का इस्तेमाल पाकिस्तान अपनी रेलों में कर रहा है। अटारी रेलवे के स्टेशन मास्टर और चीफ एरिया मैनेजर त्रिलोक सिंह का कहना है कि छह साल में कई बार रिमाइंडर दिए जाने के बाद भी पाकिस्तान भारतीय रेल के कोच वापस नहीं कर रहा है। भारत की ओर से इन्हें कई बार लौटाने के बारे में लिखा जा चुका है। मगर अपनी बदहाली की वजह से पाकिस्तान इन कोच को वापस करने को तैयार ही नहीं है। पाकिस्तान को भी मालूम है कि अगर उसे अपने देश में 21 रेल के डिब्बे तैयार करने हों तो इस पर करोड़ों रुपये खर्च होंगे। ऐसे में वह भारतीय डिब्बों को अपनी जागीर बनाए बैठा है।

7 अगस्त, 2019 में आखिरी बार पाकिस्तान गई थी समझौता एक्सप्रेस

समझौता एक्सप्रेस भारत और पाकिस्तान के बीच सप्ताह में दो दिन दौड़ती थी। विभाजन से पहले से अटारी से लाहौर तक बिछी पटरी पर इसका आवागमन होता था। शिमला समझौते के बाद 22 जुलाई, 1976 को लाहौर से अमृतसर के बीच इसे शुरू किया गया था। 1994 से इसे अटारी और लाहौर के बीच चलाया जाने लगा। भारत और पाक के बीच चलने वाली समझौता एक्सप्रेस 7 अगस्त, 2019 को आखिरी बार पाकिस्तान गई थी। 8 अगस्त, 2019 को समझौता एक्सप्रेस को पाकिस्तान ने बंद कर दिया था। इस कारण इस ट्रेन के 11 कोच पाकिस्तान में फंस गए। इसके साथ ही उसी समय दौरान मालगाड़ी के 10 डिब्बे भी माल लेकर पाकिस्तान गए थे। इस तरह कुल 21 कोच वहां फंसे हैं।

अनुच्छेद 370 हटाए जाने पर बौखला गया था पाकिस्तान

भारत सरकार की ओर से साल 2019 में जम्मू-कश्मीर में लागू अनुच्छेद 370 को खत्म कर दिया था। इससे पाकिस्तान पूरी तरह से बौखला गया था। भारत के साथ रिश्ते तोड़ने के तहत समझौता एक्सप्रेस को रद्द कर दिया। ऐसे में उस समय गाड़ी भारत की तरफ से पाकिस्तान जा चुकी थी, जिसे वापिस नहीं भेजा गया। इसके अलावा उस समय व्यापार भी जारी था और मालगाड़ी भी जा चुकी थी। इसलिए उसके डिब्बे वहीं पर रह गए थे।

नर्सिंग घोटाले में मंत्री सारंग की भूमिका पर क्यों उठ रहे सवाल, नेता प्रतिपक्ष ने लगाया बड़ा आरोप

भोपाल, 22 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता देने में गड़बड़ी और अनियमितता का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। मामले में सरकार ने तत्कालीन नर्सिंग रजिस्ट्रार सुनीता शिजू को बर्खास्त कर दिया है। लेकिन, अब तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री, विभाग के प्रमुख सचिव और आयुक्त की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसे लेकर बड़ा आरोप लगाया है। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने लिखा- मोहन सरकार ने तत्कालीन नर्सिंग काउंसिल की रजिस्ट्रार सुनीता शिजू को बर्खास्त कर दिया,

यह एक अच्छा कदम है। लेकिन, मैं मुख्यमंत्री मोहन यादव से पूछना चाहता हूं कि वह बड़े मगरमच्छ को क्यों छोड़ना चाहते हैं। उन्होंने तत्कालीन विभाग के प्रमुख रहे एसीएस मोहम्मद सुलेमान का नाम लेकर कहा कि वह कोरोना काल से घोटाले करते आ रहे हैं। क्या वह इसके भागीदार नहीं हैं। सिंघार ने तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा विभाग के मंत्री विश्वास सारंग का नाम लेकर पूछा कि क्या वह इसके भागीदार नहीं हैं। तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त निशांत वरबड़े क्या इस मामले के भागीदार नहीं हैं? उमंग सिंघार ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह लोग नर्सिंग काउंसलिंग चला रहे थे। काउंसलिंग इलेक्टेट रहती है, जिसे चुना नहीं गया। शासन में बैठे यह लोग नर्सिंग काउंसलिंग को अपने हिसाब से टेकओवर करके चलाते रहे। इसमें सीधा-सीधा घोटाले करने वाले यह लोग हैं, यह बड़े मगरमच्छ हैं। सिंघार ने मुख्यमंत्री से कहा कि मोहन यादवजी इन लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए, ना की छोटी मच्छलियों पर। मध्य प्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता देने में बड़ी अनियमितता सामने आई। यह अनियमितता पिछली सरकार के कार्यकाल में हुई है। इस दौरान चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग थे। वहीं, विभाग के प्रमुख मोहम्मद सुलेमान और चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त निशांत वरबड़े थे। इसलिए इनकी भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं।

कट्टे के दम पर लूटे थे 10 लाख के जेवरात और नगदी पुलिस ने सात आरोपियों को किया गिरफ्तार

कटनी, 22 जून (एजेंसियां)। कटनी पुलिस ने डकैती की घटना को अंजाम देने वाले 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों से नगदी जेवरात समेत डकैती में उपयाग की गई बाइक, मोबाइल, अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने बताया कि 18 जून की शाम 7 बजे 2 बाइक पर सवार 6 अज्ञात बदमाशों ने सोने-चांदी का कारोबार करने वाले कृष्ण कुमार सोनी के साथ लूट की थी। बदमाशों ने सोनी को माधवनगर के बडखेड़ा ग्राम के पास कट्टे की नोक पर रोक लिया और उनसे सोने चांदी के जेवरात और नगदी समेत करीब 10 लाख रुपये की

लूट कर फरार हो गए थे। मामले की छानबीन दौरान पुलिस ने क्षेत्र के कई सीसीटीवी फुटेज देखे जिसमे 3 बाइक और 7 आरोपी दिखाई दिए। जिनकी शिनाख्त कर उन्हें अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार करते हुए लूट में उपयुक्त कट्टा-कारतूस, बाइक और आरोपियों के मोबाइल भी जब्त किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों में मदन चोबी, चिंटू उर्फ शैलेंद्र परिहार, लक्ष्मी प्रसाद उर्फ छोटू साहू तीनों विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र, इसके साथ संजय कुशवाहा, मनु तिवारी, शिवम मिश्रा कुठला थाना क्षेत्र के निवासी है। वहीं, नितिन गर्ग आवेदक के गृह ग्राम हीरापुर-कौड़िया निवासी है जो रैकी करते हुए अपने सभी साथियों को जानकारी दी थी। माधवनगर टीआई अनूप सिंह ने बताया कि डकैती की घटना में 7 आरोपियों को पकड़ा गया है। उनके पास से 1 कट्टा 2 कारतूस, 2 किलो चांदी की पायल, 35 ग्राम सोने के जेवरात, नगदी 1लाख 78हजार नगद, 3 बाइक सहित 8 मोबाइल फोन जब्त किया है। कार्यवाही में शामिल टीआई अनूप दुबे, चौकी प्रभारी महेंद्र जायसवाल, दुर्गेश तिवारी, प्रधान आरक्षक भुवनेश्वर बागरी, लालजी यादव, आशीष श्रीवास, रविंद्र दुबे सहित अन्य स्टाफ को नगद इनाम से पुरुस्कृत किया गया है।

मुकेश अंबानी के डीप फेक वीडियो के झांसे में आई डॉक्टर,गंवाए 7 लाख रुपये, पुलिस ने किया मामला दर्ज

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। मुंबई में एक महिला डॉक्टर जाने-माने बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के डीप फेक वीडियो के झांसे में आकर करीब 7 लाख रुपये गंवा बैठी। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात शख्स के खिलाफ आईपीसी की धारा 419,420 और 66(डी)आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिस महिला के साथ ठगी का यह मामला सामने आया है वह मुंबई के अंधरी इलाके में रहती है और पेशे से आयुर्वेद की डॉक्टर है। वह शेयर ट्रेडिंग घोटाले का शिकार हुई है। 15 अप्रैल से 17 जून के बीच वह ठगी का शिकार हुई। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि 15 अप्रैल की रात वह अपने घर पर बैठकर मोबाइल पर रील देख रही थी। तभी उसके इंस्टाग्राम के रील पर मुकेश अंबानी का डीपफेक वीडियो सामने आया। इस वीडियो में वे राजीव शर्मा ट्रेड ग्रुप कंपनी की तारीफ कर रहे थे। लोगों को हाई रिटर्न पाने के लिए बीएसएफ निवेश अकादमी में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर रहे थे। रील के वीडियो के साथ एक लिंक भी भेजा गया और उस लिंक के माध्यम से महिला डॉक्टर को व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। चैट करके महिला डॉक्टर को भरोसे में लिया और लाभ का लालच दिया गया। इसके बाद इस कंपनी की वेबसाइट के माध्यम से एस्कॉट्र्स सिक्योरिटीज ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा और अच्छे रिटर्न का लालच देकर अलग अलग बैंको में 7.1 लाख रुपये ट्रांसफर कराया। महिला डॉक्टर को धोखाधड़ी का अहसास तब हुआ जब उन्होंने ट्रेडिंग वेबसाइट पर अपने शुरुआती निवेश पर अर्जित लाभ के रूप में दिखाई देने वाले 30 लाख रुपये निकालने की कोशिश की,तो पैसा देने से मना कर दिया और सेवा शुल्क के रूप में 3,43,634 रुपया अलग अलग 16बैंक अकाउंट में भुगतान करने के लिए कहा गया। साथ ही यह भी कहा गया कि अगर वे भुगतान नहीं करेंगी तो एस्कॉट्र्स सिक्योरिटीज ऐप पर 30,00,000 रुपये जमा वाला खाता बंद कर दिया जाएगा।

डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल

इसके बाद महिला डॉक्टर को संदेह हुआ कि इंस्टाग्राम पर मुकेश अंबानी का वीडियो जो 15 अप्रैल को देखा था,वह नकली था,जिसके बाद महिला डॉक्टर ने नजदीकी पुलिस स्टेशन पहुंच मामला दर्ज कराया। पुलिस ने कहा कि जालसाजों ने वीडियो बनाने के लिए डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल किया था।

अमरवाड़ा उपचुनाव हुआ दिलचस्प 17 उम्मीदवारों ने जताई दावेदारी क्या है बीजेपी की रणनीति?

छिंदवाड़ा, 22 जून (एजेंसियां)। जिले की अमरवाड़ा विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में लिए 17 दावेदारों ने नामांकन फार्म जमा किए हैं। हालांकि नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 26 जून है, इसके बाद ही तय होगा कि कितने दावेदार मैदान में है। खास बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी ने पुराने कार्यकर्ताओं को दरकिनार करते हुए कांग्रेस से बीजेपी में शामिल होने वाले कमलेश शाह को ही प्रत्याशी बनाया है। बता दें छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक रहे कमलेश शाह के इस्तीफा देने के बाद वह बीजेपी में शामिल हो गए थे। उनके इस्तीफा देने के बाद अब इस सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं। उपचुनाव के लिए चुनाव आयोग द्वारा जो कार्यक्रम घोषित उसके अनुसार 21 जून नामांकन करने की आखिरी तारीख थी। नामांकन जमा करने की आखिरी तारीख 21 जून को 8 नामाकन फार्म जमा किए गए हैं। नामांकन जमा करने के पहले दिन से लेकर आखिरी दिन तक 17 अभ्यर्थियों द्वारा 26 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए हैं।

किसान की चमकी किस्मत, पाटी हीरा खदान क्षेत्र में मिला चमचमाता 6.65 कैरेट का हीरा

पन्ना, 22 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश का पन्ना हीरों की खदान के लिए प्रसिद्ध है। यहां कई लोगों की किस्मत चमकी है। शनिवार को फिर एक किसान को हीरा मिला है। 6 कैरेट 65 सेंट का हीरा अब नीलामी में रखा जाएगा। पन्ना में फिर एक गरीब किसान देशराज आदिवासी की किस्मत उस वक्त चमक उठी, जब उसे उथली हीरा खदान क्षेत्र पटी में एक चमचमाता हुआ 6 कैरेट 65 सेंट का हीरा मिला। इसे देख किसान व उसकी पत्नी खुशी के मारे झूम उठे। किसान देशराज आदिवासी निवासी गौरेया ककररहटी ने उक्त हीरे को हीरा कार्यालय में जमा कर दिया है, जिसे आगामी हीरा नीलामी में रखा जाएगा। पन्ना हीरा कार्यालय में पदस्थ हीरा पारखी अनुपम सिंह का कहना है कि पेशे से किसान देशराज आदिवासी ने हीरा कार्यालय से पट्टा बनवाकर पटी क्षेत्र में हीरे की खदान लगाई थी। जिन्हें कुछ दिन पूर्व 1 कैरेट 35 सेंट का हीरा मिला था, जो उन्होंने हीरा कार्यालय में जमा किया था, और आज फिर उन्हें 6 कैरेट 65 सेंट का हीरा मिला है। हीरे को आगामी नीलामी में रखा जाएगा।

किसान को कितना मिलेगा

अनुपम सिंह बताते हैं कि पन्ना में हीरा ढूंढने के लिए एक प्रक्रिया का पालन करना होता है। उसके बाद कोई भी व्यक्ति इसके लिए खुदाई कर सकता है। प्रक्रिया को समझें तो सबसे पहले हीरा कार्यालय से लाइसेंस लेना होता है, जो कि एक तरह का पट्टा होता है। इसके लिए संबंधित व्यक्ति को तीन फोटो, आधार कार्ड की कॉपी और न्यूनतम राशि का चालान जमा करवाना होता है। खुदाई के लिए फिर पट्टा दे दिया जाता है। जो जनवरी से दिसम्बर तक के लिए ही वैध होता है। संबंधित व्यक्ति को विभाग की ओर से हीरा खदानों में 8*8 मीटर की एक जगह अलॉट कर दी जाती है, जहां पर वह एक साल में कभी भी खुदाई करके हीरा ढूंढ सकता है। लाइसेंसधारी को हीरा मिलने पर उसे हीरा कार्यालय में जमा करवाना होता है। वहां उसकी गुणवत्ता और कीमत तय होती है।

आदिवासी महिला से सामूहिक दुष्कर्म करने वालों के घर पर चला बुलडोजर, पुलिस बल रहा तैनात

उज्जैन, 22 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में शर्मसार करने वाली घटना को लेकर पुलिस सख्ती बरत रही है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था, वहीं शनिवार को उनके घर भी गिरा दिए गए। उज्जैन में गत दिनो आदिवासी महिला को काम दिलाने का झांसा देकर सामूहिक दुष्कर्म का शिकार बनाया गया था। पीड़िता जैसे-तैसे अर्धनग्न अवस्था में भागी थी। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था।

इस मामले में पुलिस ने एक्शन लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब उनके मकान तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार सुबह पुलिस ताजपुर स्थित आरोपी इमरान के घर पर पहुंची, जहां पर जेसीबी के माध्यम से इस मकान को तोड़ा गया और घटनास्थल पर बनी झोपड़ी को भी जमींदोज कर

दिया गया। सुबह हुई कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। बताया जाता है कि इस कार्रवाई के बाद पुलिस आज शाम तक एक अन्य आरोपी रवि के मकान पर भी बुलडोजर चलाएगी।

लाठियों से पीटकर मैनेजर को उतारा था मौत के घाट, चूना भट्टी में फेंका था शव सभी आरोपी गिरफ्तार

कटनी, 22 जून (एजेंसियां)। सिमको लाइम फैक्ट्री के चूना भट्टी में मिली मैनेजर की अधजली लाश मामले पर कटनी पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने पूरे मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वहीं उनके पास से 60 हजार रुपये बरामद किए हैं। कुठला थाना क्षेत्र के कछगवां में सिमको कंपनी के मैनेजर की हत्या कर उसकी लाश को जलते चूना के भट्टी में फेंकने के मामले पर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिन्होंने पैसों की चोरी की नियत से कंपनी के कार्यालय में घुसकर मैनेजर समनू विश्वकर्मा की पहले लाठी डंडे से पीट-पीट कर मौत के घाट उतार डाला। फिर उसके गले में लटकी चाभी निकालकर लॉकर खोलकर पैसे निकाले। वहीं, किसी को हत्या की जानकारी न लग सके, इसके लिए आरोपियों ने कंबल में लपेटकर शव को चूने की जलती भट्टी में फेंक दिया था।

'कोडिकुन्निल सुरेश को नेता प्रतिपक्ष बनाना चाहिए प्रोटेम स्पीकर मुद्दे पर बीजेपी ने कांग्रेस को घेरा

बेंगलूरू, 22 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बाद संसद का पहला सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। इस सत्र में लोकसभा के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का चुनाव होगा और सभी नव निर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई जाएगी। इससे पहले निचले सदन में प्रोटेम स्पीकर यानी अस्थायी अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विवाद छिड़ गया। भाजपा ने 7 बार के सांसद भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। इसे लेकर कांग्रेस ने बीजेपी पर संसदीय परंपरा को नष्ट करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस का कहना है कि उसके 8 बार के सांसद कोडिकुन्निल सुरेश को प्रोटेम स्पीकर बनाया जाना चाहिए था। क्योंकि वह 18वीं लोकसभा में सबसे वरिष्ठ सांसद हैं। उनकी जगह भारतीय जनता पार्टी के सांसद भर्तृहरि महताब को यह जिम्मेदारी देना गलत है, क्योंकि वह 7 बार के सांसद हैं और वरिष्ठता के मामले में कोडिकुन्निल सुरेश के बाद आते हैं। सुरेश केरल के मावेलिकारा से सांसद हैं, जबकि महताब ओडिशा के कटक से सांसद हैं।

अब बीजेपी ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए बीजेपी ने कहा है कि अगर उसे अपने सांसद कोडिकुन्निल सुरेश की वरिष्ठता की इतनी ही चिंता है तो उन्हें लोकसभा में विपक्ष का नेता बना सकती है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और कांग्रेस दोनों ने दावा किया है कि लोकसभा में सबसे वरिष्ठ सांसद सुरेश को प्रोटेम स्पीकर के रूप में नियुक्त नहीं करना अतीत में अपनाई गई परंपराओं का उल्लंघन है। पलटवार करते हुए भाजपा के राज्य प्रमुख के सुरेंद्रन ने कहा कि कांग्रेस को सुरेश को लोकसभा में विपक्ष का नेता बनाकर केंद्र के फैसले का विरोध करना चाहिए। केरल भाजपा के अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, 'हर हाल में इस आदमी (सुरेश) को विपक्ष का नेता बनाया जाना चाहिए।

कांग्रेस पार्टी को उन्हें दो दिनों के लिए प्रोटेम स्पीकर नहीं बनाए जाने के खिलाफ अपना विरोध इस तरह व्यक्त करना चाहिए।' आठ बार के सांसद सुरेश ने कहा कि सबसे वरिष्ठ लोकसभा सदस्य होने के नाते परंपरा के मुताबिक उन्हें प्रोटेम स्पीकर बनाया जाना चाहिए था। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीसन और रमेश चेन्निथला सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भी सुरेश की बात का समर्थन किया। प्रोटेम स्पीकर ही 18वीं लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाएगा और अध्यक्ष के चुनाव तक निचले सदन की अध्यक्षता करेगा।

जीएसटी काउंसिल की 53वीं मीटिंग हुई

ऑनलाइन गेमिंग और फर्टिलाइजर पर टैक्स कम करने की चर्चा हुई

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। जीएसटी काउंसिल की 53वीं मीटिंग आज 22 जून को हुई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैठक की अध्यक्षता की। इस मीटिंग में ऑनलाइन गेमिंग पर और फर्टिलाइजर पर टैक्स कम करने पर चर्चा हुई। अभी फर्टिलाइजर पर 5% की दर से जीएसटी लगता है, जबकि सल्फ्यूरिक एसिड और अमोनिया जैसे कच्चे माल पर 18% जीएसटी लगता है। फर्टिलाइजर पर टैक्स कम करने का मुद्दा सितंबर 2021 और जून 2022 में हुई 45वीं और 47वीं मीटिंग में रखा गया था।

इस मीटिंग में जीएसटी स्ट्रक्चर को सुव्यवस्थित करने, अनुपालन बढ़ाने और इंडस्ट्री की चिंताओं को सुलझाने के मकसद से भी कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा हुई है। निर्मला सीतारमण ने औपचारिक रूप से केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के ठीक एक दिन बाद, जीएसटी काउंसिल ने 53वीं जीएसटी काउंसिल की मीटिंग की तारीख की घोषणा की थी।

अक्टूबर की मीटिंग में ऑनलाइन गेमिंग पर 28% टैक्स लगाया था

जीएसटी काउंसिल की पिछली मीटिंग 7 अक्टूबर, 2023 को हुई थी। इस मीटिंग में, जीएसटी काउंसिल ने ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर 28% शुल्क लगाने का फैसला किया था। सभी तरह की जरी वाली चीजों पर 5% जीएसटी लगाने का फैसला लिया गया है। इंडस्ट्रियल इस्तेमाल में आने वाले एक्स्ट्रा न्यूट्रल एल्कोहल पर 18% जीएसटी लगेगा। प्रोमोटर को अपनी कंपनी के लिए कॉरपोरेट गारंटी देने पर जीएसटी नहीं देना होगा।

ऑनलाइन गेमिंग पर जो फैसला पहले लिया था, सरकार उस पर ही चेलेगी। सरकार ने मई 2024 में जीएसटी से 1.73 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। ये अब तक का किसी भी महीने जुटाया गया चौथा और वित्त वर्ष 2024-25 का दूसरा हाईएस्ट जीएसटी कलेक्शन था। इससे पहले सरकार ने अप्रैल 2024 में जीएसटी से सबसे ज्यादा 2.10 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। सालाना आधार पर ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन में 10% की बढ़ोतरी हुई थी।

हिंदुजा फैमिली नौकरों के शोषण मामले में दोषी करार

> अरबपतियों को चार साल की सजा > स्टाफ से ज्यादा कुत्तों पर खर्चा > 18 घंटे काम कराते थे

जेनेवा, 22 जून (एजेंसियां)। भारतीय मूल के अरबपति और ब्रिटेन की सबसे अमीर हिंदुजा फैमिली नौकरों के शोषण मामले में दोषी पाई गई है। परिवार के 4 सदस्यों को स्विट्जरलैंड की कोर्ट ने जेल की सजा सुनाई है। बिजनेसमैन प्रकाश हिंदुजा और उनकी पत्नी कमल हिंदुजा को साढ़े चार साल की सजा मिली है। वहीं उनके बेटे अजय और बहू नम्रता को चार साल की सजा सुनाई गई है।

हिंदुजा परिवार पर उनके स्विट्जरललैंड विला में काम करने वाले लोगों का शोषण करने के आरोप लगे थे। इनमें ज्यादातर भारत के अशिक्षित लोग थे। हालांकि, कोर्ट ने मानव तस्करी के आरोपों को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उनके स्टाफ को इतनी समझ थी कि वे क्या कर रहे हैं। हिंदुजा के वकीलों ने कहा कि उन्होंने फैसले के खिलाफ अपील की है। फैसले के वक्त हिंदुजा परिवार के चारों सदस्य कोर्ट में नहीं थे। हालांकि, उनका मैनेजर और 5वां आरोपी नजीब जियाजी मौजूद था। उसे भी 18 महीने की सजा हुई है।

कोर्ट ने समझौते के बावजूद केस बंद नहीं किया

हिंदुजा परिवार ने पिछले हफ्ते शिकायतकर्ताओं के साथ समझौता कर लिया था। लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने केस जारी रखा। प्रकाश हिंदुजा को 2007 में भी ऐसे ही आरोपों में दोषी पाया गया था। इसके बाद भी उन्होंने बिना सही दस्तावेजों के स्टाफ को भर्ती करना जारी रखा। हिंदुजा परिवार पर उनके स्टाफ के पासपोर्ट जब्त करने, उन्हें स्विस फ्रैंक की जगह रुपए में भुगतान करने, विला से बाहर जाने से रोकने और स्विट्जरलैंड में बहुत कम पैसे देकर लंबे समय तक काम करने के लिए मजबूर करने के आरोप थे। स्विस अधिकारियों ने सजा सुनाए जाने से पहले ही हिंदुजा फैमिली के हीरे, रूबी और प्लैटिनम के हार समेत कई तरह की प्रॉपर्टीज को जब्त कर लिया था। इनका इस्तेमाल कानूनी खर्च और जुर्माने को कवर करने के लिए किया जा सकता है।

हिंदुजा फैमिली के इन 4 सदस्यों को सजा

प्रकाश हिंदुजा
हिंदुजा ग्रुप चेयरमैन, यूरोप

कमल हिंदुजा
प्रकाश हिंदुजा की पत्नी

अजय हिंदुजा
प्रकाश हिंदुजा के बेटे और GOCL कॉर्प के चेयरमैन

नम्रता हिंदुजा
अजय हिंदुजा की पत्नी

छुट्टी दिए बिना 18 घंटे काम कराते थे

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, स्विट्जरलैंड में सोमवार (17 जून) से हिंदुजा परिवार के खिलाफ मानव तस्करी के मामले में ट्रायल शुरू किया गया था। पीड़ितों की ओर से पेश वकीलों ने कोर्ट को बताया कि कई बार रसोइये या घरेलू सहायकों को बहुत कम या बिना छुट्टी दिए 15 से 18 घंटे तक काम करने को मजबूर किया जाता था। उनका वेतन स्विस कानून के तहत तय राशि के दसवें हिस्से से कम था। कर्मचारी रिसेप्शन के लिए देर तक काम करते थे और कभी-कभी विला के बेसमेंट में फर्श पर गद्दे लगाकर सोते थे। हिंदुजा परिवार की जरूरत के मुताबिक उन्हें हर वक्त मौजूद रहना जरूरी था। वकील ने कमल हिंदुजा द्वारा बनाए गए डर के माहौल का भी जिक्र किया।

स्टाफ से चार गुना पैसे कुत्तों पर खर्च करते थे

सरकारी वकील य्वेस बेरतोसा ने कोर्ट से कहा था कि हिंदुजा परिवार ने अपने कुत्ते पर एक नौकर से ज्यादा खर्च किया। स्टाफ को 654 रुपए रोज यानी सालाना करीब 2.38 लाख रुपए दिए गए, जबकि दस्तावेज बताते हैं कि कुत्ते के रखरखाव और खाने पर सालाना करीब 8 लाख रुपए खर्च किए जाते थे। वकील ने बताया था कि इन सभी सहायकों के पासपोर्ट जब्त कर लिए गए थे। कई कर्मचारी सिर्फ हिंदी में बात कर सकते थे, इसलिए वे कहीं जा नहीं सकते थे। इन्हें भुगतान स्विस फ्रैंक के बजाय भारतीय रुपयों में दिया जाता था, ताकि वे बाहर जा कर कुछ खरीदारी न कर सकें। इन्हें न नौकरी छोड़ने की इजाजत है और न घर से बाहर निकलने की परमिशन।

सोना एक साल में दे चुका 20% से ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। सोना पिछले एक साल में साल में 20 फीसदी से ज्यादा तेजी देखने को मिल चुकी है. 21 जून को जिस 24 कैरेट सोने का भाव 60,500 रुपये के आसपास था, वो अब 74 हजार के दायरे में पहुंच चुका है. ऐसा क्यों हो रहा है, और क्या हमें ऐसे माहौल में गोल्ड में निवेश करना चाहिए? इस सवाल की चर्चा आगे करेंगे, लेकिन पहले जान लेते हैं कि सोने में तेजी की मुख्य वजह क्या है?

सोने में तेजी की बड़ी वजह

अमेरिकी डॉलर दुनिया की सबसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय करेंसी है. सबसे ज्यादा ग्लोबल ट्रेड डॉलर में ही होता है. लेकिन यूक्रेन और रूस में जंग छिड़ने के बाद रूस के डॉलर एसेट्स को जिस तरह से जब्त किया गया, उससे दुनिया के नजरिये में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है. कई देश अब अपने सोने के भंडार को बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं. वे ऐसा अपनी आर्थिक सुरक्षा और अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता घटाने के मकसद से कर रहे हैं और सोना उनके विदेशी मुद्रा भंडार को और डायवर्सिफाई भी करता है. जियो पोलिटिकल टेंशन और आर्थिक उतार-चढ़ावों के कारण भारतीय रिजर्व बैंक समेत तमाम देशों के केंद्रीय बैंकों ने बड़ी मात्रा में सोना खरीदा है और लगातार खरीद रहे हैं. सेंट्रल बैंकों के इस रुख से गोल्ड की डिमांड बढ़ी है, जो सोने की कीमतों में तेजी की एक बड़ी वजह है. गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड में बढ़ते निवेश ने भी सोने का भाव बढ़ाने का काम किया है। सोने की कीमतों में शॉर्ट टर्म में भले ही थोड़े-बहुत उतार-चढ़ाव नजर आ जाएं, लेकिन लंबी अवधि के दौरान इसमें निवेश आमतौर पर बेहद सुरक्षित होने के साथ ही साथ फायदेमंद भी रहा है. मिसाल के तौर पर 10 ग्राम सोने का जो भाव 2004 में महज 5,800 रुपये के आसपास था, वो 20 साल बाद अब 74 हजार रुपये को पार कर चुका है. इस दौरान ज्यादातर समय सोने ने पॉजिटिव रिटर्न ही दिया है. दरअसल, सेफ हेवन की इमेज सोने में निवेश का एक बड़ा आकर्षण है।

सोना 870 रुपए गिरकर 72,380 रुपए पर आया

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 22 जून को गिरावट है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 870 रुपए गिरकर 72,380 रुपए पर आ गया है। कल इसके दाम 73,250 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं एक किलो चांदी 2,000 रुपए गिरकर 92,000 रुपए में बिक रही है। हालांकि इस साल अब तक सोने के दाम 8,510 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,870 रुपए पर था। वहीं चांदी साल की शुरुआत में 72,160 रुपए प्रति किलो पर थी। यानी, चांदी इस साल 19,840 रुपए बढ़ चुकी है।

अडाणी पोर्ट्स 24 जून को सेंसेक्स-30 में शामिल होगी

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। अडाणी पोर्ट्स के शेयर 24 जून से बीएसई सेंसेक्स पर कारोबार करेंगे। अडाणी ग्रुप की कंपनी विप्रो की जगह लेगी। समय-समय पर 30 शेयरों वाले इंडेक्स सेंसेक्स में बदलाव किया जाता है। वहीं इंस्टेंट ग्रॉसरी डिलीवरी ऐप जेप्टो ने 3.6 बिलियन डॉलर (30,064 करोड़ रुपए) की वैल्यूएशन पर 665 मिलियन डॉलर यानी 5,553 करोड़ रुपए फंड जुटाया है।

जेप्टो ने इससे पहले अगस्त 2023 में 235 मिलियन डॉलर (1,962 करोड़ रुपए) का फंड जुटाया था, तब कंपनी को 1.4 बिलियन डॉलर (11,691 करोड़ रुपए) की वैल्यूएशन के साथ यूनिकॉर्न स्टेटस मिला था।

जेप्टो ने यह फंड ऐसे समय में जुटाया है, जब निवेशक स्टार्टअप में पैसे डालने में काफी सतर्क हो गए हैं। पूरी तरह से इस प्राइमरी राउंड में जेप्टो ने ग्लेड ब्रूक, नेक्सस, स्टेपस्टोन, गुडवाटर और लैची ग्रूम जैसे मौजूदा निवेशकों की अगुवाई में यह फंड जुटाया है।

मेजॉरिटी निवेश तो इन निवेशकों का ही है और बाकी पैसा नए निवेशक जैसे कि एवेनिर ग्रोथ, लाइटस्पीड, एवरा और अन्य ने निवेश किया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 05-47
सूर्यास्त. -18-49
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -197294912 5
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया 03-26 तक तृतीया
मास - आषाढ़ कृष्ण, रविवार 23 June
नक्षत्र - पूर्वाषाढ़ा 17-03 तक उपरान्त उत्तराषाढा
योग - ब्रह्म 14-25 तक उप ऐन्द्र
करण- तैतिल 16-22 तक उप गर
विशेष:- प्रतिपदा का क्षय
व्रत -त्योहार - 13 दिन का पक्ष

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन..	05-09 बजे
चंद्र-	धनु में	कर्क...	07-25 बजे
मंगल	मेष में	सिंह...	09-38 बजे
बुध-	मिथुन में	कन्या..	11-45 बजे
गुरु-	वृष में	तुला.....	13-49 बजे
शुक्र-	मिथुन में	वृश्चिक..	15-59 बजे
शनि-	कुंभ में	धनु.....	18-13 बजे
राहु-	मीन में	मकर..	20-20 बजे
केतु-	कन्या में	कुंभ....	22-10 बजे
		मीन...	23-48 बजे
		मेष....	01-24 बजे
		वृष....	03-09 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17:14 से 18:52 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	05:47 - 07:23	अशुभ	शुभ	18:49 - 20:14	शुभ
चंचल	07:23 - 09:02	शुभ	अमृत।	20:14 - 21:35	शुभ
लाभ	09:02 - 10:40	शुभ	चंचल	21:35 - 22:57	शुभ
अमृत	10:40 - 12:18	शुभ	रोग	22:57 - 00:19	अशुभ
काल.	12:18 - 13:57	अशुभ	काल	00:19 - 01:40	अशुभ
शुभ	13:57 - 15:35	शुभ	लाभ	01:40 - 03:02	शुभ
रोग	15:35 - 17:14	अशुभ	उत्पात	03:02 - 04:23	अशुभ
उत्पात	17:14 - 18:49	अशुभ	शुभ	04:23 - 05:47	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें इस दौरान धीरज से काम लेंगे तो जल्दी ही अपने शुभचिंतकों को भी पहचान जायेंगे।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज का दिन अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिलकुल सही है आज आप सामान्य से अधिक आक्रामक और दृढ व्यवहार करेंगे इससे आसपास के लोगों को आश्चर्य होगा उन्हें शायद आपके बारे में अपनी राय बदलने पर भी मजबूर होना पड़े लेकिन उनके आश्चर्य की भावना से आपको आज जरुरी मौका मिल जाएगा ,इस अवसर का फायदा उठाने से न चूकें।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े ,आपको यह भी देखना होगा कि क्या यह बदलाव आपके लिए आने वाले समय में लाभकारी साबित होंगे।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें के बारे में सोच सोचकर खुद को तनाव न दें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप खरीदारी सम्बन्धी किसी ऑफर या लाटरी तिच्क्त खरीदने का जोखिम उठा सकते हैं आपका भाग्य आपके साथ है ,इसलिए जीतने का अच्छा मौका आपके पास रहेगा स्थिति आपसे अपने दृष्टिकोण पर दृढ बने रहने की अपेक्षा कर सकती है आपकी चुप्पी को गलत समझा जाएगा और उसपर सवाल खड़े किये जायेंगे।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही हैछोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें सफलता की कुंजी प्राथमिकताएं तय करने से मिलेगी।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं अनिश्चितता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा बोलते हुए सावधान रहें किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है कार्यस्थल पर स्थायित्व बना रहेगा।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी अप्रत्याशित समस्याओं से काम कुछ समय के लिए रुक सकता है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा परिवार के साथ समय बिताएं।

पं।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

दाल और चने की जमाखोरी पर एक्शन!

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। दलहन की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. सरकार ने काबुली चना समेत अरहर और चना जैसी दालों पर 30 सितंबर, 2024 तक स्टॉक सीमा लगा दी है. यह कदम जमाखोरी को रोकने और उपभोक्ताओं के लिए दालों की कीमत को नियंत्रित करने के लिए उठाया गया है. उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है जो थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला खुदरा विक्रेताओं, मिल मालिकों और आयातकों पर लागू है।

आदेश के अनुसार, थोक विक्रेताओं के लिए लागू स्टॉक सीमा 200 मीट्रिक टन, खुदरा विक्रेताओं के लिए पांच मीट्रिक टन, खुदरा दुकानों पर पांच मीट्रिक टन और बड़ी श्रृंखला खुदरा विक्रेताओं के लिए डिपो पर 200 मीट्रिक टन है। प्याज की कीमतों पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कृषि मंत्रालय के अधिकारियों से खरीफ प्याज के पैदावार को बढ़ाने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

यूलिप को निवेश बता नहीं बेच सकेंगी बीमा कंपनियां

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) को निवेश उत्पाद के रूप में प्रचारित करने पर रोक लगा दी है। इसका मतलब है कि बीमा कंपनियां अब यूलिप को निवेश उत्पाद के रूप में नहीं बेच सकेंगी। बीमा नियामक ने 19 जून के मास्टर सर्कुलर में कहा, 'यूनिट-लिंक्ड' या 'इंडेक्स-लिंक्ड' बीमा उत्पादों का निवेश उत्पाद के रूप में विज्ञापन नहीं किया जाएगा। कंपनियों को स्पष्ट रूप से यह बताना होगा कि बाजार से जुड़ी बीमा योजनाएं पारंपरिक एन्डॉमेंट पॉलिसियों से भिन्न हैं और उनमें जोखिम भी होता है। इरडा ने कहा, परिवर्तनीय सालाना भुगतान विकल्प के साथ लिंक्ड बीमा और वार्षिकी उत्पादों के सभी विज्ञापनों में जोखिम कारकों का खुलासा करना होगा।

बोनस में खेल नहीं कर पाएंगी कंपनियां इरडा में सर्कुलर में कहा, सभी विज्ञापनों में यह बताना होगा कि उत्पाद के बोनस या पिछले प्रदर्शन को भविष्य के लिए गारंटी नहीं माना जा सकता है। यानी अगर किसी प्लान ने पिछले पांच साल में 25 फीसदी रिटर्न दिया हो तो वह अगले पांच साल में भी 25 फीसगी रिटर्न देगा, कंपनियां ऐसा दावा नहीं कर सकेंगी।

विज्ञापन में लाइफ कवर के बारे में बताना जरूरी

सर्कुलर में कहा गया है कि सभी बीमा कंपनियां मौजूदा या नए इंश्योरेंस उत्पाद के तहत यूनिट-लिंक्ड फंड्स या इंडेक्स-लिंक्ड फंड्स के विज्ञापन में लाइफ कवरेज और इससे जुड़े उत्पाद के बारे में बताएंगी। इसके बिना कंपनियों की ओर से कोई कोई प्रेस रिलीज और बयान जारी नहीं किया जाएगा। यूलिप ऐसे उत्पाद होते हैं, जिनमें शेयर बाजार में निवेश किया जाता है। साथ ही, प्लान के आधार पर बीमा कवर मिलता है।

गलत फाइलिंग पर देना पड़ सकता है जुर्माना

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 31 जुलाई तक इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना है। अभी इसमें करीब 40 दिन का समय बचा है। लेकिन समय होने के बावजूद कई लोग लास्ट डेट तक इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल नहीं कर पाते हैं।

इसमें आलस के साथ-साथ जागरूकता की कमी जैसे कई फैक्टर्स हैं। कुछ लोग यह मानकर बैठ जाते हैं कि टैक्स डिडक्शन एट सोर्स यानी टीडीएस के बाद उनके एम्प्लॉयर फॉर्म 16 जारी कर देते हैं, वह टैक्स रिटर्न फाइल करने जैसा ही है। लेकिन ऐसा नहीं है। इसके अलावा भी कई पैरामिटर्स हैं, जो आईटीआर फाइल करने के लिए जरूरी हैं। यहां हम आईटीआर से जुड़ी जरूरी बातें बता रहे हैं।

आईटीआर फाइल करना क्यों जरूरी है?

अगर आप भारत में रहते हैं और किसी भी जॉब या बिजनेस से कमाई कर रहे हैं, तो आपके लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना जरूरी है। साथ ही अगर आपकी इनकम टैक्स एक्सम्प्शन और डिडक्शन (छूट और कटौती) के पहले टैक्स छूट की लिमिट से ज्यादा है, तो भी आपको आईटीआर फाइल करनी चाहिए।

कब ITR फाइल करना अनिवार्य हो जाता है

- सेविंग अकाउंट में टोटल डिपॉजिट ₹50 लाख से ज्यादा है
- एक या एक से ज्यादा करंट अकाउंट्स में ₹1 करोड़ से ज्यादा जमा
- पर्सनल या किसी दूसरे व्यक्ति के विदेश यात्रा पर ₹2 लाख से ज्यादा खर्च
- एक लाख से ज्यादा बिजली बिल भुगतान करने पर
- बिजनेस में टोटल टर्नओवर या ग्रॉस रिसीट्स ₹60 लाख से ज्यादा है
- अगर किसी प्रोफेशन से ग्रॉस रिसीट्स 10 लाख रुपए से ज्यादा है
- टोटल टैक्स डिडक्शन और कलेक्शन ₹25,000 या उससे ज्यादा हो

क्या होगा अगर आप गलत आईटीआर फॉर्म कर दें?

यदि कोई करदाता जानकारी के अभाव में गलत रिटर्न फॉर्म या आईटीआर फाइल कर देता है, तो आईटी डिपार्टमेंट इसमें सुधार करने के लिए कई मौके देता है। हालांकि, अगर आप टैक्स बचाने या चोरी के लिए के लिए गलत रिटर्न फाइल करते हैं या जानबूझकर कम रिपोर्ट करते हैं, तो पकड़े जाने पर डिपार्टमेंट बकाया टैक्स राशि का 100% से 300% तक जुर्माना लगा सकता है।

नई रिजीम चुनने पर 7 लाख तक की आय पर टैक्स छूट

आईटीआर भरने के लिए 2 टैक्स रिजीम के ऑप्शन मिलते हैं। पहली या पुरानी टैक्स रिजीम चुनने पर आपकी 2.5 लाख रुपए तक की इनकम ही टैक्स फ्री रहेगी। हालांकि इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 87A के तहत आप 5 लाख तक की इनकम पर टैक्स बचा सकते हैं।

वहीं नई टैक्स रिजीम चुनने पर 3 लाख रुपए तक की इनकम पर टैक्स नहीं देना होगा। इसमें भी इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 87A के तहत सैलरीड पर्सन 7.5 लाख रुपए तक की इनकम पर और अन्य लोग 7 लाख तक की इनकम पर टैक्स छूट पा सकते हैं।

ईडी रेड की भनक लगते ही फरार हुआ कमलेश

रांची में आर्म्स एक्ट में केस दर्ज, घर से मिले थे 100 कारतूस और एक करोड़ कैश

रांची, 22 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को जिस कमलेश कुमार के यहां रेड मारा, उसे इसकी भनक पहले की लग गई थी। ईडी ने जमीन कारोबारी शेखर कुशवाहा को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की तो कई जानकारी मिली। इसके बाद जांच एजेंसी ने कमलेश कुमार को समन जारी किया, लेकिन वह पूछताछ के लिए ईडी ऑफिस नहीं पहुंचा।

हालांकि, उसे इस बात की भनक नहीं थी कि अचानक जांच एजेंसी उसके घर पर छापेमारी कर देगी। इसी वजह से वह टीम के पहुंचने से पहले की रांची से बाहर चला गया। कमलेश कुमार के खिलाफ कांके थाना में आर्म्स एक्ट का केस दर्ज हुआ। ईडी की छापेमारी में कमलेश के फ्लैट से 100 राउंड जिंदा कारतूस मिले थे।

करीब आठ साल पहले कमलेश पेशे से फोटोग्राफर था। वह रांची के ही एक स्थानीय अखबार में काम करता था। साल 2016 में उसकी रांची के कुछ पुलिस अफसरों और प्रभावशाली लोगों से जान-पहचान हुई।

चंपाई सोरेन — कमलेश कुमार

इसके बाद उसने कांके में जमीन की खरीद-बिक्री शुरू की। देखते ही देखते बाइक पर घूमने वाला कमलेश महंगी गाड़ियों से घूमने लगा। जमीन के इस धंधे से अकूत संपत्ति बनाई। अब वह कंस्ट्रक्शन और रिजॉर्ट के धंधे में भी उतर गया है।

करीब 5 साल पहले कमलेश उस समय चर्चा में आया, जब कांके अंचल के रिंग रोड के पास चामा मौजा में स्थित हल्का 3, खाता संख्या 87 के प्लाट संख्या 1232 पर बनी पुलिस हाउसिंग कॉलोनी का मामला सामने आया। उस जमीन में 50.90 डिसमिल का प्लॉट तत्कालीन डीजीपी डीके पांडे ने अपनी पत्नी पूनम पांडे के नाम पर ली।

इसके अलावा 17 अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों ने अपने परिजनों के नाम पर जमीन खरीदी। गैर मजरूआ सरकारी जमीन होने के बाद भी उसकी रजिस्ट्री और म्यूटेशन होने पर बवाल हुआ। तब कांके थाना में 27 नवंबर 2020 को तत्कालीन राजस्व उप निरीक्षक रंजीत कुमार ने कमलेश के खिलाफ केस दर्ज कराया था। कमलेश पर कई रसूखदारों का सपोर्ट ऐसा था कि उसने कई सरकारी जमीन को अपने कब्जे में लिया। नगड़ी मौजा में स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी के पीछे से गुजरने वाली जुमार नदी और बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी की जमीन पर भी उसने कब्जा कर लिया। नदी और बीएयू की अधिग्रहित करीब 21 एकड़ जमीन को उसने समतल कराकर उसमें कॉलोनी डेवलप कर ली। यह पूरी तरह से सरकारी जमीन थी। इसके बाद भी इस जमीन कर रजिस्ट्री भी हुई और म्यूटेशन भी हुआ।

ईडी की टीम ने कमलेश के कांके रोड स्थित एस्टर ग्रीन अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 603 सी और कोकर के मरियम टोली स्थित आवास पर छापेमारी की। यह छापेमारी लगभग 10 घंटे चली। इस दौरान ईडी को फ्लैट से एक करोड़ रुपए कैश और 100 गोलियां मिलीं। इसे जब्त कर लिया गया है।

मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर

कर्मचारियों में भारी आक्रोश

कोरबा, 22 जून (एजेंसियां)। आरोग्य केंद्र में काम करने वाले सामुदायिक चिकित्सा कर्मचारियों ने तीन मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल में कोरबा जिले के सभी केदो को मिलाकर 170 से अधिक कर्मचारी शामिल हैं। उनकी हड़ताल से संबंधित केंदों पर आधारित चिकित्सा सुविधा सेवाओं पर असर पड़ा है। कर्मचारियों ने कहा है कि जब तक उनकी मांगों को स्वीकार नहीं किया जाएगा, हड़ताल जारी रहेगी। कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के नाम से छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा वैलनेस सेंटर में इन सभी कर्मियों को पिछले वर्षों में सेवा करने का मौका दिया है। कोरबा शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में संचालित हो रहे ऐसे वैलनेस सेंटर में कर्मचारियों की संख्या 170 के आसपास है, जो अपनी तीन मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गए। इनमें महिला पुरुष कर्मचारी शामिल हैं। प्रदर्शन स्थल पर इन सभी ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की। सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश चौहान ने बताया कि कार्य आधारित वेतन और 8 महीने का इंसेंटिव बकाया है।

एयरपोर्ट के काम में देरी से हाईकोर्ट नाराज

कहा–2 सप्ताह के भीतर तय करें मीटिंग, नाइट-लैंडिंग में नई तकनीक का अड़ंगा लगा रहे अफसर

बिलासपुर, 22 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक बार फिर बिलासा एयरपोर्ट में नाइट लैंडिंग और सेना से मिली जमीन के सीमांकन में लेटलतीफी को लेकर कड़ी नाराजगी जाहिर की। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की डिवीजन बेंच ने कहा कि 2 सप्ताह के भीतर मीटिंग बुलाएं और इसकी रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करें।

बेंच ने कहा कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय, डीजीसीए और सिविल एविएशन के अफसर नाइट लैंडिंग में तकनीकी उपकरण और सेना की जमीन का सीमांकन सहित अन्य समस्याओं को लेकर मीटिंग करें। अब इस मामले की अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी।

दरअसल, बिलासा एयरपोर्ट में सुविधाओं के विस्तार को लेकर दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में लगातार सुनवाई चल रही है। शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान एडवोकेट सुदीप श्रीवास्तव ने कोर्ट को बताया कि नाइट लैंडिंग के कार्य में सिविल एविएशन छत्तीसगढ़ के अफसर अनावश्यक रूप से अड़ंगा लगा रहे हैं। जबकि, नाइट

लैंडिंग का काम पूरा हो चुका है।

उन्होंने कोर्ट को बताया कि नाइट लैंडिंग की सुविधा के लिए देश में तय तकनीक के आधार पर लगने वाले उपकरणों की बजाय सेटेलाइट आधारित उपकरण लगाने की जिद पर अड़े हैं। इसके चलते अनावश्यक विलंब हो रहा है। एयरपोर्ट में कौन सा उपकरण लगाया जाना है और यह किस तकनीक पर आधारित होगा, यह केंद्र सरकार और डीजीसीए तय करेगी। केंद्र व डीजीसीए के तय मापदंडों को सिविल एविएशन विभाग के अफसर नहीं मान रहे हैं। इसमें पीवीओआर आधारित टेक्नालाजी लगाना है। अफसर इसे बदल कर सेटेलाइट आधारित पीवीएन टेक्नोलाजी से लैस उपकरण लगाने की योजना बना रहे हैं।

इससे प्रक्रिया लंबी हो जाएगी और इसमें काफी वक्त लगेगा। उन्होंने कहा कि बिलासा एयरपोर्ट से फ्लाइट चल रही है और नाइट लैंडिंग का काम शेष है। मानसून में बारिश के चलते डीजीसीए और केंद्र सरकार द्वारा पूर्व में तय की गई तकनीक के आधार पर उपकरण लगाना ज्यादा उचित रहेगा। विलंब होने की स्थिति में फ्लाइट कैंसिल होती रहेगी।

बलौदाबाजार हिंसा

कलेक्ट्रेट के सामने सफेद ध्वज लगाने वाला अरेस्ट

बलौदाबाजार, 22 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार हिंसा मामले में पुलिस ने एक आरोपी को और गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसी ने बवाल के दौरान संयुक्त कार्यालय में 10 जून को तिरंगा फहराने वाले पोल पर सफेद ध्वज लगा दिया था। हिंसा केस में अब तक 138 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस लगातार वीडियो, फोटो और सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान कर रही है। इसी बीच झंडा लगाने वाले आरोपी की भी पहचान डिगेश्वर बांधे के रूप में हुई। डिगेश्वर लवन थाना इलाके के कोरदा गांव का रहने वाला है। उसे वहीं से पकड़ा गया है। इस बीच गृहमंत्री ने कहा कि हिंसा में दुर्ग से कौन-कौन गया था, उन्हें सबके नाम पता हैं। इस मामले में डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने शुक्रवार को दुर्ग के कांग्रेस नेताओं पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बलौदाबाजार हिंसा में दुर्ग से कौन-कौन गया था और कौन-कौन हिंसा में शामिल था, उन्हें सबके नाम पता हैं।

नीट का पेपर झारखंड से लीक हुआ, छह हिरासत में

जली बुकलेट का नंबर हजारीबाग का, प्रोफेसर ने पेपर वॉट्सऐप पर मास्टरमाइंड को भेजा था

पटना, 22 जून (एजेंसियां)। नीट एग्जाम विवाद में झारखंड पुलिस ने देवघर से शनिवार को 6 लोगों को हिरासत में लिया है। इन्हें बिहार के पटना ले जाया जाएगा। इस मामले में अब तक 19 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। उधर, दोनों राज्यों की पुलिस ने बताया कि नीट का पेपर झारखंड से ही लीक होने के सबूत मिले हैं।

बिहार पुलिस का कहना है कि 5 मई को नीट की परीक्षा हुई थी। इस दौरान सूचना मिली थी कि कुछ स्टूडेंट्स और सेंटर के पास पेपर पहले से पहुंच गया है और उसे रटवाया जा रहा है। पुलिस जब वहां पहुंची तो जला पेपर मिला और बुकलेट नंबर 6136488 बरामद की गई थी। सूत्रों की मानें तो यह बुकलेट हजारीबाग के एक सेंटर की है। इससे यह माना जा रहा है कि पेपर झारखंड से ही लीक हुआ था।

इधर जांच एजेंसी के हेड फिलहाल दिल्ली में हैं। सूत्रों की मानें तो उन्होंने अपनी जांच रिपोर्ट और अब तक की कार्रवाई से

एनटीए और शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों को अवगत कराया है। हालांकि जांच एजेंसी की तरफ से अब तक इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है।

झारखंड पुलिस ने बताया- इनपुट के बाद एक्शन

देवघर पुलिस ने बताया, जिन 6 लोगों को हिरासत में लिया गया है, उनमें बिहार के नालंदा जिले के रहने वाले परमजीत सिंह उर्फ बिट्टू, चिंटू उर्फ बलदेव कुमार, काजू उर्फ प्रशांत कुमार, अजीत कुमार, राजीव कुमार उर्फ कारू और पिंकू कुमार शामिल हैं।

देवघर सदर के एसडीपीओ रित्विक श्रीवास्तव ने बताया कि एक इनपुट के बाद यह कार्रवाई की गई है। ये आरोपी जुहू सिंह के घर में ठहरे थे।

प्रोफेसर ने वॉट्सऐप पर पेपर भेजा था

अब तक की जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि नूरसराय उद्यान कॉलेज का कर्मी संजीव मुखिया ही पेपर लीक करने वाले गिरोह का सरगना है। यह गिरोह कई माह से इसकी साजिश रच रहा था।

संजीव को एक प्रोफेसर ने वॉट्सऐप पर पेपर भेजा था। इसके बाद पटना और रांची के मेडिकल स्टूडेंट्स की मदद से पेपर हल कराया गया। हल होने के बाद 5 मई की सुबह उत्तर के साथ इसे करायपरसुराय के चिंटू उर्फ बलदेव के मोबाइल पर भेजा गया।

पटना के बंद स्कूल में रटवाए गए उत्तर

चिंटू के कहने पर हिलसा के पिंटू ने इसका प्रिंट निकाला और सुबह 9 बजे खेमनीचक स्थित बंद हो चुके लर्न एंड प्ले स्कूल के हॉस्टल में ठहराए गए करीब 20-25 अभ्यर्थियों को रटने के लिए दे दिया गया। जेल भेजे गए अभ्यर्थियों के रिजल्ट से भी पता चलता है कि वे किसी एक ही विषय का प्रश्न और उत्तर रट पाए, क्योंकि एक ही विषय में उनका परसेंटाइल बेहतर है।

अभ्यर्थी अभिषेक का पिता अवधेश है सिकंदर का इन्वेस्टर

5 मई को पुलिस ने अभ्यर्थी अभिषेक को परीक्षा केंद्र से गिरफ्तार किया था। इसी दिन अभिषेक के पिता अवधेश को भी गिरफ्तार किया गया था। अवधेश रांची के काको में रहता है। सिकंदर 2012 से पहले रांची में ठेकेदारी करता था और अवधेश उसका मुंशी था। 2012 में सिकंदर बिहार में सरकारी जेई बन गया। इसके बाद अवधेश रांची में जमीन का कारोबार करने लगा।

12 साल में अवधेश करोड़ों की संपत्ति अर्जित कर चुका है। सूत्रों की मानें तो अवधेश सिकंदर का इन्वेस्टर है। सिकंदर ने भी रांची में करोड़ों की संपत्ति अर्जित की है। सिकंदर का रांची के जगतपुरम में मकान और फ्लैट भी है। करीब तीन माह पहले सिकंदर ने रांची के बाइपास रोड पर बेटे के लिए स्पोर्ट्स का एक शोरूम भी खोला है। उसकी बेटी एमबीबीएस कर चुकी है। पुलिस को भी जानकारी मिली है कि सिकंदर की अवैध कमाई को अवधेश रांची में जमीन में इन्वेस्ट करता है। जांच एजेंसी सिकंदर पर आय से अधिक संपत्ति का भी केस करेगी।

बता दें कि जमीन कारोबार के ही विवाद में अवधेश को रांची में 2023 में गोली मारकर घायल कर दिया गया था।

नीट परीक्षा, छात्रा को सही सवाल के नहीं मिले अंक

हाईकोर्ट में शासन ने कहा- कम्प्यूटर रीड नहीं कर पाया प्रश्न, 2 सप्ताह बाद अगली सुनवाई

बिलासपुर, 22 जून (एजेंसियां)। बिलासपुर जिले में मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए आयोजित नीट परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में अनियमितताएं पाई गई हैं। छात्रा के दो प्रश्न के गलत उत्तर देने पर माइनस मार्क दिया गया, लेकिन एक प्रश्न का सही उत्तर देने पर कोई नंबर नहीं दिया गया। हाईकोर्ट में इस याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई की गई है। जिसमें शासन की ओर से बताया गया कि, कम्प्यूटर ने उस प्रश्न को रीड नहीं किया था। इस पर कोर्ट ने जवाब देते हुए मामले को सुनवाई के लिए दो सप्ताह बाद रखने का आदेश दिया है।

दरअसल, बिलासपुर के निराला नगर निवासी छात्रा 5 मई 2024 को आयोजित नीट परीक्षा में शामिल हुई थी। परिणाम घोषित होने के बाद कम अंक मिलने पर उसने ओएमआर सीट ली। इसमें छात्रा के एक सही प्रश्न का अंक नहीं दिया गया। वही, दो प्रश्न पर माइनस मार्क दिया गया। जिसके बाद छात्रा ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई।

शुक्रवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की डबल बेंच में सुनवाई हुई। इस दौरान शासन की ओर से कोर्ट को बताया गया कि, प्रश्न क्रमांक 24, 34 और 116 में माइनस मार्क है। जबकि प्रश्न क्रमांक 141 को कम्प्यूटर ने रीड नहीं किया।

शासन के जवाब पर याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उस प्रश्न का सही जवाब दिया गया है। उसमें नंबर दिए जाने पर छात्रा का अंक बढ़ जाएगा। कोर्ट ने कम्प्यूटर द्वारा प्रश्न को रीड नहीं करने के जवाब को गंभीरता से लिया है। जवाब के लिए समय देते हुए मामले को सुनवाई के लिए 2 सप्ताह बाद रखने का आदेश दिया है।

रिश्वत लेते एसडीएम गिरफ्तार

घर से कई दस्तावेज बरामद, एसीबी ने 3 कर्मचारियों को भी पकड़ा, जमीन विवाद मामले में मांगे थे 50 हजार

सरगुजा, 22 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार उदयपुर एसडीएम बीआर खांडे समेत उनके तीनों अधीनस्थ तीनों कर्मचारियों को एसीबी आज कोर्ट में पेश करेगी। शुक्रवार को गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम एसडीएम को साथ लेकर उनके गांधी चौक स्थित निवास पहुंची और दो बंडल दस्तावेज जब्त किए। दरअसल, आरोपियों ने जमीन विवाद से जुड़े विचाराधीन मामले में फैसला सुनाने के लिए प्रार्थी से 50 हजार रुपए मांगे थे। जानकारी के मुताबिक, एसडीएम कोर्ट में ग्राम जजगा निवासी कन्हाई राम बंजारा का जमीन विवाद से जुड़ा मामला विचाराधीन है। कन्हाई राम की जजगा स्थित तीन भूमि रकबा क्रमांक 0.251, 0.635 और 0.243 हेक्टेयर भूमि उसके और परिवार के सदस्यों के नाम पर दर्ज है। उसके बड़े पिता

(ताऊ) ने जमीन केवल अपने नाम दर्ज कराने के लिए तहसील में आवेदन दिया था। तत्कालीन तहसीलदार उदयपुर ने केस में कन्हाई राम के बड़े पिता सहित अन्य के नाम पर राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्त करने का आदेश 21 सितंबर 2022 को दिया था। इस पर कन्हाई राम के बड़े पिता ने एसडीएम कोर्ट में अपील कर दी। आरोप है कि मामले में एसडीएम बीआर खांडे ने कन्हाई राम से उसके पक्ष में फैसला देने के लिए 50 हजार रुपए रिश्वत मांगी। इस पर कन्हाई राम ने इसकी शिकायत एसीबी से कर दी। एसीबी ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच की और पुष्टि होने के बाद शुक्रवार को ट्रैप का प्लान किया गया। अंबिकापुर एसीबी के डीएसपी प्रमोद कुमार खेस के नेतृत्व में टीम उदयपुर भेजी गई। शुक्रवार शाम करीब 6 बजे कन्हाई राम बंजारा केमिकल लगे नोट लेकर एसडीएम कार्यालय पहुंचा। आरोप है कि एसडीएम ने रिश्वत की रकम क्लर्क धरमपाल को लेने के लिए कहा। धरमपाल ने रुपए लेकर चपरासी अबीर राम को दे दिए। बाद में एसडीएम के निर्देश पर रकम होम गार्ड कवि नाथ सिंह को दे दी गई। एसडीएम भागीरथी खांडे ने 50 हजार की रिश्वत लेने के साथ ही कन्हाई और उसके परिजनों की जमीन पर कब्जे की कोशिश भी की। आरोप है कि एसडीएम ने जजगा में 50 डिसमिल जमीन की बिक्री के लिए पावर ऑफ अटर्नी दो परिचित महिलाओं के नाम करा ली थी।

सात साल बाद टेट अक्टूबर में हो सकती है परीक्षा

रांची, 22 जून (एजेंसियां)। झारखंड में शिक्षक बनने की इच्छा रखने वाले कैंडिडेट्स के लिए अच्छी खबर है। राज्य सरकार इस साल चौथी शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) लेने जा रही है। यह परीक्षा नई नियमावली से होगी। पिछले दिनों नई नियमावली को मंजूरी मिल गई है। अब परीक्षा के आयोजन को लेकर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। शिक्षक पात्रता परीक्षा झारखंड एकेडमिक काउंसिल लेती है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने एग्जाम को लेकर निर्देश काउंसिल को दे दिया है। खबर है कि इसके लिए जुलाई में आवेदन लिए जा सकते हैं। इसके बाद आवेदन की स्क्रूटनी और फिर अक्टूबर में परीक्षा ली जाएगी। इस बार एग्जाम तीन घंटे की बजाए ढाई घंटे होंगे और नए नियमावली के आधार पर परीक्षा ली जाएगी। शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए चौथी बार नियमावली में बदलाव किया गया है। 24 सालों में दो बार जेटेट परीक्षा हुई है। इस साल शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) नई नियमावली पर होगी। नई नियमावली में रिजर्व कैटेगरी में आने वाले कैंडिडेट को अंकों के प्रतिशत (परसेंटेज ऑफ मार्क्स) में छूट मिलेगी। इसके साथ ही परीक्षा के समय को कम किया गया है। क्लास छह से आठ की टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट 2.30 घंटे की होगी। बात करें अंकों के प्रतिशत (परसेंटेज ऑफ मार्क्स) में छूट की, तो एसटी, बीसी 1, बीसी 2 और दिव्यांग श्रेणी के उम्मीदवार को पांच फीसदी छूट मिलेगी। वैसे जनजातीय समूह के कैंडिडेट जिन्हें विशेष रूप से कमजोर श्रेणी में रखा गया है, उन्हें सात फीसदी छूट मिलेगी। नई नियमावली में प्रारंभिक कक्षा एक से पांच तक को 2.30 घंटे, उच्च प्राथमिक कक्षा 06 से 08 के लिए भी अब 2.30 घंटे और दृष्टि बाधित दिव्यांगों के लिए 30 मिनट अतिरिक्त समय देने का प्रावधान किया गया है।

ईडी समन की अवहेलना मामला

एमपी–एमएलए कोर्ट में चल रही याचिका को निरस्त करने की अपील, हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई, 12 जुलाई फिर बैठेगी कोर्ट

रांची, 22 जून (एजेंसियां)। ईडी की ओर से जमीन घोटाला मामले में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को 11 समन भेजा गया था। जिसमें से दो समन पर ही वे उपस्थित हुए। उनके इस कदम को समन की अवहेलना मानते हुए ईडी ने याचिका दायर की है। जिसकी सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही है।

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की ओर से इस याचिका को निरस्त करने को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस याचिका पर आज सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान जवाब देने के लिए हेमंत सोरेन की ओर से अदालत से गुजारिश की गई। जिस पर कोर्ट ने समय देते हुए 12 जुलाई को अगली तारीख रखी है। ईडी की शिकायतवाद को निरस्त करने का आग्रह हाईकोर्ट ने किया गया है। आज हुई सुनवाई के दौरान हेमंत सोरेन की ओर से

बताया गया है कि ईडी के किसी समन की अवहेलना नहीं की गई है। ईडी के जिस समन में वे उपस्थित नहीं हुए थे, उन्होंने उस समय का जवाब भेजवाया था। इसके बाद जारी समन लैप्स कर गया। इसके बाद भी जब ईडी ने फिर समन भेजा तो मैं उपस्थित हुआ। हेमंत सोरेन ने अदालत को बताया कि ईडी दुर्भावना से प्रेरित होकर बार-बार मैसेज भेज रही थी। आज की सुनवाई के बाद कोर्ट ने मामले में ईडी को भी जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। ईडी की ओर से सीजेएम कोर्ट में 20 फरवरी को शिकायतवाद दर्ज किया गया था। जहां अपनी याचिका में ईडी ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर समन की अवहेलना करने का आरोप लगाते हुए अदालत से कार्रवाई करने की गुजारिश की थी। ईडी की ओर से सीजेएम कोर्ट में शिकायतवाद दाखिल की गई थी। जांच एजेंसी की ओर से बताया गया कि हेमंत सोरेन को जमीन घोटाला मामले में 10 समन भेजे गए थे, जिसमें से मात्र दो समन पर ही हेमंत सोरेन ईडी के समक्ष उपस्थित हुए। यह ईडी के समन की अवहेलना है। ईडी की ओर से भेजे गए समन के बाद 20 जनवरी को 8वें समन पर और 31 जनवरी को 10वें समन पर हेमंत सोरेन उपस्थित हुए थे। ईडी की ओर से दायर शिकायतवाद पर मार्च महीने में सीजेएम कोर्ट ने संज्ञान लिया था। संज्ञान के बाद कोर्ट ने हेमंत सोरेन को उपस्थित होने के लिए समन भेजा था।

मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा के बीच राज्यपाल से मिले सीएम

साय ने साझा की तस्वीर, बोले- किसानों की खाद-बीज को लेकर हुई बातचीत

रायपुर, 22 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को अचानक राजभवन में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से मुलाकात की। चर्चा है कि साय मंत्रिमंडल में जल्द विस्तार होने वाला है। हालांकि, राजभवन से लौटने के बाद सीएम ने कहा कि, राज्यपाल से खाद-बीज को लेकर बातचीत हुई है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुख्यमंत्री साय ने लिखा कि, आज राजभवन में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से मुलाकात की। उन्हें प्रदेश की वर्तमान स्थिति, कृषकों को खरीफ फसल के लिए खाद-बीज की उपलब्धता और छत्तीसगढ़ के विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं से अवगत कराया। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने बृजमोहन अग्रवाल का मंत्री पद से इस्तीफा मंजूर कर लिया। 19 जून को इस्तीफा, 20 जून को इस्तीफा मंजूर और 22 जून को राज्यपाल से मिलने सीएम पहुंच गए, तो कई तरह की चर्चा होने लगी। बृजमोहन ने विधायकी भी छोड़ दी है। अब वो रायपुर के सांसद हैं। उनके पास स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संसदीय कार्य, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग का प्रभार था। जो अब फिलहाल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के पास है। इसे किसी दूसरे मंत्री को नहीं दिया गया है। हालांकि, माना जा रहा है कि जल्द ही इन विभागों का बंटवारा मंत्रियों के बीच होगा। यह भी कहा जा रहा है कि, भाजपा के विधायकों में से किसी को मंत्री बनाया जा सकता है। वरिष्ठता के आधार पर राजेश मूणत, अमर अग्रवाल, अजय चंद्राकर के नामों की चर्चा है।

ओबीसी को नौकरियों में पांच वर्ष की मिले छूट

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग कर रहा अध्ययन, अगले सप्ताह आएगा प्रस्ताव

रांची, 22 जून (एजेंसियां)। राज्य में पिछड़ा वर्ग को राज्य में होने वाली नियुक्तियों में पांच साल की छूट मिले, इसके लिए राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग तैयारी में है। जल्द ही इस मुद्दे को लेकर आयोग प्रस्ताव बनाने जा रहा है। इस प्रस्ताव को आयोग की अगले सप्ताह होने वाली मीटिंग में रखा जाएगा। फिलहाल आयोग प्रस्ताव बनाने को लेकर झारखंड के आसपास के राज्यों की व्यवस्था का अध्ययन कर रहा है। इस अध्ययन के बाद प्रस्ताव तैयार किया जाएगा, जिसे आयोग की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। सभी कैटेगरी की नियुक्तियों में छूट की तैयारी आयोग की ओर से बताया गया है कि राज्य में ओबीसी की संख्या लगभग 50 फीसदी है। लेकिन अभी उन्हें नियुक्तियों में दो वर्ष की ही छूट मिलती है। उन्हें अधिक अवसर मिले, इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद का कहना है कि अभी इस विषय पर विचार चल रहा है।

हम दूसरे राज्यों की व्यवस्था का अध्ययन कर रहे हैं। आयोग की ओर से मिली जानकारी के अनुसार ओबीसी श्रेणी के उम्मीदवारों को जेपीएससी, जेएसएससी सहित अन्य नियुक्ति प्रक्रिया में उम्र सीमा में छूट दी जाएगी।

जानकारी के मुताबिक झारखंड में दो साल, बिहार में तीन साल और छत्तीसगढ़ में ओबीसी कैटेगरी को नियुक्ति में पांच साल की छूट मिलती है। अभी बिहार और छत्तीसगढ़ की व्यवस्था का अध्ययन किया जा रहा है।

ताइवान की आजादी मांगी तो मौत की सजा देगा चीन

अदालत और पुलिस के लिए गाइडलाइन जारी की, देश की अखंडता के लिए उठाया कदम

बीजिंग, 22 जून (एजेंसियां)। चीन ने शुक्रवार को ताइवान की आजादी की मांग करने वाले लोगों को 'मौत की सजा' की धमकी दी है। हालांकि चीन की इस धमकी को बेअसर माना जा रहा है क्योंकि ताइवान की आजादी की मांग चीन में नहीं होती है। ये मांगे ताइवान में होती हैं जहां चीनी अदालत के नियम नहीं चलते।

रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने शुक्रवार को ये नई गाइडलाइन जारी की। इसमें कहा गया है कि ताइवान की आजादी की मांग करने वाले नेताओं के कदम से यदि देश या जनता को किसी भी प्रकार का नुकसान होता है तो मौत की सजा दी जा सकती है। इसके अलावा सजा के तौर पर 10 साल की सजा का भी प्रावधान है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक गाइडलाइन में कहा गया है कि चीन की अदालतें, सरकारी वकील और सुरक्षा से जुड़ी एजेंसियां ताइवान की आजादी चाहने वाले लोगों को देश को बांटने और अलगाववाद भड़काने के आरोप में कड़ी सजा दी जाए। देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता के रक्षा की जानी चाहिए। चीन, ताइवान में पिछले ही महीने राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले लाई चिंग-ते को 'खतरनाक अलगाववादी' मानता है। चीन ने ताइवान के राष्ट्रपति को लेकर दावा किया है कि वो चीन के खिलाफ युद्ध छेड़ना चाहते हैं। वहीं ताइवान के राष्ट्रपति चिंग ते ने चीन के बढ़ते दबाव की शिकायत की है। उनका कहना है कि चीन ताइवान के आसपास द्वीपों के पास आक्रमक तरीके से मिलिट्री एक्शन, कोस्टगार्ड पेट्रोलिंग और ट्रेड सैंक्शन लगा रहा है। चीन ताइवान को अपना ही हिस्सा मानता है। जबकि ताइवान खुद को एक स्वतंत्र देश मानता है। चीन और ताइवान के बीच ये झगड़ा 73 साल से चला आ रहा है। दरअसल, चीन के साथ ताइवान के बीच पहला कनेक्शन 1683 में हुआ था। तब ताइवान क्विंग राजवंश के अधीन हुआ था।अंतरराष्ट्रीय राजनीति में ताइवान की भूमिका 1894-95 में पहले चीन- जापान युद्ध के दौरान सामने आई। जापान ने क्विंग राजवंश को हराकर ताइवान को अपना उपनिवेश बना लिया। इस पराजय के बाद चीन कई भागों में बिखर गया। कुछ साल बाद चीन के बड़े नेता सुन्यात-त्सेन ने चीन को एकजुट करने के उद्देश्य से 1912 में कुओ मिंगतांग पार्टी बनाई। हालांकि उनका रिपब्लिक ऑफ चाइना का अभियान पूरी तरह सफल हो पाता उससे पहले ही 1925 में उनकी की मृत्यु हो गई। इसके बाद कुओ मिंगतांग पार्टी के दो टुकड़े हो गए। नेशनलिस्ट पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी। नेशनलिस्ट पार्टी जनता को ज्यादा से ज्यादा अधिकार देने के पक्ष में थी, जबकि कम्युनिस्ट पार्टी डिक्टेटरशिप में भरोसा रखती थी। इसी बात पर चीन के भीतर गृहयुद्ध शुरू हुआ। 1927 में दोनों पार्टियों के बीच नरसंहार की नौबत आ गई। शंघाई शहर में हजारों लोगों को मार गिराया गया। यह गृह युद्ध 1927 से 1950 तक चला। इसका फायदा जापान ने उठाया और चीन के बड़े शहर मंजूरिया पर कब्जा कर लिया। तब दोनों पार्टियों ने मिलकर जापान का मुकाबला किया और द्वितीय विश्व युद्ध (1945) में जापान से मंजूरिया को छुड़ाने में सफल रहा।

ताजिकिस्तान में हिजाब-ईदी पर बैन

कानून न मानने पर 5 लाख का जुर्माना, राष्ट्रपति बोले- यह असभ्यता का सबूत, देश में 96% आबादी मुस्लिम

दुशांबे, 22 जून (एजेंसियां)। मुस्लिम बहुल देश ताजिकिस्तान ने हिजाब के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। इसके अलावा देश में ईद के त्योहार पर बच्चों को दी जाने वाली ईदी को भी बैन कर दिया गया है। बिश्केक की न्यूज एजेंसी के मुताबिक राष्ट्रपति इमोमाली रहमान ने हिजाब को 'विदेशी परिधान' बताते हुए प्रतिबंध का ऐलान किया है।

नए कानून का पालन न करने पर 60 हजार से 5 लाख रुपए (भारतीय करेंसी में) तक के जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। वहीं अगर कोई धार्मिक या सरकारी अधिकारी इस कानून का पालन नहीं करेगा तो उस पर 3-5 लाख तक का फाइन लगाया जाएगा। ताजिकिस्तान की न्यूज एजेंसी एशिया-प्लस के मुताबिक, सरकार ने ये कदम देश में धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देने के लिए उठाए हैं।

फिजूलखर्च रोकने और बच्चों की सुरक्षा के लिए ईदी पर बैन

करीब एक करोड़ की आबादी वाले ताजिकिस्तानमें 96% से ज्यादा लोग इस्लाम धर्म मानते हैं। देश की धार्मिक कमेटी के

अध्यक्ष सुलेमान दावलत्जोदा ने कहा कि फिजूलखर्च रोकने और बच्चों की सुरक्षा और पढ़ाई पर फोकस बढ़ाने के लिए ईदी पर बैन लगाने का फैसला लिया गया है।

ताजिकिस्तान सरकार के फैसले की पूरे देश में आलोचना हो रही है। मानवाधिकार संगठनों समेत मुस्लिमों से जुड़े कई ग्रुप्स ने नए कानून का विरोध किया है। ताजिकिस्तान में हिजाब के खिलाफ कानून भले ही अब बनाया गया है लेकिन देश में लंबे समय से इस पर अनाधिकारिक बैन लगा हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ताजिकिस्तान की सरकार हमेशा से हिजाब का विरोध करती आई है। वह इसे देश की सांस्कृतिक विरासत के लिए खतरा और विदेशी प्रभाव मानती है। 2015 में राष्ट्रपति इमोमाली रहमान ने हिजाब के खिलाफ आंदोलन भी चलाया था। उन्होंने कहा था कि यह खराब शिक्षा और असभ्यता का सबूत है।

17 साल पहले इस्लामी कपड़ों पर बैन लगा था

हिजाब पर सख्ती 2007 में शुरू हुई थी, जब ताजिक शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों के लिए इस्लामी कपड़ों और पश्चिमी शैली की मिनी स्कर्ट दोनों पर प्रतिबंध लगा दिया। बाद में इस प्रतिबंध को सभी सार्वजनिक संस्थानों तक बढ़ा दिया गया।

इसके बाद सरकार ने ताजिकिस्तान के कपड़ों और परिधान को प्रमोट करना शुरू किया गया। इसके लिए फोन कॉल के जरिए घर-घर तक मैसेज पहुंचाया गया। ताजिकिस्तान के अलावा कजाकिस्तान, अजरबैजान, किर्गिस्तान और कोसोवो जैसे मुस्लिम बहुल देश भी स्कूल, विश्वविद्यालय और सरकारी दफ्तरों में हिजाब और बुर्का पहनने पर बैन लगा चुके हैं।

अंतरिक्ष से सुनीता विलियम्स की वापसी पर मंडराया संकट

स्पेसक्राफ्ट के लौटने का मिशन स्थगित, कोई खतरा तो नहीं?

वॉशिंगटन, 22 जून (एजेंसियां)। अंतरिक्ष यात्रियों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में ले जाने वाले बोइंग स्टारलाइनर को लेकर बड़ी खबर आई है। नासा ने शुक्रवार को जानकारी दी कि अंतरिक्ष यात्रियों के पहले दल को ले जाने वाले स्टारलाइनर की वापसी को स्थगित कर दिया गया है। नासा ने इसके वापसी की कोई नई तारीख नहीं बताई है, जिससे सवाल उठ रहे हैं कि मिशन के दो अंतरिक्ष यात्री कब लौटेंगे। टेस्टिंग और तकनीकी मुद्दों के कारण पहले से ही देरी हुई है। अंतरिक्ष यान की वापसी पहले 26 जून को निर्धारित की गई थी। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स ने 5 जून को उड़ान भरी थी। 2019 के बाद से इसे दो बार बिना मनुष्यों के अंतरिक्ष में भेजा गया है। इसके थ्रस्टर्स को पांच विफलताओं और पांच हीलियम रिसाव का सामना करना पड़ा है। नासा और बोइंग को खराबी का सामना करना पड़ा और अतिरिक्त परीक्षण करने पड़े, जिससे यह सवाल उठता है कि वास्तव में स्टारलाइनर अपने चालक दल को कब तक वापस ला सकेगा। इसके आलावा इस अंतरिक्ष यान की कई समस्याएं सामने आई हैं। कंपनी ने इस प्रोजेक्ट के लिए 4.5 बिलियन डॉलर के नासा डेवलपमेंट कॉन्ट्रैक्ट के अलावा लागत में वृद्धि पर 1.5 बिलियन डॉलर खर्च किए हैं।

बोइंग को मिल सकती है बड़ी राहत

डीओजे मुकदमा नहीं चलाने के लिए कर रहा विचार, रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा

वॉशिंगटन, 22 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) बोइंग के साथ एक ऐसे समझौते पर विचार कर रहा है, जिससे एयरोस्पेस दिग्गज के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने से बचा जा सकेगा। हालांकि, सुरक्षा सुधारों पर कंपनी की प्रगति की निगरानी के लिए एक संघीय पर्यवेक्षक की नियुक्ति की जा सकती है।

क्या सच में चल रहा डीपीए पर विचार?

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले से परिचित लोगों का कहना है कि संभावित वैकल्पिक समझौते की शर्तों, जिसे स्थगित अभियोजन समझौते या डीपीए के रूप में जाना जाता है, पर अभी भी विचार चल रहा है। हालांकि, मामले में शामिल एक अमेरिकी न्याय विभाग के अधिकारी और धोखाधड़ी अनुभाग आपराधिक प्रभाग के प्रमुख ग्लेन लियोन ने एक सिविल पार्टी के वकील को भेजे गए एक ईमेल में कहा कि विभाग ने बोइंग के संबंध में फिलहाल कोई फैसला नहीं लिया है। दरअसल, डीओजे मई में इस निष्कर्ष पर पहुंचा था कि 2018 और 2019 में दो घातक 737

मैक्स दुर्घटनाओं के बाद बोइंग पर आपराधिक समझौते का उल्लंघन करने के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है, जिसमें 346 लोगों की जान चली गई थी।

एक मीडिया रिपोर्ट ने कुछ सूत्रों के हवाले से दावा किया कि काफी बहस के बाद न्याय अधिकारियों ने यह निष्कर्ष निकाला कि बोइंग पर मुकदमा चलाना कानूनी रूप से बहुत जोखिम भरा होगा।

अधिकारियों का यह भी मानना है कि निगरानीकर्ता की नियुक्ति सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण में सुधार सुनिश्चित करने के लिए एक सही तरीका होगा।

पिछले महीने डीओजे ने मामले में न्यायाधीश से कहा था कि वह सात जुलाई से पहले अपना फैसला सुनाएगा। हालांकि, डीओजे के लियोन ने बोइंग के खिलाफ आपराधिक मामले में परिवारों के वकील पॉल कैसेल को ईमेल किया, जिसमें कहा गया था कि ऐसी खबरें झूठी हैं।

विमान का निर्माण करने वाली कंपनी बोइंग ने जून में विभाग के फैसलों पर आपत्ति जताई थी। हालांकि उसने सुरक्षा संकट की गंभीरता को स्वीकारा था। सीईओ डेव कैलहोन ने सदन को बताया था कि बोइंग कार्रवाई कर रही है। वहीं न्यायाधीश ने जनवरी 2021 में एक शुरुआती डीपीए का एलान किया था, जिसमें बोइंग ने 737 मैक्स के प्रमाणीकरण पर धोखाधड़ी के आरोपों को निपटाने के लिए 2.5 अरब डॉलर का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की थी। साल 2023 की शुरुआत से निर्माता को अपने वाणिज्यिक विमानों पर कई उत्पादन और गुणवत्ता नियंत्रण समस्याओं का सामना करना पड़ा है। वहीं जनवरी में उड़ान के बीच घटनाएं हुईं। दरअसल, अलास्का एयरलाइंस 737 मैक्स 9 का दरवाजा खुल गया था।

न्याय विभाग का कहना था कि बोइंग द्वारा प्रारंभिक समझौते के कई प्रावधानों का उल्लंघन, जिसमें धोखाधड़ी का पता लगाने और उसे रोकने के लिए आंतरिक नियंत्रण को मजबूत करने के उपाय भी शामिल हैं, के कारण कंपनी पर मुकदमा चलाया जा सकता है। पीड़ितों के परिवारों ने बोइंग और उसके अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग की है और लगभग 25 अरब डॉलर का जुर्माना मांगा था।

घरेलू नीति पर भारी गाजा नरसंहार का मुद्दा

डेमोक्रेट मेयर ने हमास युद्ध को लेकर बाइडन पर साधा निशाना

वॉशिंगटन, 22 जून (एजेंसियां)। हमास और इजरायल बीते आठ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजरायल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। गाजा में इजरायल द्वारा की जा रही कार्रवाई को नरसंहार बताया जा रहा है।

हालांकि, अमेरिका इस बात से इनकार कर चुका है। अब इसी मुद्दे को लेकर दो साल पहले डियरबॉर्न के पहले मुस्लिम मेयर के रूप में चुने गए अब्दुल्ला हम्मूद ने राष्ट्रपति जो बाइडन पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि गाजा में हुआ नरसंहार घरेलू नीति पर भारी पड़ सकता है। हम्मूद ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, 'मैं सबसे पहले यह कहना चाहूंगा कि हम डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस में दोबारा निर्वाचित होते नहीं देखना चाहते हैं। मगर लोग प्रेरित होकर आगे आना चाहते हैं।'

डियरबॉर्न की राजनीति पर नजर

बता दें, डियरबॉर्न हेनरी फोर्ड के जन्मस्थान और फोर्ड मोटर कंपनी के मुख्यालय के रूप में प्रसिद्ध डेट्रोइट के उपनगर डियरबॉर्न की जनसंख्या लगभग 110,000 है, जिनमें से 55 प्रतिशत लोग मध्य पूर्वी या उत्तरी अफ्रीकी मूल के हैं। साल 2022 में यहां के मतदाताओं ने बाइडन को भारी समर्थन किया था। इस साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए भी कयास लगाए जा रहे हैं कि बाइडन को ही समर्थन मिलेगा। हम्मूद जनवरी में उस समय चर्चाओं में आ गए, जब उन्होंने मुस्लिम वोटों को अपनी ओर करने के लिए बाइडन के चुनावी अभियान में लगे लोगों से मिलने के न्योते को ठुकरा दिया था। उसके बाद उन्होंने एक नया अभियान चलाया, जिससे मिशिगन के डेमोक्रेटिक प्राइमरी में 100,000 से अधिक मतदाताओं ने इजरायल पर बाइडन की नीति के विरोध में सुर उठाए।

गाजा के बाद अब लेबनान पर हमला करने की तैयारी में इजरायल

क्या है हिजबुल्लाह की ताकत, अमेरिका भी डर रहा

तेल अवीव, 22 जून (एजेंसियां)। गाजा में जारी युद्ध के बीच इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच भी संघर्ष बढ़ने की आशंका गहराती जा रही है। इजरायली सेना हिजबुल्लाह को निशाना बनाने के लिए लेबनान पर हमला कर सकती है। इजरायल की हिजबुल्लाह को लेकर चिंता की बड़ी वजह उसके पास मौजूद हथियार हैं। हिजबुल्लाह एक ऐसा संगठन है, जिसे दुनिया के सबसे भारी हथियारों से लैस नॉन-स्टेट एक्टर के तौर पर पहचाना जाता है। हिजबुल्लाह के पास खतरनाक हथियारों का जखीरा होने की रिपोर्ट से इजरायल ही नहीं अमेरिका भी डर में है।

वॉरजोन की रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह के शस्त्रागार से इजरायल के लिए खतरे को कम करके नहीं आंका जा सकता है। इजरायली चिंताओं का कारण ईरान से हिजबुल्लाह को मिले हथियार हैं। ईरान से हिजबुल्लाह को हथियारों की पहुंच रोकने के लिए

कई उपाय किए गए हैं। इसके बावजूद हिजबुल्लाह इजरायल के लिए एक गंभीर खतरा है। विशेष रूप से इजरायल में टारगेट तक पहुंच के मामले में हिजबुल्लाह की ताकत हमास के मुकाबले कहीं ज्यादा है। अब तक आईडीएफ और हिजबुल्लाह के बीच गोलीबारी सीमित रही है, लेकिन आशंका है कि वृद्धि आसन्न हो सकती है। अमेरिका ने हिजबुल्लाह से निपटने के लिए इस क्षेत्र में एक कैरियर स्ट्राइक ग्रुप और कई अतिरिक्त लड़ाकू विमान भेजे हैं। हिजबुल्लाह ने बदले में क्षेत्र में अमेरिकी नौसैनिक उपस्थिति के खिलाफ धमकी दी है। वे धमकियां उतनी खोखली नहीं हैं, जितना कुछ लोग सोच सकते हैं। इस क्षेत्र में व्यापक संघर्ष में हिजबुल्लाह के प्रवेश के संभावित रूप से भारी परिणाम होंगे। हिजबुल्लाह के पास न केवल एक बड़ी जमीनी ताकत है, बल्कि मिसाइलों, लंबी दूरी के रॉकेट और आत्मघाती ड्रोन का विशाल भंडार है। इजरायल घनी आबादी वाले गाजा पट्टी पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और हमास के हमलों का मुकाबला करने में व्यस्त है। इसके बीच हिजबुल्लाह के छोटे और लंबी दूरी के हमले इजरायल की हवाई सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे पूरे देश में बमबारी का खतरा हो सकता है। इसके अलावा हिजबुल्लाह का सीरिया में एक बड़ा प्रभाव है, साथ ही ईरानी शासन के साथ उसका सीधा संबंध भी है। इससे यह संघर्ष इजराइल और दक्षिणी लेबनान से आगे तक फैल सकता है और एक क्षेत्रीय विस्फोट बन सकता है। हिजबुल्लाह की पास जो हथियार हैं, उनमें रॉकेट सबसे खास है। एक अनुमान के मुताबिक, 2016 में हिजबुल्लाह के पास करीब 1,50,000 रॉकेट थे, जो अब और बढ़ गए होंगे। जाहिर है कि ये इजरायल में बड़े पैमाने पर तबाही मचा सकते हैं। हिजबुल्लाह के पास एसआरबीएम 1,000 किलोमीटर (620 मील) या उससे कम की रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइलें हैं।

पूर्वी एशिया में बढ़ा तनाव

रूस-उत्तर कोरिया में समझौते के बाद अमेरिकी युद्धपोत पहुंचा दक्षिण कोरिया

मास्को, 22 जून (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 सालों में पहली बार इस हफ्ते उत्तर कोरिया का दौरा किया और वहां के शासक किम जोंग उन के साथ एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किया। इसी बीच शनिवार को परमाणु ऊर्जा से चलने वाला एक अमेरिकी विमानवाहक जहाज थियोडोर रूजवेल्ट दक्षिण कोरिया के बंदरगाह शहर बुसान पहुंचा है।

दक्षिण कोरिया की नौसेना के मुताबिक ये जहाज इस दक्षिण कोरिया और जापान के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास में शामिल होगा। बता दें कि अगस्त 2023 में कैंप डेविड शिखर सम्मेलन में तीनों देशों के नेताओं ने वार्षिक सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास आयोजित करने पर सहमति जताई थी, क्योंकि उन्होंने दक्षिण चीन सागर के विवादित जलमार्ग में चीन के खतरनाक और आक्रामक व्यवहार की निंदा की थी।

राफा में इजराइली सुरक्षाबलों की बमबारी में 25 की मौत

50 जख्मी, 26 मई के बाद दूसरा बड़ा हमला, तब 45 लोग मारे गए थे

यरूशलम, 22 जून (एजेंसियां)। इजराइल के सुरक्षाबलों ने शुक्रवार (21 जून) को गाजा के दक्षिणी शहर राफा के पास अल-मवासी में फिलिस्तीनियों के टेंट कैंप पर बमबारी की। इसमें कम से कम 25 लोग मारे गए और 50 घायल हो गए। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने हमले की जानकारी दी। यह छोटे फिलिस्तीनी क्षेत्र में नया घातक हमला था, जहां इजराइल और हमास के बीच लड़ाई में सैकड़ों हजार लोग भाग गए हैं। राफा में सिविल डिफेंस फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स के प्रवक्ता अहमद रादवान के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने दो जगहों पर बमबारी की जानकारी दी। वहीं, इजराइली सेना ने कहा कि मामले की समीक्षा की जा रही है, लेकिन इस बात का कोई संकेत नहीं है कि इजराइल डिफेंस फोर्स ने हमला किया था। इजराइल ने किसी अन्य हमले या उनके निशाने को लेकर कोई जानकारी भी नहीं दी। इजराइल अक्सर कहता रहा है कि वह हमास के लड़ाकों और ठिकानों को निशाना बनाता है। वह हमलों में आम नागरिकों की मौत को कम करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, इजराइल का यह भी कहना है कि आतंकवादी आबादी के बीच रहकर काम करते हैं। इसलिए हमलों में बेगुनाह लोगों की भी जान जाती है। 21 जून की घटना एक महीने के भीतर गाजा में इजराइल का यह दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले रविवार (26 मई) को इजराइल ने राफा के रिफ्यूजी कैंप पर हवाई हमले किया था। इसमें 45 लोगों की मौत हो गई और 200 से ज्यादा घायल हो गए। मरने वालों में ज्यादातर बच्चे और महिलाएं थीं। सीएनएन की खबर के मुताबिक, गाजा के अधिकारियों और फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने कहा हमला रिफ्यूजी कैंप पर हुआ। अधिकारियों ने बताया कि इजराइली कब्जे वाले इन क्षेत्रों को सेना ने सेफ जोन घोषित किया था, लेकिन जब विस्थापितों को यहां पर रखा गया तो हमला किया गया। वहीं, इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने हमले की पुष्टि की और कहा कि उसने राफा में हमास कंपाउंड पर हमला किया, जिसमें कुछ समय पहले हमास के आतंकवादी काम कर रहे थे।

रविवार को ही हमास की अल-कासिम बिग्रेड ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव में बड़ा मिसाइल हमला किया था। हमास की रक्षा शाखा अल-कासिम बिग्रेड ने कहा था कि इजराइली नरसंहार के जवाब में ये कार्रवाई हुई है। बाद में इजराइली सेना ने भी माना कि राफा से 8 रॉकेट दागे गए थे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक इसे जनवरी के बाद से इजराइल पर हमास का पहला बड़ा हमला माना जा रहा है। हमास अल-अक्सा टीवी ने बताया कि रॉकेट हमले गाजा पट्टी से किए थे।

धर्म को हथियार बनाया जा रहा

मंत्री ने कुरान की बेअदबी के आरोप में व्यक्ति की हत्या की निंदा की

इस्लामाबाद, 22 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के योजना मंत्री अहसान इकबाल ने स्वात शहर में कुरान की कथित बेअदबी के आरोप में भीड़ द्वारा व्यक्ति की हत्या किए जाने की घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि सड़क पर भीड़ के न्याय को सही ठहराने के लिए धर्म को हथियार बनाया जा रहा है।

'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक, सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेता इकबाल ने नेशनल असेंबली में बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि भीड़ द्वारा न्याय की इस घटना का कड़ा संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसने पाकिस्तान को बर्बादी के कगार पर ला दिया है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात शहर में कुरान की कथित बेअदबी के लिए गुस्साई भीड़ ने गुरुवार रात एक पर्यटक की मारकर हत्या की। उसके बाद उसे घसीटते हुए पूरे शहर में घुमाया गया। बाद में उसे सरेआम फांसी पर लटकाया गया। पंजाब प्रांत के सियालकोट निवासी मुहम्मद इस्माइल (40 वर्षीय) स्वात शहर घूमने आया था। उस पर स्वात जिले के मद्यान तहसील में कुरान के पन्ने जलाने का आरोप लगाया गया। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के उपसभापति गुलाम मुस्तफा शाह उन्हें रोकते रहे लेकिन इकबाल ने कहा, स्वात में एक और मॉब

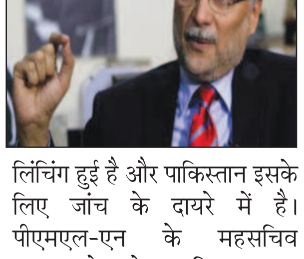

लिंचिंग हुई है और पाकिस्तान इसके लिए जांच के दायरे में है। पीएमएल-एन के महसचिव इकबाल ने आगे कहा कि अगर इस तरह की घटनाएं होती रही तो हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं।

1985 के एयर इंडिया कनिष्क बम धमाके की जांच जारी

कनाडाई पुलिस ने जारी किया बयान

ओटावा, 22 जून (एजेंसियां)। कनाडा की पुलिस ने 39 साल पहले एयर इंडिया के उड़ान-182 में हुए बम धमाके को लेकर कहा कि इसकी जांच जारी है। पुलिस ने इसे सबसे लंबी और ओर सबसे जटिल 'घरेलू आतंकवाद' के मामले की जांच करार दिया।

23 जून 1985 को एयर इंडिया की कनिष्क उड़ान लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने वाली थी। लेकिन उससे 45 मिनट पहले ही उसमें विस्फोट हो गया था। जिसमे सवार सभी 329 लोग मारे गए थे। इनमें से ज्यादातर भारतीय मूल के कनाडाई थे।

रॉयल कनाडाई माउटेंड पुलिस (आरसीएमपी) के सहायक आयुक्त डेविड टेबोल ने शुक्रवार को एक बयान जारी किया और इस बमबारी को इतिहास में कनाडा के लोगों को प्रभावित करने वाली और आतंकवादी घटना से जुड़ा सबसे बड़ा नुकसान करार दिया। उन्होंने कहा, एयर इंडिया मामले की जांच हमारे इतिहास में की गई सबसे लंबी और निश्चित रूप से सबसे जटिल घरेलू आतंकवाद की जांच में से एक है। हमारे जांच जारी है। टेबोल ने कहा कि इस बमबारी के प्रभाव समय के साथ कम नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन धमाकों ने पीढ़ियों को प्रभावित किया है। हमें इस त्रासदी और आतंकवाद की अन्य घटनाओं में मारे गए निर्दोषों को कभी नहीं भूलना चाहिए। कनाडाई पुलिस की ओर से यह बयान तब सामने आया है जब भारतीय वाणिज्य दूतावासों ने इन बम धमाकों की बरसी पर कार्यक्रमों की योजना बनाई है। वैंकूवर के स्टेनली पार्क के सेपरले प्लेग्राउंड क्षेत्र में एयर इंडिया स्मारक में 23 जून को कार्यक्रम तय है। वहीं, एक और स्मारक टोरंटो के क्वीन्स पार्क के सर्विस साउथ लॉन में है। पिछले साल खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा और भारत के संबंध तनावपूर्ण चल रहे हैं।

जनता से जुड़े 10 विधेयक दिल्ली में अटके
अब भजनलाल सरकार बना रही प्लान

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। जनता से जुड़े 10 विधेयक राजस्थान विधानसभा से पारित होने के बावजूद दिल्ली में अटके हुए हैं। इससे धर्मान्तरण पर सख्ती वाला धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 16 साल से अधर में है और इसमें लव जिहाद जैसा प्रावधान जोड़कर नए सिरे से लाने पर विचार हो रहा है। वहीं, बिरादरी में प्रतिछा के नाम पर हो रही ऑनर किलिंग रोकने, मिलावटखोरों पर शिकंजा कसने के लिए उम्रकैद और किसानों की पांच एकड़ तक की भूमि को कुर्की से बचाने जैसे प्रावधान लागू नहीं हो पा रहे हैं। एक जुलाई से नए आपराधिक कानूनों के लागू होने के कारण दिल्ली में विचाराधीन विधेयकों की उपयोगिता पर भी नए सिरे से मंथन करना पड़ सकता है। वहीं, प्रदेश को अब अटके विधेयकों के संबंध में डबल इंजन सरकार का फायदा मिल सकता है।

धर्म स्वातंत्र्य विधेयकः गुजरात की तर्ज पर तैयार विधेयक 20 मार्च 2018 को विधानसभा ने पारित किया, जो दिल्ली में विचाराधीन है। इसे भजनलाल सरकार वापस लेने की तैयारी में है। इसके लिए उत्तर प्रदेश विधि-विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की तर्ज पर विधेयक पर मंथन शुरू हो गया है। यह करना होगाः पहले धर्म स्वातंत्र्य विधेयक वापस लेने के लिए विधानसभा से विधेयक पारित करना होगा। इसके बाद नए कानून के लिए विधेयक पारित करना होगा।

राजस्थान लिचिंग से संरक्षण विधेयक

भीड़ द्वारा हमला करने की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए 5 अगस्त 2019 को विधेयक पारित किया, जिसे पहलू खान की हत्या के मामले को आधार बनाते हुए लाया गया। अबः भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (2) में पांच या उससे अधिक लोगों के किसी पर हमला कर मार देने पर आजीवन कारावास व फांसी की सजा और जुर्माने का प्रावधान। धारा 117 (4) में पांच या अधिक लोगों के किसी पर हमला करने से गंभीर चोट पहुंचने पर सात साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान।

सिविल प्रक्रिया संहिता (राजस्थान संशोधन) विधेयकः पांच एकड़ तक कृषि भूमि की कुर्की रोकने के लिए 2 नवम्बर 2020 को विधेयक पारित, जिसे राज्यपाल ने जनवरी 2022 में राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा।

रजिस्ट्रीकरण (राजस्थान संशोधन) विधेयक : मुख्ख्यारनामा (पॉवर ऑफ अटॉर्नी) के जरिए संपतियों का हस्तांतरण रोकने के लिए 17 सितम्बर 2021 को पुराने पंजीयन अधिनियम में संशोधन का प्रावधान। अधिवक्ता संरक्षण अधिनियमः अधिवक्ताओं को संरक्षण के लिए 2023 में विधेयक पारित। नाथद्वारा मन्दिर (संशोधन) विधेयकः मंदिर के प्रबंध मंडल के संबंध में संशोधन के लिए फरवरी 2023 में विधेयक पारित।

राजस्थान कारागार विधेयकः 1897 के जेल अधिनियम में हाईकोर्ट के निर्देश पर 2023 में संशोधन। राजस्थान कृषि उपज मण्डी (संशोधन) विधेयकः मंडी परिसर से बाहर खरीद-बेचान पर शुल्क का प्रावधान पुनः करने के लिए 2022 में विधेयक पारित।

इन पर करना पड़ सकता है पुनर्विचार

राजस्थान सम्मान और परम्परा के नाम पर वैवाहिक संबंधों की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप का प्रतिषेध विधेयकः सम्मान और परम्परा के नाम पर परिवार की इच्छा के विरूद्ध प्रेम विवाह करने वालों की हत्या की घटनाओं को रोकने के लिए पांच अगस्त 2019 को विधेयक पारित किया।

राजस्थान संगठित अपराध का नियंत्रण विधेयकः प्रदेश में गिरोह बनाकर अपराध करने की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए आजीवन कारावास का प्रावधान कर 18 जुलाई 2023 को महाराष्ट्र के मकोका की तर्ज पर राजस्थान संगठित अपराध का नियंत्रण विधेयक पारित। अब भारतीय न्याय संहिता की धारा 111 में संगठित अपराध के मामलों में सजा के प्रावधान हैं।

दण्ड विधियां विधेयकः मिलावटखोरी रोकने के लिए खाने-पीने या दवाइयों में मिलावट के लिए आजीवास कारावास की सजा का प्रावधान कर 18 सितम्बर 2021 को दण्ड विधियां (राजस्थान संशोधन) विधेयक पारित किया। अब भारतीय न्याय संहिता की धारा 274, 276 व 277 में 6 माह से एक वर्ष तक की सजा और जुर्माने के प्रावधान।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने आदिवासियों को लेकर दिया विवादित बयान

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में भारतीय आदिवासी पार्टी के नेताओं द्वारा खुद को हिंदू नहीं मानने पर पहले से सियासत गरमाई हुई है। इसी बीच शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने आदिवासियों को लेकर विवादित बयान दे डाला। दिलावर ने आदिवासी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके डीएनए की जांच करा लेंगे। मंत्री दिलावर के बयान के बाद सांसद राजकुमार रोत ने पलटवार करते हुए कहा कि मंत्री को टेस्ट की जरूरत है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि देश को तोड़ने की गतिविधियां शुरू करेंगे तो वह बर्दाश्त नहीं करेंगे।

आदिवासियों के अपने आपको हिंदू नहीं मानने के सवाल पर दिलावर ने कहा कि यह तो पूर्वजों से पता चल जाएगा। वंशावली लिखने वालों से पूछ लेंगे। उनके डीएनए की भी जांच करवा लेंगे।

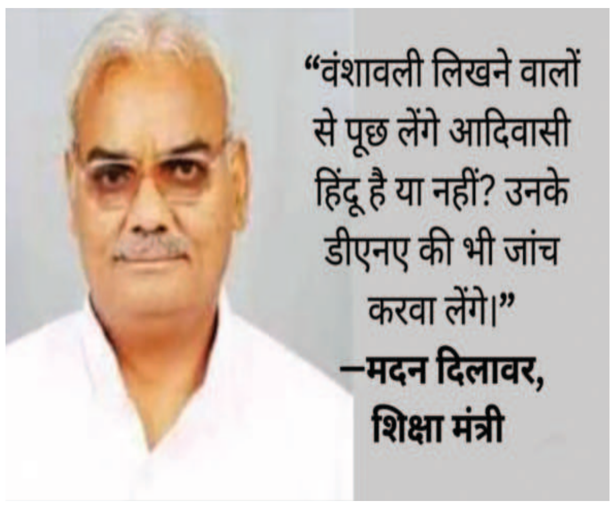

दिलावर की मानसिकता की जांच करवानी चाहिए : सांसद रोत

आदिवासियों को लेकर की गई टिप्पणी पर बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि इस तरह की भाषा संवैधानिक पद पर बैठे मदन दिलावर को शोभा नहीं देता।

दिलावर को अपनी मानसिकता की जांच करवानी चाहिए। शिक्षा में क्या काम किया, आदिवासियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में क्या कर रहे हो? इस तरह की बातें करने की जगह धर्म पर आकर अटक जाते हो। इस का जवाब आदिवासी जरूर देंगे। सच तो यह है कि मदन दिलावर को जरूरत है जांच करवाने की तो।

क्यों दिया दिलावर ने ऐसा बयान?

बता दें कि हाल ही में डूंगरपुर बांसवाड़ा सांसद राजकुमार रोत ने कहा था कि मैं हिंदू नहीं हूं और आदिवासी का धर्म हिंदू नहीं है। उन्होंने कहा था कि हिंदुओं का रीति रिवाज अलग है और आदिवासी जाति समुदाय अलग है, आदिवासी जाति हिंदू नहीं है। उन्होंने कहा कि किस ग्रंथ में लिखा हुआ है कि राजकुमार नाम हिंदू धर्म का है। हम हिंदू धर्म नहीं मानते, न हीं ईसाई धर्म मानते हैं।

सीएम भजनलाल से मिले किरोड़ी लाल मीना
मुलाकात को पूरी तरह से रखा गया गुप्त

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों में हार पर मंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा करने के बाद सचिवालय नहीं जा रहे कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीना ने एकाएक रुख बदला और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। यह मुलाकात गुरुवार को हुई, जब मीना जयपुर में थे। इस मुलाकात को पूरी तरह से गुप्त रखा गया है। मुलाकात के बाद किरोड़ी लाल मीना सवाईमाधोपुर पहुंचे और वहीं से किसानों को लेकर हुई प्री बजट मीटिंग में ऑनलाइन जुड़े।

उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार सीएम भजनलाल शर्मा और किरोड़ी लाल मीना की मुलाकात करीब पौन घंटे चली। इस मुलाकात में किरोड़ी लाल मीना के गिले-शिकवे सुने गए। सीएम ने पूरा समय देकर उनकी बात सुनी। सीएम ने यह भी आश्वासन दिया कि उनके जो भी मुद्दे हैं, उन्हें आलाकमान की जानकारी में लाया गया है।

बताया जा रहा है कि किरोड़ी लाल मीना इस बात से ज्यादा नाराज हैं कि मंत्री बनने के बाद विभागों का जो बंटवारा हुआ था। उसमें मीना को दिए विभागों को कई मंत्रियों के बीच बांट दिया गया था। इसके बाद किरोड़ी लाल मीना अपने भाई को दौसा लोकसभा से टिकट दिलवाने की मांग करते रहे, लेकिन पार्टी ने उनकी भी बात नहीं मानी।

मृत हिरणों का हुआ पोस्टमार्टम, रेंजर और वन रक्षक निलंबित, आंदोलन समाप्त

श्रीगंगानगर, 22 जून (एजेंसियां)। जैतसर थाना क्षेत्र के चक 2 एलसी के हिरण शिकार प्रकरण में प्रधान मुख्य वन संरक्षक जयपुर ने क्षेत्रीय वन अधिकारी अशोक सिंह और वन रक्षक तेजपाल सिंह को निलम्बित कर दिया है। बिश्नोई मंदिर समिति बुड्ढा जोहड़ डाबला के ज्ञापन और उप वन संरक्षक श्रीगंगानगर की रिपोर्ट के आधार पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने इन दोनों को दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही का दोषी मानते हुए निलम्बन की कार्यवाही की है। निलम्बन काल में इनका मुख्यालय संभागीय मुख्य वन संरक्षक बीकानेर कार्यालय रहेगा।

जैतसर क्षेत्र के गांव दो एलसी में गुरुवार सुबह मृत मिले दो हिरणों के शिकार के बाद आक्रोशित वन्यजीव प्रेमियों की ओर से हिरणों के शवों के साथ रायसिंहनगर-जैतसर-पदमपुर सडक़ मार्ग पर तीन दिन से धरन लगाकर आंदोलन किया जा रहा था। वन विभाग रायसिंहनगर के रेंजर व वनरक्षक के निलंबन के साथ ही वन्यजीव प्रेमियों की सभी मांगों को मान लेने पर धरना समाप्त कर दिया गया। उपखण्ड अधिकारी व सीओ रायसिंहनगर की मौजूदगी में हिरणों के शवों को करीब 38 घंटे बाद पोस्टमार्टम करवाकर दफना दिया गया।

इससे पूर्व दूसरे दिन बिश्नोई सभा के आह्वान पर श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं अनूपगढ़ जिले से बिश्नोई समाज के लोग घटनास्थल पर पहुंचे एवं धरने में शामिल हुए। हिरणों के शवों को डीप फ्रीज में रखकर उनकी आत्मिक शांति के लिए हरि स्मरण पाठ प्रारंभ किया गया। बिश्नोई सभा डाबला के अध्यक्ष अरविंद सिहाग,पूर्व अध्यक्ष सीताराम मांझू, दलीप सिगड़, जीव रक्षा बिश्नोई सभा के मुकेश सुथार बिश्नोई, मनसुख बिश्नोई, विजय भादू, संदीप रिणवां, सहकारी भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष कालू थोरी, सूरतगढ़ बिश्नोई सभा के पूर्व अध्यक्ष भागीरथ कड़वासरा, कांग्रेस नेता अमित कड़वासरा, पूर्व प्रधान हरीराम मेघवाल, अनिल धारिणयां, डाबला सरपंच रजनीश ज्याणी, पूर्व सरपंच अरविंद बिश्नोई, ताराचंद धारिणयां, रामस्वरुप तरड़, पीसीसी सचिव गगन विड़िंग सहित ग्रामीण धरने में शामिल हुए एवं वन विभाग की कार्यशैली पर अक्रोश जताया।

धरना स्थल पर सभा में रायसिंहनगर भूमि विकास बैंक के चैयरमैन कालू थोरी ने कहा कि गाय का शिकार करने पर सरकार तुरंत एक्शन लेती है,परंतु हिरण के शिकार पर समाज को संघर्ष करना पड़ रहा है। वन विभाग के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि एक पौधा दस-पन्द्रह साल में बड़ा होता है और वन विभाग के भ्रष्ट अधिकारी दो घंटे में उस पेड़ को कटवा देते हैं। कांग्रेस नेता अमित कड़वासरा ने कहा कि भ्रष्ट अधिकारियों की शह पर सरेआम पेड़ काटे जा रहे हैं। शिकार की घटनाएं भी आम हो चुकी हैं।

विभिन्न मंडियों से धरनास्थल पर पहुंचे बिश्नोई समाज के प्रबुद्धजनों की 21 सदस्यीय समिति का गठन कर रायसिंहनगर उपखण्ड अधिकारी सुभाषचन्द्र व सीओ अनु बिश्नोई से दोपहर करीब तीन बजे वार्ता प्रारंभ हुई। वार्ता में पूर्व विधायक बलवीर लूथरा भी शामिल हुए। चार चरणों में हुई वार्ता में अंततः वन विभाग रायसिंहनगर रेंजर अशोक सिंह व वनरक्षक तेजपाल को निलंबित करने, शिकार में मारे गए अन्य हिरणों के शव बरामद करने, शिकार के प्रयोग में लिए गए हथियारों को बरामद कर आम्र्स एक्ट में मामला दर्ज करने, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 9/51 में मामला दर्ज कर हिरणों के पोस्टमार्टम से पहले शिकारियों की गिरफ्तारी करने, वन विभाग के भ्रष्ट अधिकारियों को हटाने, वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाने, शिकारियों के घर बुलडोजर चलाने व संपत्ति कुर्क करने व बिश्नोई मंदिर की ओर से संचालित रेस्क्यू सेंटर के प्रोजेक्ट को अतिशीघ्र पूर्ण करने के मांग पत्र पर सहमति बन गई।

निर्वाचन आयोग का एक्शन
उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी का पर्चा निरस्त

बांसवाड़ा, 22 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के बांसवाड़ा में निर्वाचन आयोग पंचायतीराज संस्थाओं में रिक्त पदों पर उपचुनाव कराने जा रहा है। इसके तहत किसी भी उम्मीदवार ने नाम वापस नहीं लिया। इस बीच, एक पर्चा निरस्त किया गया है। रिटर्निंग अधिकारी, जिला परिषद् सदस्य निर्वाचन (कलक्टर) डॉ. इन्द्रजीत यादव ने बताया कि वार्ड संख्या 4 के सदस्य के निर्वाचन को लेकर पेश नामांकन पत्रों की संवीक्षा की गई। इसमें भाजपा प्रत्याशी मनोहर ने प्रस्तुत नामांकन पत्र में राजनीतिक दल के अभ्यर्थी के पक्ष में प्रारूप पेश नहीं करने और 5 प्रस्तावकों के हस्ताक्षर नहीं होने से नाम निर्देशन पत्र निरस्त किया गया।

राजनीतिक दलों का आज बुलावा

पंचायत उपचुनाव के रिक्त पद के उपचुनाव को लेकर शनिवार को सुबह 10 बजे ईवीएम एफएलजी कराने के लिए भाजपा, आम आदमी पार्टी, बसपा, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया (मार्क्ससिस्ट), कांग्रेस और लोजपा के प्रतिनिधियों को ईवीएम वेयर हाउस बुलाया गया है। यह जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत)(एडीएम) अभिषेक गोयल ने दी।

पार्षद बोले, फेरो कवर के लिए बजट नहीं और खरीद रहो हो नए वाहन

श्री गंगानगर, 22 जून (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर. नगर परिषद बोर्ड की साधारण सभा की बैठक महज डेढ़ घंटे में निपट गई। नगर परिषद सभागार में हुई बैठक में पार्षदों के आरोप प्रत्यारोप के बीच आठ में से सात एजेंडे पारित किए गए। इसमें मुख्य रूप से सफाई ठेके के करीब सात करोड़ के बजट को मंजूरी, सात नए वाहनों की खरीद, नगर परिषद की मौजूदा बिल्डिंग को जमींदोज कर नई बिल्डिंग बनाने, खराब ऑटो टीपरों की मरम्मत करना शामिल किया गया। सभापति गगनदीप कौर पांडे और आयुक्त यशपाल आहुजा ने पार्षदों की समस्याओं को सुना और हल कराने का आश्वासन दिया। बैठक में कुल पन्द्रह पार्षद गैर हाजिर रहे, इसमें पूर्व सभापति करुणा चांडक भी शामिल थी।

इस बैठक में पार्षद दलीप लावा ने व्यंग्य कसते हुए कहा कि एक फेरो कवर खरीद के लिए नगर परिषद के खजाने में धन नहीं है और नए वाहनों की खरीद करने के लिए सब्जबाग दिखाए जा रहे हैं। लावा का कहना था कि उनके वार्ड में मुख्य नालों को कवर करने के लिए जब फेरो कवर उपलब्ध की मांग तो आयुक्त और सभापति दोनों ने बार बार खजाना खाली का राग अलपाया। अब नए वाहनों की खरीद और नई बिल्डिंग बनाने की कोरी वाहवाही बटोरी जा रही है।

पार्षद रामगोपाल यादव ने अग्रसेननगर के प्रथम और द्वितीय स्कीम के लोगों को पटट्े नहीं बनाने के बारे में आयुक्त से सवाल जवाब किए। यादव का कहना था कि लोकसभा चुनाव की आचार संहिता से पहले आपकी टेबल पर 43 फाइलें आ चुकी थी, फिर भी साइन नहीं किए जबकि अन्य एरिया के पटट्े बनाने में देर नहीं की। पार्षद ओमी मित्तल का कहना था कि अग्रसेननगर के पटट्े बनाने की अड़चन को जानबूझकर दूर नहीं किया जा रहा है। इस पर आयुक्त का कहना था कि यह प्रक्रिया जल्द अपनाई जाएगी।

पार्षद सुशील चौधरी पप्पू का कहना था कि जब खजाना खाली है तो फिर चर्चा किस बात की जा रही है। कमला बिश्नोई का कहना था कि रोड लाइट की समस्या ज्यादा है। राजकोष में खजाना नहीं है, इस कारण कचरा उठाव करने वाले टैम्पू चालक और हैल्पर अपने वेतन के लिए आए दिन हड़ताल करते हैं। कौशल्या स्याग का कहना था कि मुख्य नाले की सफाई नहीं है। पार्षद रीतू धवन बोली कि उनके वार्ड में जेंटस कार्मिक कम है, यह संख्या बढ़ाई जाए। पार्षद कमल नारंग बोले कि पिछले दो महीने से इलाके में प्रचंड गर्मी रही, हरियाली को बढ़ावा देने के लिए ट्री गार्ड और पौधारोपण मुहिम चलाई जाए।

पार्षद अशोक मुंजराल ने नगर परिषद एक्सईएन पर गंभीर आरोप लगाए। मुंजराल का आरोप था कि अतिक्रमण हटाने की बजाय दुकानदार को अभयदान दे दिया। सड़क भूमि में बेसमेंट तक निर्माण करने की शिकायत जब उन्होंने एक्सईएन से की तो आश्वासन देते रहे और फिर निर्माण कराने में खुली छूट दे दी।

लंदन में छाए सचिन पायलट
सेल्फी लेने की मची होड़, सोशल मीडिया पर जमकर हो रहे वायरल

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। जयपुर। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद पूर्व डिफ्टी सीएम सचिन पायलट लंदन यात्रा पर है। इस समय पायलट लंदन में कई संवाद कार्यक्रमों में भाग ले रहे है। इन दिनों में सचिन पायलट सोशल मीडिया पर जमकर छा रहे है। टॉप ट्रेंडिंग में सचिन पायलट बने हुए है। वजह यह है कि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में पायलट को सेशन में गेस्ट के तौर पर बुलाया गया है। वहां पर यूथ में पायलट के साथ सेल्फी लेने की होड़ दिखाई दे रही है। इस सेशन के दौरान पायलट ने भारतीय चुनाव और भारतीय मतदाताओं की बदलती अपेक्षाओं को लेकर जानकारी दी।

इस दौरान पायलट ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के संबंध में अच्छे से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके गठबंधन सहयोगी संसद के भीतर और बाहर विपक्ष की जिम्मेदार भूमिका निभाएंगे। आज शनिवार को भी पायलट कैम्ब्रिज इंडिया कॉन्फ्रेंस, 2024 में भाग लेंगे। पायलट ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी भी दी है। उन्होंने लिखा है कि "भारत की सदी" विषय पर बातचीत का हिस्सा बनना दिलचस्प होगा और मैं कैम्ब्रिज में प्रतिभाशाली युवा दिमागों के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं।

इससे पहले पायलट ने लंदन में एलएसई न्यूज के एक कार्यक्रम में भाग लिया। पायलट ने इसके बारे में जानकारी देते हुए बताया है कि इस कार्यक्रम में प्रोफेसर्स एवं छात्रों के साथ संवाद हुआ। मुझे खुशी है कि भारतीय राजनीति सहित अनेक वैश्विक मुद्दों पर आधारित इस कार्यक्रम में छात्रों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन है वो अपने वोट की ताकत को पहचानती है।

मौसम विभाग की बड़ी चेतावनी
आंधी के साथ होगी झमाझम बारिश, अलर्ट जारी

कोटा, 22 जून (एजेंसियां)। उत्तरी व उत्तर पूर्वी राजस्थान के बीकानेर, जयपुर व भरतपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी दो-तीन दिन बारिश की गतिविधियों में कमी रहने और तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में झालावाड़, कोटा व जयपुर जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश दर्ज की गई है। विभाग ने आज अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, डुंगरपुर, जयपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सीकर, सिरोही, टोंक, उदयपुर, बीकानेर, चूरू, जालोर, जोधपुर, नागौर और पाली में मेघगर्जन, वज्रपात और तेज हवाओं का येलो अलर्ट जारी किया है।

वहीं हाड़ौती अंचल में प्री-मानसून की गतिविधियां दूसरे दिन भी जारी रही। हाड़ौती में सीजन की पहली मूसलाधार बारिश हुई। गर्मी व उसम से लोगों को राहत मिली और मौसम खुशगवार हो गया। बांधों में भी पानी की आवक तेज हो गई। कोटा में दो घंटे में सवा इंच बारिश हुई। चबल नदी के ऊपरी क्षेत्र में जोरदार बारिश से पानी की आवक हुई। इससे कोटा बैराज के दो गेट तीन-तीन फीट खोलकर 7598 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया। कोटा बैराज के एक्सईएन भारतरत्न गौड़ ने बताया कि रात 9 बजे तक कोटा बैराज से 3771 क्यूसेक पानी की निकासी जारी थी। जबकि जवाहर सागर बांध के पन बिजलीघर में बिजली उत्पादन कर 3744 क्यूसेक पानी की निकासी की गई।

स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा था देह व्यापार

झुंझुनू, 22 जून (एजेंसियां)। कोतवाली पुलिस ने शहर के गुढ़ा रोड पर संचालित एक स्पा सेंटर पर कार्रवाई कर संचालक सहित तीन युवक व तीन युवतियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सातों आरोपियों के खिलाफ पीटा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। सीओ सिटी वीरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि कई दिनों से शहर के अलग-अलग स्थानों पर स्पा सेंटरों की आड़ में अनैतिक व्यापार की शिकायतें मिल रही थी। इसके तहत शुक्रव्रार को गुढ़ा रोड पर संचालित रॉयल थाई स्पा सेंटर पर कोतवाली के पुलिसकर्मियों को सादा वर्दी में बोगस ग्राहकर बनाकर भेजा। मामले का सत्यापन होने के बाद इशारा मिलते ही छापा मारा गया। जहां पर स्पा सेंटर संचालक रणजीतसिंह, दो यूपी के और एक सीकर के युवक व दो आसाम और एक बंगाल की युवती को गिरफ्तार किया गया। युपी व सीकर के पकड़े गए तीनों युवक ग्राहक थे। कोतवाली पुलिस ने कुछ दिन पहले झुंझुनूं शहर के बगड़ रोड पर पंचदेव मंदिर के पास स्थित स्पा सेंटर पर कार्रवाई की थी। जिसमें छह युवतियां पुलिस को मौके पर मिली थी। चिड़ावा पुलिस ने नायकों की ढाणी, अड़ूका के घर के बाहर से बाइक उठाकर जलाने के आरोपी को गिरतार किया है।

ह्दयांश के बाद अब मासूम अर्जुन को लगेगा दुनिया का सबसे महंगा इंजेक्शन ! शिक्षा विभाग ने बढ़ाए कदम

जयपुर। ह्दयांश के बाद अब मासूम अर्जुन जांगिड़ की जान बचाने के लिए जद्दोहद जारी है। मासूम अर्जुन स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉपी से पीड़ित है। जिसे साढ़े सत्रह करोड़ रुपए का इंजेक्शन लगना है। पीड़ित परिवार के पास अब तक करीब साढ़े छह करोड़ रुपए की राशि जन सहयोग से एकत्रित हो चुकी है। अगर फाइनेंस की बात भी करे तो परिवार को अभी भी करीब दो से ढ़ाई करोड़ तक की आवश्कता है। जिसके बाद फाइनेंस से उस इंजेक्शन को मंगाया जाएगा। जिससे अर्जुन को नई जिंदगी दी जा सकती है।

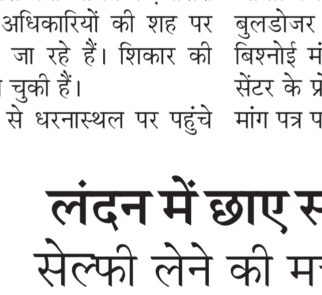

अब एक बारगी फिर शिक्षा विभाग ने इसके लिए कदम उठाया है। शिक्षा विभाग की ओर से एक आदेश जारी किया गया है। माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर के निदेशक आशीष मोदी की ओर से आदेश जारी किया गया है। जिसमें लिखा गया है कि सभी कर्मचारी व अधिकारी अपने जून महीने के वेतन से 60 रुपए की सहायता राशि स्वैच्छिक कटौती कराएं। जिससे बालक अर्जुन की जीवन रक्षा हो सके। इसके अलावा शिक्षा विभाग ने अपील भी की है कि अगर कोई पीड़ित परिवार को सीधा सहयोग करना चाहता है तो उनके खाते में भी सहयोग राशि भेज सकता है।

प्रख्यात चिकित्सक डॉ. लखटकिया को मिला अमेरिका में पुरस्कार

पूरी दुनिया में हर साल सिर्फ़ एक व्यक्ति को मिलता है यह सम्मान

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दुनिया के जाने-माने चिकित्स डाक्टर संदीप लखटकिया को अमेरिकन सोसायटी फॉर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी (एएसजीई) ने एएसजीई क्रिस्टल पुरस्कार से सम्मानित किया। डॉ संदीप लखटकिया के वैश्विक जीआई एंडोस्कोपी में अहम योगदान को देखते हुए यह महत्वपूर्ण पुरस्कार दिया गया। एआईजी अस्पताल, गच्चीबोवली हैदराबाद के निदेशक - एंडोस्कोपी, डॉक्टर लखटकिया को वाशिंगटन, डी.सी. अमेरिका में 2024 एएसजीई क्रिस्टल पुरस्कार, (अंतर्राष्ट्रीय सेवा पुरस्कार) दिया गया।एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (ईयूएस) में विश्व विशेषज्ञ डॉ. संदीप लखटकिया ने जीएल एंडोस्कोपी के अभ्यास और शिक्षा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्षेत्र के प्रति उनका समर्पण युवा एंडोस्कोपिस्टों को सलाह देने, अपनी व्यापक विशेषज्ञता को साझा करने और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल चिकित्सीय तकनीकों में सीखने और नवाचार के समुदाय को बढ़ावा देने की उनकी प्रतिबद्धता के माध्यम से है।

गैस्ट्रोएंटरोलॉजी में ऑप्टिशियन और एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (ईयूएस) में विश्व विशेषज्ञ डॉ. संदीप लकटकिया ने जीएल एंडोस्कोपी के अभ्यास और शिक्षा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्षेत्र के प्रति उनका समर्पण युवा एंडोस्कोपिस्टों को सलाह देने, उनकी व्यापक विशेषज्ञता को साझा करने और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल चिकित्सीय तकनीकों में सीखने और नवाचार के समुदाय को बढ़ावा देने की उनकी प्रतिबद्धता से स्पष्ट होता है। दुनिया भर में जीएल एंडोस्कोपिस्टों की सर्वोच्च संस्था एएसजीई ने प्रशिक्षण और नैदानिक ज्ञान को बढ़ावा देने में उनके असाधारण प्रयासों को उजागर करते हुए डॉ. लखटकिया को इस पुरस्कार के लिए चुना। यह सम्मान न केवल डॉ. लताकिया की व्यक्तिगत उपलब्धियों का जश्न मनाता है बल्कि एआईजी अस्पतालों में चिकित्सा उत्कृष्टता के उच्च मानकों पर भी प्रकाश डालता है। खास बात यह है कि पूरी दुनिया में हर साल सिर्फ़ एक व्यक्ति को यह पुरस्कार मिलता है और यह पुरस्कार सिर्फ़ उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के सम्मान में दिया जाता है। पुरस्कार समारोह में सिर्फ़ चुनिंदा लोगों को ही आमंत्रित किया जाता है। पुरस्कार मिलने पर आभार व्यक्त करते हुए डॉ. संदीप लखटकिया ने कहा, एएसजीई से अंतर्राष्ट्रीय सेवा पुरस्कार प्राप्त करके मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह मान्यता मेरे सहकर्मियों के सहयोगात्मक प्रयासों और एआईजी के अटूट समर्थन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार सिर्फ मेरा नहीं बल्कि हम सब भारतियों का है। एआईजी हॉस्पिटल के चेयरमैन नागेश्वर रेड्डी ने डॉ. लकटकिया को बधाई दी।

पावर ग्रिड द्वारा दक्षिणी क्षेत्र-I अंतर क्षेत्रीय टेबल टेनिस टूर्नामेंट

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। देश की अग्रणी कंपनी पावर ग्रिड द्वारा दक्षिणी क्षेत्र-I अंतर क्षेत्रीय टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2024 का भव्य आयोजन जारी के तहत पावरग्रिड अंतर क्षेत्रीय टेबल टेनिस टूर्नामेंट का दूसरा दिन हैदराबाद, 22 जून(स्वतंत्र वार्ता)। पावर ग्रिड द्वारा दक्षिणी क्षेत्र-I अंतर क्षेत्रीय टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2024 का भव्य आयोजन जारी के तहत पावरग्रिड अंतर क्षेत्रीय टेबल टेनिस टूर्नामेंट का दूसरे दिन का खेल कल खेला जा रहा है।

इस संदर्भ में, पावरग्रिड के आधिकारिक सूत्रों नुसार, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, दक्षिणी क्षेत्र-I दि. 21 से 23 जून, 2024 तक लाल बहादुर शास्त्री इंडोर स्टेडियम, एबिड्स, हैदराबाद में अंतर क्षेत्रीय टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2024 आयोजित कर रहा है।

इस टूर्नामेंट में भारत भर से पावरग्रिड क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमें भाग ले रही हैं, जिसमें, कॉर्पोरेट सेंटर (सीसी), उत्तरी क्षेत्र-I (एनआर-I), उत्तरी क्षेत्र-II (एनआर-II), उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (एनईआर), पूर्वी क्षेत्र-I (ईआर-I), पूर्वी क्षेत्र-II (ईआर-II), पश्चिमी क्षेत्र-I (डब्ल्यूआर-I), पश्चिमी क्षेत्र-II (डब्ल्यूआर-II), दक्षिणी क्षेत्र-I (एसआर-I), दक्षिणी क्षेत्र-II (एसआर-II) टूर्नामेंट में कुल 10 पुरुष टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें से प्रत्येक में 6 सदस्य हैं और 05 महिला टीमें विभिन्न श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, अर्थात् पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल और टीम इवेंट पुरुष और महिला शामिल है।

इसके चलते सभी खेलप्रेमी इस तीन दिवसीय टेन्निस टूर्नामेन्ट का खूब आनन्द ले रहे है।

अय्यन्नापत्रुडु सर्वसम्मति से आंध्र प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष चुने गए

गुंटूर, 22 जून (एनएसएस)। सात बार के विधायक चिंताकयाला अय्यन्नापत्रुडु को शनिवार को सर्वसम्मति से आंध्र प्रदेश राज्य की तीसरी विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया। अय्यन्ना के नाम की घोषणा प्रोटेम स्पीकर बुचैया चौधरी ने की। बाद में अय्यन्ना ने अध्यक्ष की कुर्सी संभाली।मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण और भाजपा नेताओं ने उन्हें गरिमा के साथ अध्यक्ष की सीट पर बैठाया। वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन इस कार्यक्रम से दूर रहे। अय्यन्नापत्रुडु अनकापल्ली जिले के नरसीपटनम विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए। उनके पास चार दशकों से अधिक का राजनीतिक अनुभव है। अय्यन्नापतरुडु ने 1983 में तेलुगु देशम पार्टी के उदय के साथ राजनीति में प्रवेश किया। तब से, उन्होंने हर संभव तरीके से पार्टी का समर्थन किया है। अय्यन्नापतरुडु सात बार विधायक और एक बार सांसद रह चुके हैं। स्नातक अय्यन्नापतरुडु अब तक पांच बार राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। उन्होंने तकनीकी शिक्षा, खेल, सड़क, भवन, वन और पंचायती राज विभाग जैसे प्रमुख विभागों को संभाला। 1983 से, उन्होंने 10 विधानसभा चुनाव और दो संसदीय चुनाव लड़े हैं।

आंध्र के पूर्व सीएम के पार्टी ऑफिस पर चला बुलडोजर

एक दिन पहले घर पर तोड़फोड़ हुई

अमरावती, 22 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की पार्टी का निर्माणाधीन ऑफिस राज्य सरकार ने बुलडोजर से गिरा दिया है। शनिवार सुबह 5:30 बजे यह कार्रवाई आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (सीआरडीए) ने की। गुंटूर के तड़ेपल्ली में यह आफिस 9,365 वर्ग फीट में बनाया जा रहा था। इस कार्रवाई की टाइमिंग की खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, सितंबर 2023 में जब वाईएसआरसीपी की सरकार थी और जगनमोहन रेड्डी सीएम थे, तब टीडीपी चीफ चंद्रबाबू नायडू को सुबह 6 बजे उनके घर से गिरफ्तार किया गया था। सीआईडी ने भ्रष्टाचार के आरोप में चंद्रबाबू को अरेस्ट किया था। वाईएसआरसीपी का ऑफिस भी 5:30 बजे तोड़ा गया।

इससे पहले, हैदराबाद महानगर निगम (जीएचएमसी) ने रेड्डी के लोटस पॉन्ड आवास से लगे फुटपाथ पर अवैध निर्माण को तोड़ दिया। इसका उपयोग सुरक्षाकर्मी कर रहे थे। रेड्डी के आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के महज 10 दिन बाद यह कार्रवाई की गई। राज्य सरकार की एजेंसियों की इस कार्रवाई पर वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने कहा-आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री और टीडीपी सुप्रिमो चंद्रबाबू नायडू बदले की राजनीति कर रहे हैं। वे एक तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

वाईएसआरसीपी बोली-सरकार ने हाईकोर्ट का निर्देश भी नहीं माना

राज्य सरकार की कार्रवाई पर वाईएसआरसीपी ने कहा कि ऑफिस तोड़े जाने से पहले उसमें स्लैब डालने की तैयारी हो रही थी। तेलंगाना हाईकोर्ट ने किसी भी तरह की तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। पार्टी की लीगल टीम ने सीआरडीए कमिश्नर को इस आदेश से अवगत करा दिया था। सीआरडीए ने इस आदेश की अवहेलना की है।

खदान में काम करने वाले मजदूर की हृदयाघात से मौत

पेड्डापल्ली, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गोदावरीखानी के रामगुंडम-2 में वकीलपल्ली कोयला खदान में सिंगरेनी के एक ठेका मजदूर की कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। शुक्रवार रात खदान में ड्यूटी के दौरान वेल्डर जनगामा शर्मा को सीने में दर्द की शिकायत थी, जिसके बाद वह बेहोश हो गए। उनके सहकर्मियों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गोदावरीखानी के केसीआर कॉलोनी के निवासी शर्मा के परिवार में उनकी पत्नी और बेटी हैं।

भारत गौरव पुण्य क्षेत्र यात्रा ट्रेन सिकंदराबाद से रवाना

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे की भारत गौरव ट्रेन को रेल उपयोगकर्ताओं से भारी प्रतिक्रिया मिल रही है। दो तेलुगु राज्यों के रेल यात्रियों को एक अनूठा अवसर प्रदान करने वाली पर्यटक सर्किट ट्रेन के रूप में शुरू की गई इस ट्रेन ने शनिवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से 592 यात्रियों के साथ अपनी एक और यात्रा शुरू की और यह दक्षिणी राज्यों तमिलनाडु और केरल के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को कवर करेगी। 20वीं भारत गौरव ट्रेन का उद्घाटन रवींद्रनाथ, सीनियर सिटीजन ने किया। ज्योतिर्लिंग के साथ दिव्य दक्षिण यात्रा का नौ दिवसीय दौरा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के रेल यात्रियों/तीर्थयात्रियों को तिरुवन्नामलाई (अरुणाचलम), रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी, त्रिवेंद्रम, त्रिची और तंजावुर जैसे महत्वपूर्ण स्थलों की यात्रा करने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है।

मिधानि में योग उत्सव मनाया गया

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 10वें अंतर राष्ट्रीय योग द्रुस के उपलक्ष्य में रक्षा मंत्रालय उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि), हैदराबाद में दि. 18 से 21 जून 2024 तक योग-स्वयं और समाज के लिए विषय पर ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड से योग उत्सव का आयोजन किया गया। 21 जून 2024 को डॉ. संजय कुमार झा, सीएमडी, मिधानि ने कर्मचारियों के लिए वेबेक्स के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि योग अभ्यास से शरीर तो स्वस्थ होता ही है उससे मन को भी शांति मिलती है। नियमित योगाभ्यास से दिन भर काम करने के लिए ऊर्जा प्राप्त होती रहती है। उन्होंने ने अपील की कि कंपनी के सभी कर्मचारी अपने जीवन में योग को शामिल करें और कंपनी की प्रगति में सकारात्मक रूप से सहयोग देते रहें। अवसर पर कंपनी के निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) मुत्तुकुमार ने योग अभ्यास में शामिल कर्मचारियों को 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सुस्त शरीर को तंदुरुस्त बनाने का बहुत अच्छा साधन है योग। इससे मनुष्य का न केवल शारीरिक बल्कि अध्यात्मिक रूप से भी उन्नति संभव है। आगे कहा कि सभी कर्मचारी यदि स्वस्थ रहेंगे तो कंपनी की उत्पादक क्षमता अवश्य बढ़ेगी। अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ए. रामकृष्ण राव ने कहा कि स्वस्थ परिवार, समाज और कंपनी के लिए अति आवश्यक है कि उसके सदस्य स्वस्थ रहें। मिधानि में काम करने वाले प्रत्येक कर्मचारी मिधानि परिवार का हिस्सा हैं। उन्हें स्वस्थ रखना कंपनी का प्राथमिक लक्ष्य है। इसीलिए समय-समय पर कंपनी में स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उसी का एक हिस्सा है योग दिवस। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि वे कंपनी की मेरुदंड हैं। इसीलिए कंपी की तरक्की के लिए उन्हें स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम के सफल एमपी रमेश, उमप्र (प्रभारी-सुरक्षा एवं सीओई), एआर रश्मि, प्रबंधक (मा.संसा.) पी. सुनील, उप प्रबंधक (मा.संसा.), पवन कुमार, उप प्रबंधक (सीओई) और राघवेंद्रा, सहायक, प्रशासन का सक्रिय योगदान रहा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का समापन शांति पाठ तथा राष्ट्रगान से हुआ।

गायों के स्वामित्व को लेकर विवाद पहुंचा थाने

खम्मम, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यहां पेनुबल्ली मंडल के दो गांवों में घूम रहे गायों के झुंड ने विवाद को जन्म दे दिया है। शनिवार को दोनों गांवों के निवासियों ने पुलिस से संपर्क कर गायों के झुंड पर अपना स्वामित्व होने का दावा किया। पुलिस के अनुसार, मंडल के सोमला नाइक थांडा और रामचंद्र राव बंजार के ग्रामीणों के बीच गायों के स्वामित्व को लेकर पिछले 10 दिनों से विवाद चल रहा था, जो चरने के लिए दोनों गांवों में घूम रही थीं। ग्रामीणों ने एक-दूसरे के खिलाफ वीएम बंजार पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, तो पुलिस ने उन्हें अपने-अपने गांवों में बुजुर्गों की मौजूदगी में विवाद सुलझाने की सलाह दी।

हालांकि, गांव वाले इस बात से सहमत नहीं हुए और कहा कि वे विवाद को सुलझाने के लिए गांव के बुजुर्गों से संपर्क कर चुके हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पाया। इसके बाद पुलिस ने उन्हें वीएम बंजार के रिंग सेंटर में गायों को छोड़ने के लिए कहा, क्योंकि गायें खुद ही असली मालिकों के घर पहुंच जाएंगी। हालांकि, यह भी कारगर नहीं हुआ और रिंग सेंटर में गायों को छोड़ने के बाद भी गांव वाले फिर से बहस करने लगे। हर गांव वाला गायों पर अपना-अपना दावा करने लगा।

इससे कुछ समय के लिए केंद्र पर यातायात बाधित हो गया, जिसके कारण पुलिस को फिर से हस्तक्षेप करना पड़ा। हालांकि पुलिस ने ग्रामीणों को तितर-बितर करने और उन्हें उनके घरों में वापस भेजने में कामयाबी हासिल की, लेकिन स्वामित्व विवाद अभी भी अनसुलझा है।

हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस का बिना नंबर प्लेट वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान

85 वाहन मालिकों के खिलाफ एफआईआर, 40 नाबालिग पकड़े गए

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने बिना नंबर प्लेट और छेड़छाड़ की गई नंबर प्लेट वाले वाहन चलाने वाले मोटर चालकों और नाबालिगों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया।

विशेष अभियान के दौरान, 420 आईपीसी के तहत 85 वाहन मालिकों के खिलाफ 35 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इसके अलावा 40 नाबालिगों को पकड़ा गया है और नाबालिगों को गाड़ी चलाने की अनुमति देने के लिए मालिकों के अलावा उनके खिलाफ भी मामले दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि हम हैदराबाद के नागरिकों से उचित पंजीकरण नंबर प्लेट वाले वाहन चलाने की अपील करते हैं।

हम वाहन मालिकों और अभिभावकों से भी आग्रह करते हैं कि वे नाबालिगों को अपने वाहन चलाने की अनुमति न दें क्योंकि यह एमवी अधिनियम की धारा 180/177 के तहत दंडनीय है, जिसके तहत 3 महीने की जेल या पांच हजार रुपये का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। सतर्क नागरिकों से अनुरोध है कि वे हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस फेसबुक, एक्स (ट्विटर) और ट्रैफिक हेल्पलाइन (9010203626) के माध्यम से हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस को यातायात उल्लंघन की सूचना दें। अन्य यातायात उल्लंघनों के खिलाफ भी इस तरह के विशेष अभियान जारी रहेंगे और अन्य यात्रियों और पैदल चलने वालों के जीवन को खतरे में डालने वाले मोटर चालकों के खिलाफ उचित और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सिरसिला बुनकर ने एसिड पीकर दी जान

राजन्ना-सिरसिला, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में शुक्रवार को 4% वर्षीय एक बुनकर ने एसिड पीकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान कुडिक्याला नागराजू के रूप में हुई है। राजीवनगर निवासी नागराजू परिवार चलाने के लिए पावरलूम पर काम करते थे। पिछले छह महीने से कोई काम न मिलने के कारण वह आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। इसके अलावा, नागराजू ने अपने इलाज और अन्य खर्चों के लिए निजी साहूकारों से 4 लाख रुपये उधार लिए थे। चूंकि कोई काम नहीं था, इसलिए परिवार चलाने के अलावा कर्ज चुकाने के लिए भी उन पर मानसिक दबाव था।

नागराजू तीन दिन पहले घर से निकला था और गुरुवार रात को वापस लौटा और शुक्रवार को जब उसके परिवार के सदस्य काम पर बाहर गए थे, तब उसने एसिड पी लिया। उसके परिवार में उसकी पत्नी लावण्या और बेटे लोकेश और विग्नेश हैं। लावण्या बीड़ी बनाने का काम करता है।

गोशामहल विधायक राजा सिंह जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल, बेगम बाजार पार्षद शंकर यादव, गोलकोंडा प्रेसिडेंट पांडु शादव फूल मार्केट में नई पाइंप लाइन एवं सीसी रोड का शुभारंभ करते हुए । साथ में अमर सिंह, कृष्णा मयुर, अनिल यादव, दासरी अनिल रेणुका, काजल, रघु, प्रवीण, आदि उपस्थित थे।

कुमावत समाज तेलंगाना द्वारा तुमकुंटा में आयोजित सम्मान समारोह में राजस्थान निमाज से पधारे पंच मांगीलाल डैय्या, सुरेशकुमार हड़ीवाल, (आप और हम) के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत, गिरधारीलाल मंगलोडा पटेलनगर, सूरत से पधारे कुमावत समाज के सचिव बाबुलाल मोटावत, ओमप्रकाश हांगर, बुद्धाराम होतवाल, धर्माराम डैय्या, जयप्रकाश चांदोरा, मोतीलाल भोमावत, अणदाराम मनावत, प्रकाश मालीया, नारायणलाल घोड़ावड़, ढगलाराम बाकरेचा, कालुराम मावर, राजूराम बाकरेचा, आसुराम चांदोरा, सी.आर. रेणवाल, कुमावत समाज तेलंगाना के अध्यक्ष सोनाराम तिलायचा।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

शिक्षा मंत्रालय ने ...

यहां सिर्फ दो कैंडिडेट्स ही एग्जाम देंगे। 23 जून को 2 बजे से 5:20 तक ये एग्जाम होना है। ये एग्जाम 6 शहरों में कंडक्ट किया जाएगा। एनटीए ने सेंटर्स पर ऑब्जर्वर अपॉइंट कर दिए हैं। एग्जाम के दौरान एनटीए और शिक्षा मंत्रालय के अधिकारी भी सेंटर्स पर मौजूद रहेंगे।

हरियाणा के झज्जर सेंटर को भी बदल दिया गया है। इसी सेंटर से 720/720 स्कोर करने वाले 6 कैंडिडेट्स सामने आए थे। इस सेंटर पर रीएग्जाम कंडक्ट नहीं किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि एग्जाम के दौरान किसी तरह की परेशानी न आए, ये सुनिश्चित करने के लिए एग्जाम सेंटर्स में बदलाव किया गया है।

पेपर लीक हुआ ...

दरअसल, मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए होने वाली नीट परीक्षा गड़बड़ी को लेकर विवादों में हैं। केंद्र की नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इस साल 5 मई को यह एग्जाम लिया था। इसमें लगभग 24 लाख स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। रिजल्ट 4 जून को आया था। इसमें 67 बच्चे ऐसे हैं, जिन्होंने सौ फीसदी स्कोर किया यानी 720 नंबर की परीक्षा में उन्होंने पूरे 720 नंबर हासिल किए। ऐसा पहली बार हुआ कि इतनी बड़ी संख्या में छात्रों ने पूरे सौ फीसदी नंबर हासिल किए हों। साल 2023 में सिर्फ दो छात्रों को सौ फीसदी नंबर आए थे।

इसके बाद पता चला कि 1563 स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। फिर परीक्षा का पेपर लीक होने का भी खुलासा हुआ।

मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जिसके बाद केंद्र ने ग्रेस मार्क्स वाले 1563 स्टूडेंट्स के स्कोर कार्ड रद्द कर दिए गए और 23 जून को दोबारा इनकी परीक्षा लेने की बात कही। नीट में गड़बड़ी और री-एग्जाम की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अब तक 5 याचिकाएं दाखिल की गई हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

लायंस क्लब हैदराबाद समर्पण द्वारा मुफ्त पौधा वितरण

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लायंस क्लब हैदराबाद समर्पण द्वारा शनिवार दि. 22 जून 2024 को, किंग कोठि. हैदराबाद पर, द्विदितिय मुफ्त पौधा वितरण(सेकण्ड फ्री सैपलिन्ग डिस्ट्रीब्यूशन) कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अध्यक्ष महेन्द्रकुमार गुप्ता के नेतृत्व में, चहुं ओर हरियाली फैलाएं एवं धरती माता की रक्षा करें नामक संदेश के साथ कुल 500 पौधों का वितरण किया गया। इस मुफ्त पौधा वितरण कार्यक्रम में भाग लेनेवाले गणमान्य व्यक्तियों में अध्यक्ष महेन्द्र कुमार गुप्ता, सचिव निर्मल कुमार जैन, सुरेन्दर तोलिया, प्रवीण चन्डेलवाल, महेश अगरवाल, प्रताप नारायण संघी, दीपक सदर, राकेश अगरवाल, रामनिवास बंसल, सनिका गुप्ता, मंजू तोलिया, नीता खण्डेलवाल, नंदिनी अगरवाल, निर्मला संघी, ललिता बंसल शामिल हैं।

दादाजी योगा ग्रुप द्वारा मनाया गया योग दिवस

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर दादाजी योगा ग्रुप द्वारा योग दिवस बहुत ही धूम - धाम से कुत्बीगुड़ा स्थित किसना ग्रैंडुअर के छत पर टेरिस पर खुले में दादाजी योगा ग्रुप द्वारा योग दिवस योगों की क्रियाएं को करते हुए नगरव्दय के वरिष्ठ योगाचार्य 102 वर्षीय श्री रतनलाल जाजू जी के निर्देशन में संपन्न हुआ।

श्री रतनलाल जी जाजू के साथ योग शिक्षक रमाकांत अग्रवाल, वेंकट रेड्डी और CA श्याम मोदानी ने संचालन कर योग के महत्व को समझाया और प्रेरित किया। साधकों ने योग के विषय में अपनी अपनी शंकाएं भी पूछ कर दूर करी।

यह योग कक्षा प्रतिदिन नि:शुल्क सभी जन के लिए उपलब्ध है। साधकों में उपस्थित रहने वालों में रूप किरण, चित्रा, संध्या, प्रतिभा मालपानी, भारती, स्नेहा, निधि, सरला सोनी, प्रेमलता मोदानी, कल्पना सोनी, प्रदीप जाजू, किरण अग्रवाल, के के सोनी, ओमप्रकाश मोदानी, कीर्ति, सरोज, लीला मोदानी, प्रेमा सोनी आदि ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने जलपान कर, एक दूसरे को योग दिवस की बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित कर सभा का समापन हुआ।

वेस्टइंडीज ने अमेरिका को 9 विकेट से हराया

सेमीफाइनल की रेस में बरकरार; होप ने नाबाद 82 रन बनाए, चेज ने 3 विकेट लिए

ब्रिजटाउन, 22 जून (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2024 सुपर-8 के छठे मुकाबले में अमेरिका को 9 विकेट से हरा दिया। इस जीत से विंडीज सेमीफाइनल की रेस में बरकरार है। सुपर 8 के दूसरे ग्रुप में साउथ अफ्रीका 4 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद वेस्टइंडीज दूसरे तो इंग्लैंड तीसरे स्थान पर है। दोनों टीमों के 2 मैचों में 2-2 पॉइंट्स हैं हालांकि बेहतर नेट रन रेट के चलते विंडीज इंग्लैंड से ऊपर है।

वेस्टइंडीज ने शनिवार को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया और अमेरिका को 19.5 ओवर में 128 रन पर ऑलआउट कर दिया। 129 रन का टारगेट वेस्टइंडीज ने 10.5 ओवर में ही चेज कर लिया। आगे मैच एनालिसिस...

मैच विनर

वेस्टइंडीज की जीत में बॉलर्स का अहम योगदान रहा। यूएसए ने मैच में शुरुआत अच्छी की, लेकिन पावरप्ले के बाद रोस्टन चेज ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। चेज ने 19 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

टर्निंग पॉइंट मैच का टर्निंग पॉइंट रोस्टन चेज का स्पेल रहा। चेज ने अपने स्पेल में तीन विकेट झटके। उन्होंने 10वें ओवर में पहले कप्तान एरोन जोन्स को पवेलियन भेजा। उन्होंने इसके बाद 14वें ओवर में अमेरिका को दो लगातार झटके दिए। ओवर की दूसरी बॉल पर कोरी एंडरसन और तीसरी बॉल पर हरमीत सिंह को आउट किया। इन झटकों के बाद USA मैच में वापसी ही नहीं कर सका।

फाइटर ऑफ द मैच

एंड्रियस गॉस ने अपनी टीम को 128 रन तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। उन्होंने अमेरिका के लिए सबसे ज्यादा 29 रन बनाए। इस दौरान 16 गेंदों का सामना करते हुए तीन चौके और एक सिक्स लगाया।

अमेरिका की पारी

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी अमेरिका की ओर से एंड्रियस गॉस 29, नीतीश कुमार 20, मिलिंद कुमार 19 और अली खान ने 14 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से आंद्रे रसेल और रोस्टन चेज ने 3-3 विकेट लिए। अल्जारी जोसेफ ने 2 विकेट झटके। गुडाकेश मोती को एक विकेट मिला। वहीं मिलिंद कुमार रन आउट हुए।

वेस्टइंडीज की पारी

टारगेट का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की ओर से शाई होप ने 39 बॉल पर नाबाद 82 रन की पारी खेली। यह उनका चौथा टी-20 इंटरनेशनल अर्धशतक है। निकोलस पूरन ने नाबाद 27 रन बनाए। वहीं जॉनसन चार्ल्स 15 रन बनाकर आउट हुए। अमेरिका की ओर से इकलौता विकेट हरमीत सिंह ने लिया।

होप और चार्ल्स के बीच 67 रन की ओपनिंग साझेदारी हुई। वहीं दूसरे विकेट के लिए होप और पूरन ने नाबाद 63 रन जोड़े।

क्या गौतम गंभीर नहीं बनेंगे टीम इंडिया के नए हेड कोच?

कहा- मैं जहां हूं, वहां खुश... आगे की नहीं सोच रहा

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। टीम इंडिया के नए हेड कोच के सवाल पर अपने ताजातरीन बयान से गौतम गंभीर ने पूरे मामले को दिलचस्प बना दिया है. अब तक गंभीर के नया हेड कोच बनने की रिपोर्ट्स थी लेकिन उनके लेटेस्ट स्टेटमेंट को सुनने के बाद लगता नहीं कि अभी कुछ भी फाइनल है. भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और आईपीएल 2024 में केकेआर के मेंटॉर रहे गौतम गंभीर से कोलकाता में जब भारतीय टीम का हेड कोच बनने पर सवाल हुआ तो उन्होंने इस पर सीधे तौर पर कुछ भी कहने से पल्ला झाड़ लिया. गंभीर ने बस इतना कहा कि वो अभी जहां हैं, वहां खुश हैं. ज्यादा आगे की नहीं सोच रहे.

टीम इंडिया के नए हेड कोच के तौर पर राहुल द्रविड़ का कार्यकाल T20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद खत्म हो रहा है. राहुल द्रविड़ के बाद गौतम गंभीर के नया हेड कोच बनने की रिपोर्ट्स थी. ये भी खबर थी कि कोच बनने के लिए बीसीसीआई के पास आवेदन भी सिर्फ गंभीर का ही आया था. यहां तक कि रिपोर्ट ये भी है कि कोच बनने के लिए जिस एक शख्स का इंटरव्यू बीसीसीआई की क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी ने लिया, वो बस गंभीर रहे. इन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद गंभीर का ये कहना कि वो उतनी दूर की नहीं सोच रहे, हेड कोच के सवाल को और गहराता है.

टीम इंडिया के हेड कोच बनने के सवाल पर गौतम गंभीर

गौतम गंभीर ने कोलकाता में पीटीआई से बातचीत में टीम इंडिया के हेड कोच बनने के सवाल पर कहा कि इसका जवाब देना फिलहाल मुश्किल है. मैं उतनी आगे की सोच भी नहीं रहा. अभी मैं बस यही कह सकता हूं कि जहां हूं, वहां खुश हूं. अब गौतम गंभीर ने ये बयान पश्चिम बंगाल में दिया लेकिन इस पर दिलचस्पी पूरे देश की जाग गई है.

गौतम गंभीर का तो कोच बनना तय था, फिर क्या हुआ?

रिपोर्ट्स के मुताबिक टीम इंडिया का नया हेड कोच बनने को लेकर गौतम गंभीर को खुद बीसीसीआई ने ही अप्रोच किया था. हेड कोच के लिए आवेदन मंगाने के बाद भी बोर्ड, गंभीर के लगातार टच में था. इससे ये लगने लगा था कि गंभीर ही अगले हेड कोच होंगे. लेकिन, गंभीर के बयान के बाद फिलहाल के लिए उन कयासों पर पानी फिरता ही नजर आ रहा है. ऐसे में अब तो बीसीसीआई का आधिकारिक बयान ही इस मामले से पर्दा हटा सकता है.

एआईएफएफ ने दी पूर्व मुख्य कोच स्टिमैक को चेतावनी

कहा- 'सभी टिप्पणियों का अगले 48 घंटे में देंगे जवाब'

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमैक और अखिल भारतीय फुटबॉल संघ के बीच विवाद कम नहीं हो रहा है। दिग्गज ने हेड कोच पद से बर्खास्त किए जाने के बाद एआईएफएफ को चेतावनी दी है कि 10 दिन में उनका बकाया भुगतान नहीं किया गया तो वह फीफा ट्रिब्यूनल में उसके खिलाफ मामला दर्ज करेंगे। इसके अलावा स्टिमैक ने एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे पर भड़ास निकालते हुए उनका अनुबंध कई बार तोड़ने का आरोप लगाया। इसके अलावा उन्होंने क्वालिफायर में भारत के दूसरे दौर से आगे नहीं जा पाने के लिए चौबे को ही जिम्मेदार ठहराया। अब बोर्ड ने उन्हें अगले 48 घंटे में कार्रवाई की चेतावनी दी है।

दरअसल, हाल ही में हुए फीफा विश्व कप 2024 क्वालिफायर में टीम इंडिया का प्रदर्शन खराब रहा था। इसके बाद एआईएफएफ ने स्टिमैक को हेड कोच पद से बर्खास्त कर दिया था। भारतीय टीम ने दूसरे राउंड में कुवैत से ड्रॉ खेला था, जबकि कतर से अहम मुकाबले में हार गई थी। ऐसे में टीम इंडिया ने पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने का मौका गंवा दिया था।

एआईएफएफ ने स्टिमैक की प्रेस कांफ्रेंस के बाद जारी एक बयान में कहा, ₹हमारे संज्ञान में आया है कि भारतीय पुरुष टीम के पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने एआईएफएफ और उसके कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के कामकाज से संबंधित मीडिया में कुछ टिप्पणियां की हैं। एआईएफएफ अगले 48 घंटों में इस संबंध में एक बयान जारी करेगा।

स्टिमैक ने एआईएफएफ अध्यक्ष पर लगाया बड़ा आरोप

स्टिमैक ने कहा कि भारतीय फुटबॉल 'कैद' है जिसके लिए उन्होंने चौबे को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान 'झूठ और अधूरे वादों से तंग आ चुके थे'। इससे पहले स्टिमैक ने कहा था कि 'कल्याण चौबे जितनी जल्दी एआईएफएफ छोड़ेंगे, भारतीय फुटबॉल के लिए उतना ही बेहतर होगा।' उन्होंने कहा, कल्याण सिर्फ लोकप्रिय होने के बारे में चिंतित रहते हैं। हाल में मीडिया बैठकों से भी यह पता चलता है। वह एक नेता हैं लेकिन कोलकाता तक में उन्हें कोई नहीं जानता। हमें भारतीय फुटबॉल का नेतृत्व करने के लिए किसी मजबूत और प्रभावशाली व्यक्ति की जरूरत है।

इंग्लैंड से हारा हुआ मैच जीती साउथ अफ्रीका

18 गेंद में 25 रन चाहिए थे; रबाडा, यानसन और नॉर्त्या ने बनने नहीं दिए

सेंट लूसिया, 22 जून (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर 8 राउंड में एक और बेहद रोमांचक मैच देखने को मिला। आखिरी ओवर तक दोनों टीमों के चांस बराबर थे, कोई भी जीत सकता था, लेकिन बाजी मारी साउथ अफ्रीका ने। डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड यह मुकाबला महज 7 रनों से हार गई।

एक समय टीम को जीत के के लिए 18 बॉल में 25 रन बनाने थे और ब्रूक-लिविंग्सटन की जोड़ी 41 बॉल पर 78 रन की साझेदारी कर चुकी थी। ऐसे में कगिसो रबाडा ने 18वें ओवर की दूसरी बॉल पर पार्टनरशिप ब्रेक की और लिविंग्सटन को पवेलियन भेजा। साथ ही, उन्होंने इस ओवर में महज 4 रन दिए।

अगला ओवर लेकर आए मार्को यानसन ने महज 7 रन दिए। इसके बाद आखिरी ओवर में इंग्लैंड को जीत के लिए 14 रन बनाने थे। फिर भी इंग्लैंड की उम्मीदें जिंदा थीं, क्योंकि हैरी ब्रूक क्रीज पर थे और फिफ्टी पूरी कर चुके थे। एनरिक नॉर्त्या ने आखिरी ओवर की पहली बॉल पर उन्हें चलता किया और अंग्रेजों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। नॉर्त्या ने आखिरी ओवर में महज 6 रन दिए।

मैच विनर- क्विंटन डी कॉक

प्लेयर ऑफ द मैच रहे डी कॉक ने 38 बॉल पर 65 रन की पारी खेलकर साउथ अफ्रीकी टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। उन्होंने पावरप्ले के शुरुआती 3 ओवर रुक कर बल्लेबाजी की और आखिरी 3 ओवर में तेजी से रन बनाए।

डी कॉक की इस पारी ने अंतर पैदा किया और 163 रन के स्कोर की नींव रखी। उन्होंने रीजा हेंड्रिक्स के साथ 59 बॉल पर 86 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप की। उन्होंने 171.05 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। डी कॉक की पारी में 4 चौके और 4 छक्के शामिल रहे।

जीत के हीरो

कगिसो रबाडा

अपने पहले और पारी के दूसरे ओवर में फिल सॉल्ट को पवेलियन भेजा और फिर 18वें ओवर में लियाम लिविंग्सटन को आउट करके 78 रन की पार्टनरशिप ब्रेक की। यहीं से मोमेंटम साउथ अफ्रीका की ओर शिफ्ट हुआ। रबाडा ने 4 ओवर की गेंदबाजी में 8.00 की इकोनॉमी से महज 32 रन दिए।

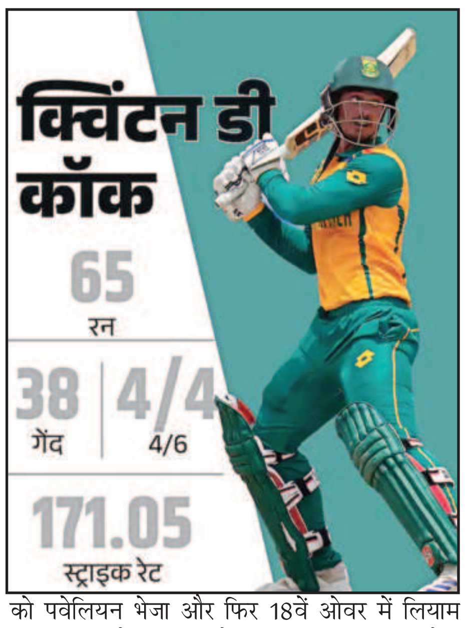

केशव महाराज

किफायती गेंदबाजी की और जोस बटलर और जॉनी बेयरस्टो को आउट करके मिडिल ओवर्स में इंग्लिश बैटर्स पर दबाव बनाया। उन्होंने 4 ओवर में 6.20 की इकोनॉमी से 25 रन दिए और 2 विकेट भी चटकाए।

एनरिक नॉर्त्या

आखिरी ओवर में जीत के लिए 14 रन चाहिए थे। ऐसे में फिफ्टी बना चुके हैरी ब्रूक को पहली बॉल पर पवेलियन भेज दिया और अपनी टीम की जीत लगभग तय कर दी। उन्होंने 4 ओवर में 8.80 की इकोनॉमी से 35 रन देकर 1 विकेट लिया।

डेविड मिलर

92 के स्कोर पर डी कॉक के आउट होने के बाद खेलने उतरे और मोर्चा संभाला। मिलर ने 28 बॉल पर 153.57 के स्ट्राइक रेट से 43 रन बनाए। उन्होंने स्टब्स के साथ 27 बॉल पर 47 रन की साझेदारी करके टीम का स्कोर 150 पार पहुंचाया। मिलर की पारी के दम पर साउथ अफ्रीकी टीम 163 के स्कोर तक पहुंच सकी। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए।

टर्निंग पॉइंट

नॉर्त्या की बॉल पर मार्करम का कैच आखिरी ओवर में इंग्लैंड को 14 रन की जरूरत थी और हैरी ब्रूक स्ट्राइक पर थे। एनरिक नॉर्त्या की पहली बॉल पर ब्रूक ने मिड ऑफ की दिशा में शॉट खेला, जहां ऐडन मार्करम ने पीछे दौड़ते हुए शानदार कैच पकड़ा। यहां ब्रूक 53 रन बनाकर आउट हुए। नए बल्लेबाज जोफ्रा आर्चर और सैम करन बाकी के रन नहीं बना सके।

लियाम लिविंग्सटन का विकेट 164 रन चेज कर रही इंग्लैंड की टीम 17 ओवर में 4 विकेट पर 139 रन बना चुकी थी और ब्रूक-लिविंग्सटन की जोड़ी ने पिछला ओवर डाल रहे ओटनील बार्टमैन पर 3 चौके और एक छक्के के सहारे 21 रन बनाए थे। कगिसो रबाडा ने 18वां ओवर डाला। इसकी दूसरी बॉल पर लिविंग्सटन आउट हो गए। यहीं से मैच साउथ अफ्रीका की ओर जाने लगा।

पावरप्ले में फिल सॉल्ट का विकेट पारी के दूसरे ओवर में फिल सॉल्ट आउट हो गए। सॉल्ट के आउट होने के बाद इंग्लिश बैटर्स दबाव में आ गए और पावरप्ले में 41 रन ही बना सके।

हार के कारण

धीमी बल्लेबाजी, 10 ओवर में 60 रन ही बनाए पावरप्ले में दो विकेट गंवाने के बाद इंग्लैंड के बैटर दबाव में आ गए और धीमी बल्लेबाजी करने लगे। आलम यह था कि 4.2 ओवर के बाद 11.4 ओवर के बीच 7 ओवर में कोई बाउंड्री नहीं लगी। 12 ओवर के बाद टीम का स्कोर 72 रन था, यानी कि टीम 6 के रन रेट से रन बना रही थी।

डी कॉक का कैच ड्रॉप हुआ साउथ अफ्रीकी पारी के 9वें ओवर में क्विंटन डी कॉक को जीवनदान मिला। आदिल रशीद की बॉल पर मार्क वुड कैच फिनिश नहीं कर सके। थर्ड अंपायर ने रीप्ले देखने के बाद डी कॉक को नॉटआउट करार दिया।

टॉप ऑर्डर के बैटर फेल रहे रन चेज में इंग्लैंड का टॉप ऑर्डर फेल रहा। टीम के टॉप-4 बैटर्स 20 रन का स्कोर पार नहीं कर सके। सॉल्ट ने 11, बटलर ने 17, बेयरस्टो ने 16 और मोइन अली ने 9 रन बनाए।

फाइटर ऑफ मैच

हैरी ब्रूक फाइटर ऑफ द मैच रहे। रन चेज कर रही इंग्लैंड ने 61 रन पर चौथा विकेट गंवा दिया। ऐसे में ब्रूक ने 37 बॉल पर 53 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने लिविंग्सटन के साथ 78 रन की साझेदारी की, लेकिन टीम को जिता नहीं सके।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी का दावा मजबूत करने उतरेगा

स्वदेशी खेलों को शामिल करने का प्रयास

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। भारत की नजरें 2036 में होने वाले ओलंपिक की मेजबानी पर टिकी हुई है और भारतीय खेल प्रशासक अगले महीने से होने वाले पेरिस ओलंपि के दौरान इसके के लिए कड़ी लॉबिंग करेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) ने गुरुवार को ओलंपिक मेजबानी का दावा करने से जुड़ी विस्तृत रिपोर्ट नए खेल मंत्री मनसुख मांडविया के सामने पेश की। एमओसी ने अपनी इस रिपोर्ट में उन छह खेलों का जिक्र किया है जिन्हें भारत को मेजबानी मिलने पर ओलंपिक में शामिल किया जा सकता है। इन खेलों में योग, खो-खो, कबड्डी, शतरंज, टी20 क्रिकेट और स्क्वाश शामिल हैं। भारत अगर मेजबानी हासिल करने में सफल रहता है तो वह योग, खो-खो और कबड्डी जैसे स्वदेशी खेलों को भी इसमें शामिल करने का प्रयास करेगा।

मेजबानी अधिकार को नहीं दिया गया अंतिम रूप

अभी खेलों के मेजबानी अधिकार को अंतिम रूप नहीं दिया गया है और ऐसे में मेजबान देश की प्राथमिकताओं पर बाद में चर्चा की जाएगी। आईओसी अध्यक्ष के अगले साल होने वाले

चुनाव के बाद ही इस पर फैसला किए जाने की संभावना है। भारत अगर मेजबानी हासिल करता है तो प्रस्तावित खेलों को इससे पहले 2032 में ब्रिस्बेन में होने वाले ओलंपिक खेलों के दौरान प्रदर्शनी खेल के रूप में शामिल किया जाएगा। इसी के बाद इन खेलों को ओलंपिक में शामिल करने पर विचार किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल मुंबई में आईओसी कांग्रेस के दौरान कहा था कि भारत 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने का इच्छुक है।

'पेरिस ओलंपिक के बाद होगी चर्चा'

एमओसी के एक सीनियर सदस्य ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से कहा, हमने नए खेल मंत्री से मुलाकात की और उन्हें रिपोर्ट सौंपी। उन्होंने कहा कि उन्हें इसको पढ़ने में कुछ दिन लगेंगे। उन्होंने हमसे एक अन्य रिपोर्ट तैयार करने के लिए भी कहा कि कैसे देश में खेल करियर का विकल्प बन सकते हैं और किस तरह से युवाओं में खेल के प्रति दिलचस्पी पैदा की जा सकती है। पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद ओलंपिक की दावेदारी पर चर्चा होगी जिसके लिए हम पूरी तरह से तैयार हैं, लेकिन हमें पेरिस ओलंपिक के दौरान आईओसी (अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति) के साथ लॉबिंग करनी होगी और उसके लिए हम अच्छी तरह से तैयार हैं।

छह महीने बाद मोहम्मद शमी ने शुरू की गेंदबाजी

खेल डेस्क, 22 जून (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी 2023 वर्ल्ड कप के बाद एक बार फिर से वापसी करने को तैयार हैं। इसको लेकर उन्होंने पसीना बहाना शुरू कर दिया है। हालांकि अभी वो अपनी पूरी ताकत के साथ गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने शुरुआत कर दी है। ये टीम इंडिया के फैंस के लिए गुड न्यूज है क्योंकि इस चोट की वजह से वो इस साल आईपीएल और टी 20 वर्ल्ड कप नहीं खेल पाए। मोहम्मद शमी ने हाल में ही सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वो ट्रेनिंग कर करते हुए नजर आ रहे हैं। बता दें कि वर्ल्ड कप के दौरान शमी को एड़ी में चोट लग गई थी। इस चोट की वजह

से वो करीब 6 महीने से क्रिकेट के मैदान से दूर हैं। मोहम्मद शमी पिछले साल हुए वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद से एक्शन से दूर हैं। उन्होंने इस साल फरवरी में ही सर्जरी कराई थी। ऐसे में वो फिर से अपनी फिटनेस को हासिल करने में लगे हैं। उनके बचपन के कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी ने हाल में ही दिए इंटरव्यू में बताया था, 'शमी ने गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है। वो अभी पूरे रनर अप के साथ गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। उन्होंने अभी नेट्स में सिर्फ गेंद को छोड़ना शुरू कर दिया है। ऐसे में वो जल्द ही फुल स्ट्रेंथ के साथ गेंदबाजी कर सकते हैं।

इससे पहले शमी की वापसी को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था कि वो बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीरीज में वापसी कर सकते हैं। भारत को इस साल बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाना है। ऑस्ट्रेलिया में भारत को 5 मैचों की सीरीज खेलनी है। इस सीरीज में मोहम्मद शमी को अहम भूमिका निभानी होगी। ऐसे में बीसीसीआई अभी शमी की वापसी पर कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता है।

पिछड़ने के बाद यूक्रेन ने की वापसी

स्लोवाकिया को हराकर अगले दौर में पहुंचने की संभावना बरकरार रखी

खेल डेस्क, 22 जून (एजेंसियां)। रोमन यारेमचुक के गोल की बदौलत यूक्रेन ने शानदार वापसी करते हुए स्लोवाकिया को यूरोपीय चैंपियनशिप 2024 (यूरो कप) फुटबॉल टूर्नामेंट के मुकाबले में 2-1 से हराया। यूक्रेन की टीम इस मुकाबले में एक गोल से पिछड़ रही थी, लेकिन यारेमचुक ने दमदार प्रदर्शन करते हुए यूक्रेन को जीत दिलाई जिसके दम पर उसने खुद को अगले दौर में पहुंचने की दौड़ में बरकरार रखा है।

यूक्रेन की यह 2024 में चार प्रतिस्पर्धी मैचों में वापसी करते हुए

तीसरी जीत है। सोमवार को रोमानिया से मिली 0-3 की हार के कारण खराब गोल अंतर से यूक्रेन नाजुक स्थिति में था और एक और हार उसे बाहर होने की कगार पर भेज सकती थी। तेज बारिश में खेलते हुए स्लोवाकिया ने 17वें मिनट में इवान शरांज के हेडर से किए गए गोल से बढ़त बना ली थी। हालांकि, यूक्रेन ने मायकोला शापारेंको के 54वें मिनट में किए गए गोल से स्कोर 1-1 बराबर कर दिया। यह शापारेंको का टूर्नामेंट में पहला गोल था। इसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे यारेमचुक ने 80वें मिनट में विजयी गोल दागा। ग्रुप ई में स्लोवाकिया के यूक्रेन और रोमानिया की तरह तीन अंक हैं। शनिवार को रोमानिया का सामना बेल्जियम से होगा।

टी20 वर्ल्ड कप में शर्मनाक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान में मचा हंगामा, अब बाबर आजम जाएंगे कोर्ट

इस्लामाबाद, 22 जून (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में शर्मनाक प्रदर्शन करके ग्रुप स्टेज से बाहर होने वाली पाकिस्तानी टीम की आफत कम होने का नहीं ले रही है। पाकिस्तानी खिलाड़ियों को फैंस, पूर्व क्रिकेटर और पत्रकारों की तीखी प्रतिक्रिया झेलने को मिल रही है। यही वजह है कि ग्रुप स्टेज से बाहर होने के बाद भी पाकिस्तानी खिलाड़ी अमेरिका में ही रुके हुए हैं। अब तक सिर्फ 2 ही खिलाड़ी पाकिस्तान लौटे हैं, इनमें नसीम शाह और उस्मान खान शामिल हैं। इस बीच टीम के गेंदबाज हारिस राउफ की एक वीडियो भी वायरल हुई जिसमें वह फैन के साथ दुर्व्यवहार करते हुए नजर आ रहे थे। फैंस ने उन्हें इस वीडियो के बाद खूब खरी-खरी सुनाई है। वहीं, टीम के ऊपर अब एक ऐसा आरोप लगा है, जिसपर कप्तान बाबर आजम भड़क गए हैं और कोर्ट का सहारा लेने जा रहे हैं।

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम पूर्व क्रिकेटर, पत्रकार और यूट्यूबर्स के खिलाफ कार्रवाई करने का कानूनी सहारा ले रहे हैं। पाकिस्तान के एक मीडिया हाउस के मुताबिक बाबर आजम ने पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) से इस संदर्भ में मदद मांगी है। पीसीबी उन्हें कानूनी सलाह भी उपलब्ध करा रहा है। जो जानकारी अब तक सामने आई है उसके मुताबिक पाकिस्तानी कप्तान वर्ल्ड कप में मिली शर्मनाक हार पर खुद को निशाना बनाए जाने से आहत हैं। बाबर आजम का मानना है कि उन्हें जानबूझकर टॉर्गेट किया जा रहा है। इसमें पूर्व क्रिकेटर भी शामिल हैं। बाबर आजम की आलोचना करने वालों में पाकिस्तान के कई पूर्व खिलाड़ी शामिल हैं। इसमें मोईन खान, अहमद शहजाद और शोएब मलिक जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की खुलेआम आलोचना की थी। इसमें सबसे ज्यादा मुखर अहमद शहजाद थे, जोकि बाबर आजम की लगातार आलोचना कर रहे थे। वहीं, कुछ यूट्यूबर्स ने बाबर आजम पर फिक्सिंग जैसे भी आरोप लगाए हैं। इस पर पाकिस्तानी कप्तान भड़के हुए हैं।

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम अपनी आलोचना से भड़क उठे थे। उन्होंने एक बयान में कहा था कि टीवी पर राय देना आसान होता है। अगर किसी को सलाह देनी है तो सबके पास मेरा नंबर है, उन्हें सीधा फोन करना चाहिए। जैसा इस वर्ल्ड कप में हो रहा है, वैसा कभी भी नहीं हुआ है। ये उनकी कप्तानी का सबसे बुरा वक्त है क्योंकि वह अपना प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और दबाव में हैं। वहीं, कप्तानी से हटाए जाने के सवाल पर बाबर आजम ने कहा था कि फिलहाल आगे के मैचों पर ध्यान है। देखते हैं आगे क्या होता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.